कवि श्री जोगीदानजी चडिया द्वारा करेली सने 2019 नी सूर्यवंदना

नित्य सूर्यवंदना (2019)



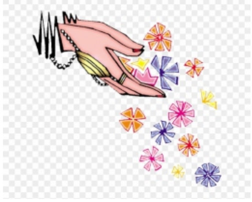


रचना : कवि श्री जोगीदानजी चडिया
मो. 9898 360 102

संकलन/संपादन : भावेश सोलंकी, राजकोट

अर्पण









वर्णवो परमार

रचना: जोगीदान चडीया



रजपुतां रो राखीयो, ध्रम त्रवांरा धार

पड़ वेंणुं परमार, जाते आवी जोगडा ..01

(हे वर्णवा परमार तमे परणवुं पड्युं मुकी ने गायो नी व्हारे चडी धारा तिरथ उतरी क्षात्रधर्म ने दीपाव्यो छे)

वरणवा धण वारवा, कपटी खेल करे
त्यारे
फेराय केम फरे, जान बारोटी जोगडा ..02

(हे वर्णवा परमार ज्यां लग तुं होय त्यां सुधी तो धण वाळी न सकात माटे कपटीये खेल कर्या ने तारा लग्न ने टांणे गायो वाळी पण हे वीरवर जोधा ज्यां गायो वळाती होय ते टांणे तुं फेरा केम फरे,ई बारोटेली जान अने ब्राह्मण ना विवाह मंत्र ने पडता मुकी तुं गायो नी व्हारे चड्यो तने रंग छे, कोई एम पण कहे छे के वर्णवा परमार ना लग्न ने पांच दिवस वित्या पछी आ घटना बनेल..)

तारीय तरवारुं तणीं, झीलीन जाये झीक
बमणीं लाग्ये बीक,जाय मियांणा जोगडा .03

(हे वर्णवा तारी तरवारुं नी झीक ए गायुं ना वाळतल मियांणा झीली न सक्या अने बमणीं बीके भाग्या)

मरडक धारे माथडुं, अने,त्रण गाउं धड तेग
जुद्ध खेल्यो भड़ जोगडा, व्रणवो नोखे वेग ..04

(हे वर्णवा परमार तुं सुथार नी बाई नी बोडी गाय माटे फरी चड्यो पण गाय तो मियांणा खाई गयेल एनुं रुधीर भाळी राजपुत रणबंको बन्यो अने लड्यो, लडतां लडतां मरडक धारे मस्तक पड्युं पण धड लडतुं लडतुं दुश्मनो ने त्रणगाउ आगळ मुकी आव्युं, हे वर्णवा परमार तारा जुद्ध ना वेग ने हजारो वंदन छे वीर वर्णवा)

पांण मथे परमारीया, दन धन पाती दुध
ज्वारुं चारण जोगडा, सूरवीर भड़ सेसुध ..05

(हे वर्णवा परमार तारुं धडतो मरडक धार थी त्रण गाउ दुर लडतां पोगेल ई मळेल पण तारुं मस्तक नोहतुं मळ्युं ई आडेसर ने सीमाडे वगडामां क्यांक हशे एम मानेल पण आडेसर गामनी एक गाय रोज तने आवी दुध पिवडावती भरवाडे पीछो कर्यो के मारी गाय कोंण दोई ल्ये छे,अने पत्थर नुं मस्तक दुध भर्या मोढे जोयुं..ई वर्णवा परमार नुं मस्तक पुजावा लाग्युं त्यां हाल जग्या पण बंधाणी छे)

आजेय तारा ओलिया, गाजे डाबा गोम
भड़ ई टीकर भोम, जंखे वेंणुं जोगडा..06

(हे वर्णवा परमार तारा गया पछी आजे पण ऐ रणमां कोई वटेमार्गु भुलो पडे ने पांणी नहोय ने गळे सोस पडे अने जो वर्णवाने याद करे तो आजेय ई वीर परमार वर्णवो घोडेस्वार थई देवांगी रुप मां चळकता भाले पांणी नी मशक हाथ मां लई आवे छे ने वटे मार्गुने पांणी पिवडावी मार्ग बतावी रण मां क्यांक अद्रस्य थई जाय छे मात्र एना डाबला नो अवाज काने पडतो रहे छे)

रचना : कवि श्री जोगीदानजी चडिया
मो. 9898 360 102

आभलीया ना आळीये, दिवडो पेट्यो देव
जळ आहोट्युं जोगडा,ई, गरवी थई गंगेव

हे भगवान सुरज नारायण आप समो दिवडो आभना आळीये महामाया जगदंबाये पेट्यो एटलेके प्रकटाव्यो छे..अने जमणा हाथे जळ लई आहोटी ने शिव ने माथे चडाव्युं ई पवित्र थयेल पांणी धरती पर गंगा थई ने वेहवा मांड्या.जगदंबा ना हाथ अने शिव नीव नी जटा ने अडेल पांणी एमां नाय एना पाप बाळवा माड्यु छे. एवि विराट जोगमाया ना उपासना ना दिवडा नी ज्योत समा सुरज नारायण आप ने मारां नित्य वंदन..

[1/1/2019]

नंदी केश्वर नाथ नित, पुजत हितारथ पास
जळ दई वंदे जोगडा, आदित पुर सब आस

हे भगवान सुरज नारायण नंदिकेश्वर संहीता मां आप ना गुंणगान साथे केहवायु छे के रात्री ए असुर निशाचर अने मेली शक्ति तथा भुत पिशाच जेवी नकारात्मक ताकातो नुं बळ छे..ज्यारे आप नी हाजरी हकारात्मक शक्ति अने सुद्ध देवो नुं जोम छे..माटे जे सुद्धता नो उपासक छे एेणे आपने अर्घ दिधा पछी शक्ति शिव गणेस विष्णु के अन्य देव नी पुजा करी तो ई पुजा बहु फळ देनारी थाय..नहीतर पुजा कर्यानो आत्म संतोसज आपे ईच्छीत फळ नई...हे नाथ नंदिकेश्वर संहीता जेने सकारात्मक उर्जा मां सर्वोपरी गणावे छे एवा आपने मारां नित्य वंदन छे.

[2/1/2019]

पोरह करतां पंखीयां,भाळीन उगतो भांण
जग आखा मां जोगडा, रमझट बोले रांण

हे भगवान सुरज नारायण रात्रि दरम्यान निंदर अने डर ना मार्या पक्षीयो पोताना माळे लपाई रह्या होय छे..पण ज्यां आप नुं आगमन थाय त्ृयांतो कुदरती रीते हैया मां जोम भरी ने आखुं आभ पोतानुं एकलांनुज होय एम पोरहथी पांखो पसारी उडे छे..अने आगा जग मां रमझट बोलावे छे...अबोल अने गभरु पंखीडा मां पण जोम भरी देनार नाथ ने मारां नित्य वंदन छे.

[3/1/2019]

भांण बनीने भोमियो, राह बतावत रांण
जांण सतासत जोगडा, मौजे कर मंडाण

हे भगवान सुरज नारायण आप भोमीया बनीने बधी राह चिंधो छो..पण किये मारगे जवुं ए माटे कोई दबांण नथी करता..बधा रस्ताओ बतावी दो छो..अने नजरे देखाडो छो के कीये रस्ते शुं छे..जेने पोतानी रीते सतासत(सत +असत)जांणी ने जे मार्गे जवुं होय ते मार्गे जाय जेथी दोष न दीये के तमे आ मार्गे मोकलेल..एम रस्तो बतावी कर्म करो छो तथा किया रस्ते जवुं ते व्यक्तिपर छोडी अकर्म भावी बनो छो..कर्म छतां अकर्म नी रीती आचरता सिखवनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे..

[4/1/2019]

तुं वण कोनाथी टळे,आ,भारी अंधारा भांण
तेथीज वरते तांण, जग मां तारी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण..आप नी सिवाय आ भारे भरखम अंधकार ने दुर करी सके एम छे नई...पण जो आप सतत हाजर होव तो आ लोको ने कदर नई रहे..कारण के मानव मन एवुंज छे.. तेनी पासे जे होय छे तेनी एने ओछी कदर होय छे..माटे आप नित्य आथमी जई अंधकार ने आववा दो छो..अने पछी पाछा उदय पामो छो..माटे आ जगत ने आपनी तांण वर्ताय छे..नहीतर आतो आपनेय भुलीजाय...आपतो आ अछत अने डीमांन्ड नी व्यापारीक परिभाषा ना जुग जुना जांणतल छो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[5/1/2019]

शिबि होला ने सांपड्यो, मिहिर तणां कुळ माप
जीव ने कारण जोगडा,आ, अंग दिधां धर आप

हे भगवान सुरज नारायण शिबि राजा होला ने बचाववा पोताना अंग कापी ने त्राजवे नाखे ई आप ना कुळ नो जुनो गुंण छे..जीव मातर ना जिवन माटे आपे आ धरती रुपी पोतानुं अंग कापी ने अलग करी अम सौ जीवो न रेहवा नो आसरो दिधो..(पृथ्वी सुर्य मांथी अलग पडी अर्थांत सुर्य नुं अंग छे) आदि काळ थी परोपकार ना सिक्षण दई पर काजे पोतानी काया ना कटका करी ने दई देनार परोपकारी महा दानेश्वरी आपने मारां नित्य वंदन छे.

[6/1/2019]

सुरज कोदण ना सुवे, जती पणां नो जोग
कास्यप नंद कलोग, जाय न क्यारे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप क्यारेय निंदर लेता नथी सतत तपस्या तपता रहो छो..पृथ्वि फरती होवा ने कारणे आप आथमता अने उदय थता होवानो भ्रम मनख ने थाय छे..आप ने क्यारेय कलोगा जता कोयदी जोया नथी आप सुर छो..पोतानुं स्थान कोयदी मुकी ने चलीत नथी थता..आप नी स्थिरता ने मारां नित्य वंदन छे..

[7/1/2019]

सुरज उगी के शारदा,आ, आई अचंबो ईज
जनम ईशारत जोगडा, बीज तणी मां बीज

हे भगवान सुरज नारायण अा चरण समाज मां जे उदय पामी ऐ भगवती सोनबाई नुं हाथ मां तरवार लीये अने मां रांणबाइ (मुळ नाम वालबाई)रोके पण रोकय नई ए तेज जोतां एम लागे के आप मातृ स्वरुपे आव्या...पण एनो कंठ तथा भणतर पर नो भार जोतां ई शारदा (सरस्वती) नुं स्वरुप लागे..अमारो एज अचंबो हुतो..पण खरा अर्थ मां तो एमनो जन्मज ईशारत करे छे...के आई तो बिज (सर्जन शक्ति ने संकोरी ने बेठेल तत्व) नुं पण बीज (सर्जन करनार शक्ति) छे...एवां सोनल रुप सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[8/1/2019]

थापन आदु थी थीयुं, पीठ आभां परतीठ
जडधर लिंगम जोगडा, दिनकर कायम दीठ

हे भगवान सुरज नारायण आभ रुपी पीठ पर सुर्य पुंज रुपी शिवलिंग नी प्रतिष्ठा आदिकाळ थी थई हशे...कदाच ए वखते काळ एवो शब्द नई होय पण काळ तो हशेज ए समय थी शिवो सुर्या..सुर्‍य शिवह..एम शिव रुप सुर्य के सुर्य रुप शिव आप अवकाशी अने खरा अर्थ मां ज्योति रुप लिंग एटले ज्योतिर्लिंग सम नित्य दर्शन देता दिनकर महाराज ने मारां नित्य वंदन छे.

[9/1/2019]

आभ ललाटे आईने, टीलडी सुरज तेज
जोती छोरुन जोगडा,अहर निशानी एज

हे भगवान सुरज नारायण आप नुं तेज ए जगदंबा ना आकाश रुपी ललाट पर लगावेल टिलडी नुं तेज छे..मां ना कपाळ नी आ टीलडी जोई अमने विश्वास छे..के जगदंबा अमने एटले के एना छोरुंडा ने अहरनीश जोई रही छे एनी आप निशानी छो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[10/1/2019]

अफर अगड अदवंद अर, नफर कटण तव नूर
जफर डुल्या वण जोगडा, सफर सफर तूज सूर

हे भगवान सुरज नारायण आप अफर अडग अने अद्वंद रही ने नफरां (खराब) नो ध्वंस तमारा तेज थी करो छो..तथा जरा पण तसुवा फर्या विना आप आखुं ब्रह्मांड पोतानी फरतुं फेरवी सफळ एवी सफर करो छो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[11/1/2019]

पोरह ना पल्ला छुटे,ज्यां, नारायण लउं नाम
तन मन तणीं तमाम,जाय व्याधी सउ जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप नुं नाम लउं त्यां तो पोरह थी छाती गज गज फुले छे..के मारो नाथ मने रोज दर्शन देवा आवे छे...अने आखो दी मारी नजर सामे रहे छे..आप नपं नाम लेतां तो तन मां के मन मां जराय व्याधी होय तोय ई दुर थई जाय छे..हे नाथ आपने मारां नित्य वंदन छे.

[12/1/2019]

नित उठीन नारायणा,जे, भजशे सुरज भांण
रुह ने ऐनी रांण,कदी, जम्म न वेडे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जे नित्य जागी ने आपनुं भजन करे छे, तेना पवितर आत्मा ने आपनो पुत्र यम (जम) कोई दीवस पीडतो नथी अर्थात अकाल मृत्यु नथी थतुं..एने जम तेडुं नथी मोकलतो परंतु एने देवदुतो द्वारा सुर्यलोक नी प्राप्ती थाय छे..मारां आपने नित्य वंदन छे..

[13/1/2019]

चडीया आ दन चंद ने, तमहर नो तेहवार
व्हाल सोयो वेहवार, जग पारे पण जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण ..आजे सोमवार छे..सोम एटले चंद्र अर्थात चंद्र नो दिवस..पण तेहवार आपनो छे...आंम चंद्र ना दिवसे सुर्य नो तेहवार..बेय भेळा एकज आभ मां रहो छो..एटले कदाच आवो व्हालप भर्यो वेहवार त्यां जगत नी पार पण जळवाय छे..एम बतावी आप एक धरती पर रेहता सर्व ने परस्पर स्नेह विस्तारवा नी सिख आपो छो..आप ने मारां नित्य वंदन

[14/1/2019]

शिव नमन ढळीयो सुरज, खग्ग ईशानी खूंण
ई प्रारंभ ने दन पूंण,आ, जग्ग कमातुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण ज्यारे आपनो प्रवेश मकर राशी मां थाय छे त्यारे आप पण उत्तर दिशा तरफ प्रयाण करी ईशान खुंणा मा रोकाई जाव छो..अने ईशान खुंणो एटले अमे तळपदी मां एने माधेव खुंण कहीये..अर्थात शिव नो खुंणो..कैलास नी दीशा..आंम आप नारायण पण मकर मां आवी शिव तरफ प्रयाण करो छो..ए दिवस लोको माटे पुन्य कमावा नो दिवस छे...तो हे नाथ हुं मकर राशी मानवी पण शिव ने न भजुं तो कोने भजुं..? तथा घणा विद्‌वजनो आपना ईशान प्रयाण ने निज स्थान गणावे छे..तेथी आपज शिव स्वरुप छो..एम मानी हु आपने अने शिव तथा शक्ति ने वंदन करुं छुं..आपने मारा नित्य वंदन छे.

[15/1/2019]

तारी उपमा तुंज छो, नारायण दन नाथ
हर प्रद जोडीन हाथ,ज्वारुं कायम जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ने अन्य कोई उपमा आपी सकाय तेवी एकेय उपमा नथी..बधुं आपनी सामे निस्तेज लागे छे..आप पोतेज आपनी उपमा छे..हे नारायण आप सुर्य शिवो शिवः सुर्य एम शिव(कल्याण)पद आधिश्वर छो, आपने हाथ जोडी जुवार करी हुं आपने वंदन करु छुं..आपने मारां नित्य वंदन छे.

[16/1/2019]

कालां वालां हुं करुं,नाथ लखी तुज नाम
जग्ग वेधु तुं जोगडा, सरजक वेदां शाम

हे भगवान सुरज नारायण जगत आखुं जांणे छे के शामवेद आप ना मुख मांथी निकळ्यो एवपं ग्रंथो कहे छे..तथा जगती गायत्री छंदो ना विद्व वेधु एवा आप छो..याज्ञवल्कल ने जेनी आराधना थी ज्ञान थीयु तेवा हे नाथ हुं आपने शुं कविता धरुं? हुंतो बस आपनुं नाम लखी कालां वालां करुं छुं अने आपने वंदनायुं करुं.. मारां आपने नित्य वंदन छे.

[17/1/2019]

गंगा नीर गोदावरी, क्रीषणा दामो कूंड
जीव सिमरे नत जोगडा, तरहुर तेज त्रिपुंड

हे भगवान सुरज नारायण सवार ना प्रहर मां स्नेन वखते गंगा गोदावरी कृष्णा कावेरी दामोदर कुंड वगेरे ने जेम सहज रीते याद कराय छे एमज जागतां वेंत आ खोळीये बेठेल जीव तेज (सुर्य नारायण)तरहुर (जगदंबाओ)अने त्रिपुंड (भगवान भोळानाथ) ने सहजताथी समरे छे..याद करी ने जपवा नथी पडता..उंडाण मां क्यांक ई नामो नुं स्मरण चालुंज रहया करतुं होय छे..आप सरव ईष्ट ने प्रणाम सह मारां नित्य वंदन छे.

[18/1/2019]

वांण बनी वरहावतो, आभ थकी अनुराग
भांण अमांणां भाग,जळक्यां तुंथी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप आभ मां उदय पामी नित्य परोढीयुं बनी ने अमपर व्हालप नी सितळता वरहावो छो..अने झाकळ जेवा अम मृतलोक ना मानवीयुं ना जिवन पर आपनुं तेज पडतां ई मोतीडां नी जेम जळहळी उठे छे..घणां पामर जीव ई चमकने पोतानो प्रभाव गणवाना भ्रममां आपनी वंदना भुलीजाय हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे..

[19/1/2019]

नूर अमांणां नेंण नुं, आभ मणीं छो आप
जाय पनोती जोगडा, जपतां सुरज जाप

हे भगवान सुरज नारायण आप तो अमारा नेंणा ना नूर समान आभ मां दैदिप्यमान नभोमणी छो तथा हे नाथ गमेते ग्रह नीचनो बनतो होय के गमेते प्रकारनी पनोतीयुं होय पण आप सर्व ग्रहो ने पोतानी फरता फेरवनार छो..एटले आपना जाप जपवाथी गमेतेवी हीन ग्रहदशाओ पण शुभ फळ नी दाता बने छे..आपने मारां नित्य वंदन छे..

[20/1/2019]

रणक झणक रव रांणतुं,तु स्वर लय सुर ताल
जिवन गीतनो जोगडा, लहजो कस्यप लाल

हे भगवान सुरज नारायण रणझण तो रव नाम अवाज पण तुं छे..स्वर लय सुर अने ताल पण तुं छे..तथा हे कस्यप ना कुंवर आ जे स्वास ना संगीत पर चाली रहेल जिवन नुं गीत छे एनो लेहजो अने लढण पण हे नाथ तुंज छे..माटेतो आ हैयानी हारमनी आपना सातेय सुर अने बाविसेय सृतीयो बजावी रही छे..हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[21/1/2019]

पोगे सूर परोढ,अंजवाळां जग आपवा
गाढ अंधारा गोढ, जेर करी दे जोगडा

मेश्य तणां होय मेढवां,एम, थ्येल अंधारा थीर
एने वांणुय वातां वीर, जेर कर्यां ते जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप नित्य परोढे जगत ने अंजवाळा देवा पधारो छो..तथा अंधाराये जे मेश्य ना मेढवा जेवा काळा थर जमाव्या हता ते आपे वांणु वाता तो जेर करी नाख्या आपने मारां नित्य वंदन छे.

[22/1/2019]

उगाड्यो अवनी परे, आ, देवसूरी तें दन्न
जोगण हटव्यां जोगडा, घोर अंधारां घन्न

हे भगवान सुरज नारायण भगवतीये आपनो उदय करावी (सुर्य स्थिर छे पण उदय अने अस्त तो पृथ्वी रुपी देवी तत्व फरे छे एटले संभवे छे..अर्थात ई भगवती थी उदय अस्त छे) जगत ना अधारा हटावो छो,हे नारायणी आपने तथा हे सुरज नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[23/1/2019]

अडग बिराजे आभमां, देव रही अण दाग
ज्वार करुं नित जोगडा, भांण केवां बड़ भाग

हे भगवान सुरज नारायण आप अडग रहीने आभ मां बिराजमान रहो छो..तथा क्यारेय पोतापर दाग नथी लागवा दीधो,एवा हे जग पोषक आप ने अमे नित्य सन्मुख निहाळी ने वंदी सकीये छीये अमारां केवां मोटा भाग्य केवाय हे नाथ आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[24/1/2019]

टाढडीयुं आ त्रबकती, पंखी न खोले पंख
जंगे चडीया जोगडा, सुरज फुंकीन संख

हे भगवान सुरज नारायण शियाळानी सीतळता एवी झाकळ थई ने त्रबकी रही छे..के पंखडां हवे पांख्यु पण नथी खोली रह्यां ठंडी ना ठुंठवाई गी़यां छे त्यारे सितळता अने अंधकार नुं साम्राज्य तोडवा संख फुंकीने जंगे चड्या एवा जगहीत कारण जिवन जिवनार अने जगतने जीवन देनार नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[25/1/2019]

कास्यप नंदन केहरी, धरणीं हरियल ढंग
ज्वार सफेदी जोगडा, त्रिकमा थीया त्रिरंग

हे भगवान सुरज नारायण आप केहरी (सिंह पण अने केसरी रंग पण) अने धरती हरीयल (सिंह अने हरो अर्थांत लीलो रंग)तेमज वच्चे अमे जे आपने विना स्वारथ वंदना करीये छीये तेमां कोई माग के दाग नथी नारायण आंम हे त्रिकमवर आ तिरंगो सदैव फरकतो रहे...मारां आपने नित्य वंदन छे.

[26/1/2019]

नमन लक्ख नारायणी,शिव भोळा सिरताज
जोग सिद्धि ना जोगडा, आशिस दे सुर आज

हे भगवान सुरज नारायण आप मने योग सिद्धि ना आशिस आपो तथा भगवान भोळानाथ आपने तथा जगदंबा ने मारां लाखो नमन आप सर्वने मारां नित्य वंदन छे.

[27/1/2019]

कुंणो तडको कास्यबो, व्हालप थी वरहंत
प्रित द्रगे परखंत,आ, जग आखा ने जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप आखाजगत पर प्रेम भरी द्रष्टिये निहाळी रह्या छो...तेथी आप नो तडको पण अत्यारे कुंणी कुंपळुं जेवो कोमळ ने कुंणो भासी रह्यो छे..आपना वात्सल्य ने वंदन सह मारां आपने नित्य वंदन छे.

[28/1/2019]

सहज हैये थी छेडीया,आ, सुर तें सुफिया सूर
जोई चखां चित जोगडा, नवतर जळक्यां नूर

हे भगवान सुरज नारायण आपे सहजताथी जे सुंदर मजाना प्राकृतिक सुफीयाना सुर छेड्या के जेने अंतर यात्रा नी ध्यान अवस्था मां चित ना चक्षु थी जोतां (सुर छे ई श्राव्य छे पण अहीं द्रास्य भावे प्रकट्या छे) अमारा हैया मां एक नोखुं नुर छांटीदे छे..हे नाथ आपने माराॅ नितेय वंदन छे..

[29/1/2019]

खळळळ अंधारा खह्यां, वळळळ छमक्युं वांण
जळळळ करतो जोगडा, भळळळ उगियो भांण

हे भगवान सुरज नारायण जळहळ तो आप नो उदय थतां तो अंधकार ना दळ खळेळाट करतां खही मारग दई ने भाग्यां.. वांणुं वायुं..आम कायम अंधकार ना दळ ने आघां करी जिवन नी एक नवी सवार देनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[30/1/2019]

आयो जो अजवाळवा,धरमी आखी ध़र
ज्योत अखंडी जोगडा, हयग्रीव क्यो के ह़र

हे भगवान सुरज नारायण आप धर्म रक्षक छो..तेमज आखी धरती ने अजवाळवा नित्य पधारो छो..आप एक अखंड ज्योती छो..धपतीपर हय (अश्व)रुपे आप विचरेल होई हयग्रीव तथा सुर्य शिवो शिवः सुर्य ने नाते आप कल्यांण ना करनार हर पण आप छो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[31/1/2019]

अश्व व्योम पाताल अर, बमण अंक ब्रहमंड
जिवन सप्त वत जोगडा,चक्र देह सुर चंड

हे भगवान सुरज नारायण आप ना रथ ना अश्व सात छे..आकाश सात छे..पाताळ सात छे..अने बे वखत सात करो एटले के सात ने बमणा गणो एटले चौद थाय ई चौद ब्रह्मांड नी संख्या छे..जिवन आखुं आ सात रंगो ना घेरामां घेऱायेल छे..जेमां कुंडलीनी ना चक्रो पण सात छे..थुल.. सुक्ष्म.. भाव आदी सरीर सात छे..संगीत ना सुर सात छे..तथा जे जाती मां ते अमने अवतार दीधो ई चारण जाती मां जनमती चंडीकाओ पण मोटे भागे सात बेहनो स्वरुपे जन्मे छे..अने एमना कह्ये आप उगता नथी आ सप्तांक ना सिद्ध साक्षी ऐवा आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[1/2/2019]

गरवा हे हनवा गुरु,आ, तम हरवा दिंय तेज
जळ तरवा भव जोगडा, चित सरवा चरणेज

हे भगवान सुरज नारायण हनमानजी ना गरवा गुरुवर आप आ तम (अंधकार,तमोगुंण) ने हरी लेवा रुडुं तेज दियो छो..तथा हे नारायण आ भवसागर ने तरवा माटे आ चित आप ना चरणो मां लगावी राख्युं छे..नारायण बोल्या भेळो अजामील नो उद्धार थई सके तो अमारो केम नई...हे नाथ आप ने मारां नीत्य वंदन छे..

[2/2/2019]

माता थावा मलपती,आ, फानी दुनिया फोक
जद खुल्ले द्रग जोगडा, लगे तार सुर लोक

हे भगवान सुरज नारायण आ फानी दुनिया मां मोटो भागे माता (ताजा, मोटा, थराद्री मां आ शब्द हजी वपराय छे) थवा मथामण करी रह्या छे त्यारे हे नाथ हुं ज्यारे पण आंख खोलुं त्यारे मारी सुरता नो तार आपना सुर्य लोक मां लागेलो रहेजो..आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[3/2/2019]

वरहे सुरज व्योमथी, लागणीयुं लख लूट
अंतर नेह अतूट,एने, जग ने माथे जोगडा

स्याळे तडको बाळ सम,सूरज थी छलकाय
जवां उनाळे जोगडा, वृद्ध ब्रखा वरताय

हे भगवान सुरज नारायण सियाळा मां बाळ तडको.उनाळे यवान नी जेम कराफाट तथा चोमासे घडीक धखीजाय तो घडीक पलडी गयेल घरडो तडको जिवन नी अवस्था ना रंगो बतावो छे..अने हे नाथ आप मांथी वरह तुं आ मौन ज्ञान मात्र विद्वता नथी विखेरतुं..पण लखलुट लागणीयो ढोळे छे..जगत पर आप नो अतुट नेह दर्सावे छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[4/2/2019]

आभ तखत पर आदरे, लिलाय कस्यप लाल
जळ दोहे नत्य जोगडा, भजतुं सूरज भाल

हे भगवान सुरज नारायण मारी आ काया भाल प्रदेश नी माटी थी सर्जांणी छे..एटले ए भाल नी भोमका वती हुं जळ चडावे तेम आप ने चरणे नित्य नवो दोहो सर्जी ने चडावुं छुं..आप ना नामथी नित्य उठी वांणी पवित्र करु छुं जेथी आखा दिवस नी तमाम काव्य आपनी प्रसादीज रहे..हे नाथ आप आभ ना तखत परथी जे लीलाओ करो छो..जेमां प्रकटी अजवाळुं करो छो..अस्त थई तमेज अंधारु करो छो..बास्पीभवन थी आपज वरसाद आपो छो..तमाम रुतु अने जीव मात्र नुं जीवन आपनी लिलाओ छे..आपने मारां नित्य वंदन छे.

[5/2/2019]

जळ वायु अने जळहळां, धर धिंगी धरमाळ
जिवतर आप्युं जोगडा, बंका कास्यप बाळ

हे भगवान सुरज नारायण कास्यप ना बाळ..तमे आ वायु आप्यो..जळ दीधुं..तेज दीधुं धर्म थी भरेल धरणीं दिधी तथा अमने बधां ने जिवतर दिधुं.तो हे नाथ पांच विघा देनार ना गुंण कवियो बे बे मोढे गाता होय तो आ आटलुं बधुॅ देनार दाता तमाणाॅ गुंण केम गाय एज अचरज केवाय हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[6/2/2019]

आदिशक्ति सुर आपही, सृज्यो सजळ संसार
जुवे अबुध किम जोगडा, कर्म पार किरतार

हे भगवान सुरज नारायण आ धरती आप मांथी छुटी पडी ए वात तो हवे विज्ञान पण मांने छे..अर्थांत पृथ्वि के मनुस्य नोहता त्यारे आप तो हताज..अने आजे सोलर उर्जा ने सहारे लाईटो जळहळे के मोटरुं हाले एटली उर्जा मानव एक पाटीया पर पडता आपना तडका ने आधारे एकठी करी शके छे तो हे नाथ आपनी केटली अगाध शक्ति आखी धरती अने व्योम पर सतत वेराई रही छे. .ई बधी एकठी थाय तो केटलो पावर होई सके ई कल्पि पण न सकाय..आंम आदि काळ थी शक्ति वरहावी रहेल हे आदि शक्ति तमेज पृथ्वी सर्जी तथा प्रकाश संश्लेषण वनस्पति, वनस्पति थी अन्य जिवो अने एम सृंखला मां सकळ संसार ने जिवाडी रह्या छो..तथा रोज आंखो नी सामे होवा छतां कर्म हिणा लोकोज आपने जोवा छतां आपना सत्य स्वरुप ने ओळखी नथी सकता हे नाथ मारां आप ने नित्य वंदन छे..

[7/2/2019]

आदित सुत इक आपही, सदा सत्य पथ साथ
जयति जयति कह जोगडा, नमन नित्य सुर नाथ

हे भगवान सुरज नारायण समुद्र मंथन पछी अमृत माटे देवोना कावा दावा जोई देवा ना सत्व नो तो ख्याल आवी गयो छे..पण हे अदिति ना कुंवर आप सदैव सत्य ना पंथ पर चालनार नी साथे रह्या छो. .पिता तरीके कर्ण ने चेतव्यो पण आपे अने सत्य ने पंथ न आवी सकतां कृष्ण रुप आपे एनुं चक्र धरतीमां गृत थतां अरजुन ना हाथे हणाव्यो पण आपे..कर्ण ना मृत्यु नुं कारण अर्जुन छे एवुं बधा समजे छे...पण चक्र ने कारणे ई मर्यो अद्रस्य ईसारत थी आपे बताव्युं के आप सत्य ना पंथ माटे असत्य ने मारगे रहेल पुत्रनोय साथ नथी आपता..एवा हे सत्य पंथ ना सहायक आप नो जय हो,जय हो कही नाथ आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8/2/2019]

सुरज वेरे सीतळता,त्रण भुवण ना तात
जळ हुंफाळा जोगडा,आ, मेले धरणीं मात

हे भगवान सुरज नारायण आप त्रणेय भुवन ने जिवाडनार तात (पिता) छो.. क्रमानुसार आप सियाळामां ज्यारे सितळता वरहावो छो त्यारे आपनी पुत्री अने अमारी सौनी माता धरती माता पोताना पेटाळ मांथी आवता पांणी ने हुंफाळा करी नाखे छे (शियाळा मां बोर नुं पांणी गरम आवे)जेथी अमने ठंडी बउ न लागे एम ए माता तरीके नी फरज निभावे छे..माटे धरतीमाता अने नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[9/2/2019]

वाय वसंती वायरा,आ,पंचम तत्व पतंग
जग्ग हुलासित जोगडा,रांण उडे घट रंग

हे भगवान सुरज नारायण वसंती वायरा पांचेय तत्व मां पंचमी ना वाई रह्या छे..जगत आखुं उल्लासीत देखाई रह्युं छे..अने घट मां जांणे आप ना रंगो उडी रह्या छे..हे संगीत ना वक्ता सुर आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[10/2/2019]

काळी राते क्यां रियो, नव कोई निहाळे
जाग्यो सुरज जोगडा, हाल्योय हेमाळे

हे भगवान सुरज नारायण दखणायन ना समय मां आप आप दक्षिण दीशा एटले के जम नी दिशा (जमणी दिशा) मां होव छो..जे एटलुं मातम वाळुं नथी..पण उतरांण ने दिवस थी आप मकर राशी मां प्रवेश करो छो अने पछी रोज हिमालय तरफ नी दिशा मां हालवा मांडो छो..मकर ने अने हिमालय नी दिशा नी योग ईशारत ने आ खोळीये जन्मी मकर राशी ना नाम वाळो हुं आप ने नित्य वंदन करुं छुं...

[11/2/2019]

नारण हुं चारण नमां, आरण मेलीन अुंह
जारण करमो जोगडा, तारण हारोय तुंह

हे भगवान सुरज नारायण हुं चारण आप ने मारा ऊंह कार ने आघो मेली नमन करु छुं .. (आप नी सामे कोय घुवडज ऊंहकार लई ने आवी सके सत्व नजर वाळो तो आपना तेज थी परिचीतज होय..)..आप तमाम कर्मो ने जारी दई अने तारी देनार महाशक्ति पुंज छो..मारां आपने नित्य वंदन छे.

[12/2/2019]

क्यांय ढंकाणा काळ मां, हाद अने अनुहाद
जपतो नारण जोगडा,ई, पुजांणो प्रहलाद

हे भगवान सुरज नारायण आपना ओरमान माता दिति ना पुत्र एवा आपना भाई हिरणाकंस ना त्रण संतानो मां हाद अने अनुहाद पण आपना भत्रिजाओ हता पण ई पापाचार ने मार्गे चालता पिता ना कह्या मां रह्या अने काळ चक्र मां क्यांय ढंकाई गया..पण हे नाथ आपनो त्रिजो भत्रिजो प्रहलाद के जे आप ना नामनुं रटण करतो हतो दर वखते जेने आपे उगार्यो..अने भातृ हत्या थी बचवा प्रयत्नो कर्या पण छठ सुधर्यो नई ने आखरे प्रहलाद माटे आपे नरसिंघ रुप धरी भाई ने मार्यो..अने ई प्रहलाद आजेय दर वर्षे गामो गाम पुजाय छे..आप नुं समरण करे ई असुर पुत्र पण पुज्य बने छे..एवा नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[13/2/2019]

मुंगां पंखी मांचडे,जो, भयथी लपियल भांण
राव सुंणीं ने राण, जळळ प्रकास्यो जोगडा

सुरज लेता सांभळी, अण बोली पण आप
बाप खरो तुं बाप,आ, जग आखा नो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण पक्षीयो रात्री ना अंधकार ना भय थी माळामां लपाई रह्यां हतां..अने हवे अंधारु जट जाय तो सारुं एवी मुंगी प्रार्थना करी रह्यां हतां ए सांभळी ने आप जळहळाट करता उदय पाम्या त्यांतो पंखीयो मां आनंद नी लहेर उठी अने आखुं आभ घरे कर्युं..अणबोली प्रार्थना पण सांभळीलेनार बाप सुरज नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[14/2/2019]

शिव शकत ने सुरजना, पंथे जे पडीया
चारण ऐ चडीया, ज्योतिर्गमये जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जे चारणोये शिव एटले कल्यांण नो मार्ग शक्ति रुप क्रान्ती सह अन्याय नो अंत करवा अने सुरज रुप अंधश्रद्धा के अज्ञान जेवा अंधकार ने दुर करवा जेवा त्रणेय पंथ ने सेव्या छे ए पोतानो धर्म संभाळनार चारण ज्योतिर्मय आत्म तेज थी जळहळी उठे छे..आंम शिव अने शक्ति सह तेज मार्ग बतावनार सुरज नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[15/2/2019]

आप तणों ना आथमे, सूरज को दण सूर
जड चेतन पर जोगडा, नृप व्रहावत नूर

हे भगवान सुरज नारायण एक समय हतो के अंग्रेज एम केहता के अमारो सुरज नथी आथमतो..पण ई तो क्षणीक सत्ता मद हतो...ज्यारे आप नी सत्ता नो सुर्य तो क्यारेय आथमतो नथी रात आपनी नजीक पण न आवी सके..छतां जराय सत्ता नो मोह नई अने जड चैतन सर्‌व पर एक सरखुं नुर वरहावनार महाराज सुरज नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[16/2/2019]

अहो पुरांणी यादीयुं, आंखे तरीयुं आज
ज्वारुं खोडल जोगडा, रंग वरांणा राज

हे जगदंबा सौका पेहला नो नातो छे आपडो मां छोरु नो..आजे पुरातन यादो सह आपने जुहारी ने फरी वरांणा मंदीरे आपने वंदन करु छु

[17/2/2019]

मुं घट शंकर मावडी, रुदीये सीता राम
जीभ बिराजो जोगडा, नारायण नुं नाम

हे भगवान सुरज नारायण मारा घटोघट मां सदैव शिव अने मां जगदंबा रेहज्यो..मारा रदय मां अ.सौ.सीताजी राम सहीत रेहजो तथा हे नारायण मारी जिभ पर कायम आपनुं नाम बिराजमान रेहज्यो मारां आपने नित्य वंदन छे.

[18/2/2019]

कस्यप उजळा करमना, नाता तमसूं नाथ
हयग्रीव जोडी हाथ, जळ चडावुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण अमारां उजळां कर्म रह्यां हशे के हे नाथ आप साथे सुनेहनो नातो छे..हे नारायण हुं नित्य हाथ जोडी ने आपने आ दोहा रुप जळ जुहारु छुं.. आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[19/2/2019]

अलोप थई ग्या आभमां, ताराय नइ तारा
जग ने सूरज जोगडा,हवे, देवाय शुं डारा

हे भगवान सुरज नारायण केहवाय छे के सितारा ओ भाग्य चमकावी सके छे..पण हे नाथ आप नो उदय थतां ए रात्रे चमकता तमाम सीताराओ ईरखा मां अलोप थई जाय छे...भाग्य बदलवानुं सामर्थ्य धरावनार सिताराय अति तेजस्वीता जोई ने पडखे उभता नथी तो जगत ना सिताराओ एकबीजा नी ईरखा करे एमां शुं डारा देवा? जतुं करी देवुं एवुं मौन सिक्षण देनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[20/2/2019]

मोटी एकज मागणी, सुरज नमावी शीस
आईयुं ना आशिस, जिवन भर हो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ने मस्तक नमावी ने एकज मागणी करुं छुं के अमारी आईयुं ना आशिस सदैव रेहजो नाथ आप ना आशिस तो सदैव जगत आखा पर नित्य तेज स्वरूप वरहीज रह्या छे..आप ने मारा नित्य वंदन छे..

[21/2/2019]

आदित किरपा ओपतो, पातकियो चत पोर
जाइ बस्यो फिर जोगडा, चडिया नेंण चकोर

हे भगवान सुरज नारायण चंद्र ने पोतानुं अजवाळुं नथी एतो आपनी कृपाथी मळेल अजवाळुं लई ने आभ मां ओपी रह्यो छे..हे नाथ जो आपनी अनायासे पण कृपा वरही जाय तो ई चंद्र जेवा पाप कर्म करनार पण चकोर नी प्रिति ने पात्र बनी जाय छे..आंम हे नाथ नारायण आपनी कृपा नुं मातम अनेरुं छे आपने मारां नित्य वंदन छे.

[22/2/2019]

स्वास छुटे आ सरीरथी, तोय तुटे नई तार
कर्य एवि किरतार, जुगती सूरज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण..आ देह मांथी भले स्वास छुटी जाय पण तोय हे नारायण तारी हारे लागेल तार क्यारेय न तुटे एवी जुगती (युक्ति)करज्यो नारायण ..मारां आपने नित्य वंदन छे..

[23/2/2019]

मन्न माहेशा म्हालता, जिभडीये जगदंब
जाप परोढे जोगडा,आभ धणीं अविलंब

हे भगवान सुरज नारायण अमारा मन मां हंमेश भगवान सदाशिव भोळानाथ म्हाली रह्या छे...तथा..जिभ पर अहोनिश जगदंबा...तथा हे नाथ नित्य परोढे जेना जाप करीये छीये तेवा आप आभ ना धणीं सुरज नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[24/2/2019]

आप व्रसावी औसधी, रोग भगावो रांण
जग मां एनी जांण, जुज मांणह ने जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण घणा लोको आप ने जळ चडावी नमन करवा नथी आवता ते लोको आपना आषीस अने औषधी थी अलीप्त रही रोगीस्ट थाय छे..
डेन्मार्क ना निवासी डॉ. नाईस फिसेने ये 1295 मां राज रोग केहवाता क्षय ने सुर्य प्रकास थी मटाडी सकाय तेवुं संसोधन करी सुर्य मांथी औसधी वरही रही छे एवुं पुरवार कर्यु..आंम वैज्ञानिक रीते कही सकाय के हे दुवा साथे दवा वरहावनार देव मारां आपने नित्य वंदन छे.

[25/2/2019]

परहित कारण प्रजळवु, निंदर लिये न नेंण
जिवन संदेशो जोगडा, वदे न सूरज वेंण

हे भगवान सुरज नारायण आप जगत ने अजवाळवा माटे अंगे आग तपो छो. .दिवसे पृथ्वी ना उपरी भाग ने तो रात्रे बिजा भाग ने अजवाळो छो..नेंणे निंदर नथी लेता तथा आटआटलुं करवा छतां कोयदी गणी नथी बतावता के मैं आम कर्युं..आपनुं जिवनज संदेशो छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[26/2/2019]

मिहिर अमांणे माथडे, राज तपे तुज रांण
जरी न परवा जोगडा, भव सागर नी भांण

हे भगवान सुरज नारायण अमारे माथे आपना रुडां राज तपी रह्यां छे..हवे अमने भवसागर नी जराय परवा नथी आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[27/2/2019]

आलम माथे उतरीयु,आ, रात अंधारी रांण
एने
भगवी देवा भांण, जळक्या आभे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ आलम पर अंधारी रात उतरी अने दसेय दिशाये अंधकार छवायो.. त्यां आप एने भगाडवा माटे जळहळाट करता आभे प्रगट थया अने ई रात ने भगाडी आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[28/2/2019]

कास्यप नंदन शुं कहुं, उग्योय दन के आप
बेय वातडिये बाप,जग पोषक तुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण लोको एम कहे के दिवस उग्यो..पण उदय तो आप नो थयो होय छे..पण जोके बेय वाते जगत नुं पोषण करनार आपज छो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[1/3/2019]

दिनकर आभे डग दीये, जेम, वतन धरा पर वीर
जळहळ थातुं जोगडा,आखुं, सुवरण वरण शरीर

हे भगवान सुरज नारायण आप आभ उदय पामी धीरे डगले आगळ वधी रह्या छो..जांणे रात ना अंधकार नी चुंगाल मांथी पोताना वतन व्योम मां डगलां दई रह्या हो..अने ए वखते आपना सोना वर्ण ना शरीर नी क्रांती जांणेके जळहळी रही छे..जेनुं अजवाळुं अमारा हैया सुधी प्रसरी रह्युं छे..आपने मारां नित्य वंदन छे..

[2/3/2019]

वलखां मारे वादळां,आज, रोकण काजे रांण
जाय न ढांक्यो जोगडा, भौम पिता सुर भांण

हे भगवान सुरज नारायण आ वादळां आजे आपनुं तेज रोकवा खोटां वलखां मारी रह्या छे..कारण के हे धरती ना पिता नारायण आप क्यारेय जगदंबाओ सिवाय रोकाया नथी..आप बे वखतज जगदंबाओ ना केहवाथी रोकाया छो..आपने मारां नित्य वंदन छे...

[3/3/2019]

आदी शीव आदित्यतुं, शंभु भ्रात विर सौर
जटा ज्योत धर जोगडा, अवल आप नह और

हे भगवान सुरज नारायण आपज आभमां स्थापीत करेल ज्योति स्वरुप ज्योतिर्लिंग छो..जेनी प्रदक्षिणा धरती तथा अन्य ग्रहो करे छे..हे शंभु नामक शिव ना अवतार के जे कास्यप ने त्यां जन्मेल ए शंभु आपना भ्राता छे..सौर्य शब्द पण आपना सौर (सुर्य नी उर्जाने सौर उर्जा पण कहीये छीये)मांथी निस्पन्न छे..जटा अने ज्योति ने धारण करनार प्रथमी थी पण प्रथम आप छो..तेवा हे शिव रुप सुरज नारायण मारां आपने वंदन छे..

[4/3/2019]

दर्शन करतां दिनकरा, गुंणीयल नाथ गगन्न
लागी ऊर लगन्न,तारा, जप तप केरी जोगडा

हे नारायण आपना नित्य दर्शन करतां आप नी तपस्या जोई ने आप ना जप तप नी अमने पण उर मां लगनी लागी छे..हे दिवस ना करनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[5/3/2019]

करसे ई कास्यप तनय, करवा जेवां काम
नित्य उठी ने नाम, जाप हरी नुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप तो अंतरयामी छो..वळी आखो दी अमने नजरे निहाळो छो एथी अमारां कियां काम आपे करी देवां ई आप ने खबरज होय पछी अमारे शुंकाम नाहक चिंता राखवी? अमे तो नित्य जागी ने आपनुं नाम जप्ये राखीये..जे थाय ई आप नी मरजी थी..अने न थाय ई अमे एम मानीये के अमारा हीत नुं नई होय नहीतर आप कर्या विना न रहो..ए समग्र कामो ना करनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[6/3/2019]

हसतो रमतो हुकळतो, भयो प्रकट जब भांण
जळहळ सिंच्या जोगडा, प्रथमी नभ मां प्रांण

हे भगवान सुरज नारायण अंधारी रात मां बधुं सुन्न हतुं एमां आप हुकळता थी हसता रमता आभे प्रकट थया अने जळहळाट थी जांणे पृथ्वी अने आभ मा प्रांण सिंच्या होय तेम आभ अने धरा बधुं जिवंत थई उठ्युं आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7/3/2019]

सुरज लुटावे सायबी,वण राख्ये कोई वाड
जाय भल्यो से जोगडा, परमेहर नो पाड

हे भगवान सुरज नारायण आपे अंग कापी ने आ पृथ्वी आपी तथा आपना तेज थी पृथ्वी ने पोषण ..बास्पिभवन थी जळ.. वातावरण थी हवा..वगेरे आपो छो..जिवन आपो छो..कोई नी हारे कोई भेद के वाड राख्या वगर आप्ये राखो छो..आप नो पाड मानीये एटलो ओछो छे..आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8/3/2019]

भांण अमुये भाळीयो, कास्यब वाळो क्रम
जांण न को ने जोगडा, ब्रम्म रीयो बस भ्रम्म

हे भगवान सुरज नारायण ब्रह्म तत्व मांथी तरंग थयो ने बधुं प्रगट्युं ए बधी ब्रह्म नी वातुं भ्रम जेवी रही..अमे तो आप नो क्रम जोयो के आपे अंग कापी पृथ्वी दीधी जेना पर आबोहवा थी बधा जिवो थीया जेम आपडे पीपडे मोई ने घउं भरी तेमां धनेरां नथी होतां के न एना ईंडा..पण तोय वगर ईंडाये घउं मा धनेरां जन्मे एम पृथ्वी नी आबो हवाये..जीवो अने मनुस्यो बन्या..एना व्यवस्था ना विचारो थी धर्म आदी थयुं..जेमां ब्रह्म तत्व वगेरे वातो आवी पण आ क्रमे..आप धर्म थी पण पेहला छो..मारां आपने नित्य वंदन छे..

[9/3/2019]

अवर नको अवनी परे, भांण समो बस भांण
जोयो न दुजो जोगडा,मे, रेंण ढहावण रांण

हे भगवान सुरज नारायण आ आखी आल्यम मां आप ना समोवड तो बस एक आपज छो..बिजो कोई नई..रातडीयुं ने ढहावनार आप सिवाय बिजो कोई नथी आपने मारां नित्य वंदन छे.

[10/3/2019]

महा पुनईयुं थी मळ्यो,भारत वाळो भांण
जुहार करवा जोगडा, रोज सवारे रांण

हे भगवान सुरज नारायण अमारी कोई मोटी पुनई हशे के जेथी अमने भारत नी धरती पर जन्म अने रोज सवारे ऋषीयो नी परंपरा प्रमांणे रोज सवारे आपने जुहारवाना महाभाग्य प्राप्त थयां छे..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[11/3/2019]

नमवुं खमवुं नेहथी, रही राजी भज रांण
जग नस्वर छे जोगडा, भुलवुं शिखवे भांण

हे भगवान सुरज नारायण आ जगत एक माया छे नस्वर छे..तेमां भलुं के बुरुं जे पण थाय ए भुलता जवुं..नमी ने मानी ने पोसवो..खमी ने सारा समय नी राह जोवी तथी सदैव राजी रही चेहरा पर हास्य वेरी खुसी प्रगटकरवी अने परमेश्वर ने भजता रेहवुं..आ पांच बाबतो थी परमशांती नी प्राप्ति रहे छे एवि सिख पोताना जिवन मां वणनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[12/3/2019]

रातडीयुं ने रुंदतुं, रातडीयुं नभ रांण
जातडीयुं नुं जोगडा, भातडीयुं तुं भांण

हे भगवान सुरज नारायण रात ने रेंहसी नाखवा आपे नभ ने रातुं कर्युं छे..आप नुं नाम स्मरण अमारी मानव जाती नुं भव नुं भातुं छे. आपने मारां नित्य वंदन छे.

[13/3/2019]

स्वारथ ना संसार मां,अण सुवारथ आप
जय सूरज कइ जोगडा, बरकुं कां नव बाप

आदु जुगथी याद छो,अमे, भुलवुं सिख्या न भांण
जनम बीजो भल जोगडा,पण, रसण रह्यो तुंह रांण

केडा उजाळे कास्यबो,अवर तणीं नई आस
जती सुरो ई जोगडो, व्योम करंदो वास

हे भगवान सुरज नारायण आखा स्वारथ ना संसार मां वगर स्वारथे कोई केडा अजवाळतुं होय तो ई आप छो,बीजा नी आसाय नथी अमे आदी युगथी आपने भजता आव्या छीये..मारां आपने नीत्य वंदन छे.

[14/3/2019]

कास्यप सामो कांठडो,हुं, वरती ग्योतो वीर
जाळ माया नी जोगडा, तांणीन लावी तीर

हे भगवान सुरज नारायण हुं सामो कांठो जोई सकतो हतो के हवे आ सागर तरी जास्यु पण अंत समये संसार ना अमुक सबंधोनी माया नी जाळ मने पाछो ए तीर पर लई आवी ने पण हे नाथ हवे मने कोई मोह न रहे एवा आशीस देजो मारां आपने नित्य वंदन छे.

[15/3/2019]

संजिवनी किरण्युं सुरज, आवीन धर अडे
खड़डड रात खडे, जिवन जागे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आपना तेजपुंज किरणो नी संजिवनी जेवी धरती ने स्पर्श करे के तरत मुर्छा जेवी रात आघी भागे छे अने जिवंत चैतन्य जागी ने धरती सजिवन थई होय तेवि प्रतीती थाय छे..संजिवनी ना छांटनार नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[16/3/2019]

अष्ट सिद्धी धर औपती,योग विध्य अष्टांग
जपुं प्रहर अठ जोगडा, सुर्य नमन सष्टांग

हे भगवान जेम आठ सिद्धी छे...अने ई सिद्धी ना देवावाळा योग ना अंगो पण आठ छे तेवा आठेय अंगी योग ने सरळ रिते सिद्ध करवा होय तो मात्र आठे प्रहर आपनुं नाम रटी आपने अंतर थी सस्टांग वंदन करीये ईय पर्याप्त छे..कारण के आपना नारायण नाम मात्र थी तो अजामिल जेवा असुरोय तरी गया छे..हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[17/3/2019]

हले न डोले तूं हरी, हार माळा हलवंत
जति मती थीर जोगडा, बाप धरा बलवंत

हे भगवान सुरज नारायण आप जरा पण हलन चलन कर्या वगर आ आखी सौर मंडळ नी हारमाळा हलवो छो..तेम छतां पण हे स्थिर मती वाळा जती अने धरती ना बळवान पिता एवा नारायण आप स्थित प्रग्न रहो छो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[18/3/2019]

आसन वाळी आभमां, जुनाय जोग जगाड
भेंकर रात भगाड,तारा, जळहळ तेजे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आभ ना आसन पर बिराजी आप ना योग बळे जोग ने जगवी जळहळ प्रकास थी आ भयंकर रातडीयुं ने भगाडी ने रुडुं प्रभात करो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[19/3/2019]

नरणा प्होरे नेहथी,जे, नारायण ले नाम
एनुं,
कोय रुके नइ काम,जग आखा मां जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण नरणा प्होरे एटले के परोढीये जे नेह थी आप नुं नाम जपे छे..जगत मां एनुं कोई काम रोकातुं नथी आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[20/3/2019]

कोढ मटाड्यो कास्यबा, सांम्ब जेवानो सूर
नेंण हरी ना नूर,तुने, जागीन वंदु जोगडा

हे भगवान सुर्य नारायण कृष्ण ना पुत्र साम्ब ने जेदी दुर्वासा नो श्राप लाग्यो ने कोढ निकळ्यो त्यारे तेंणे आप नी उपासना करी अने आपे एने रोग मुक्त थयो..तथा यजुर्वेद मां 'चक्षो सूर्यो जायत' कह्युं..आप नारायण नेंण नुं नूर छो आप ने नित्य प्रभाते मारा वंदन छे.

[21/3/2019]

सगती चंद्र सहोदरी, भड़ जाको भरथार
जाग करुं नत जोगडा,क्रोड नमन किरतार

हे भगवान सुरज नारायण आपना बार नाम मानुं एक नाम विष्णुं पण छे, तथा विष्णुं अवतार कृष्ण पोते पण स्वमुख विभूतीयोग मां सुर्य छे ते हुं छु कही खात्री आपे छे..आंम हे चंद्र नी सहोदरी शक्ति ना भड़वीर भरथार नारायण आप ने नित्य जागी ने हुं करोडो वंदन करुं छुं.. आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[22/3/2019]

मां मां कै ने मिहिर तुं, भजवा मांड्यो भांण
जोयो नजरे जोगडा,ते, रत बीज रोळ्यो रांण

हे भगवान सुरज नारायण आप आई आवड ना एक हाकले उभा रही गयेल कारण के आप पण जगदंबाओ ने भाव थी भजो छो..अने ए पण आज काल थी नई..जे दिवस थी आपे नजरे जोयुं के आ जोगमायाये रतबीज ने केम रोळ्यो..त्यार थी आप एनी उपसना मां लाग्या छो..आपनी आई उपासना ने मारां नित्य वंदन छे.

[23/3/2019]

आश न कोई ऊरमा,के, दनकर नको दबांण
तोय
ज्योत जगावे जोगडा, भोम नभे नत भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप ने जगत पासे कोई आशा नथी के न तो आपना पर कोई दबांण होय छे के आपे नित्य उगवुं..पण छतां जगत ना हीत माटे आप रोज प्रभात थी भोम पर अजवाळा पाथरती ज्योत आभे जगावे छो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[24/3/2019]

फूल धरुं शुं फलकपत, पुहप तणों तुं प्रांण
जपुं निरंतर जोगडा,अने, वंदुंय सूरज वांण

हे भगवान सुरज नारायण फलक (आभ) ना पति आजे एम थ्युं के आपने चरणे फुल धरुं पण पछी याद आव्युं के प्रकाश संस्लेसण थी तमाम वनस्पति मां तो आप व्याप्त छो..फुल ना प्रांण रुपज तमे छो..तमने फुल केम धरावी सकाय.. माटे हे नाथ निरंतर जपु छुं आप ने अने वांणु वाय के आपने वंदना करु छुं. आपने मारां नित्य वंदन छे.

[25/3/2019]

उगीन तुं अजवाळतो,लाजाळुं सब लोक
करम हेंणाज कोक, जपी सके ना जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण तमे उगी ने सघळा लोक मां अजवाळा पाथरो छो..आप ने सदकरमी तो सदैव वंदे छे..मात्र कोईक कोईक कर्म हिणां हशे ईज आप ने जपी नथी सकता..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[26/3/2019]

कर जोडी ने कास्यबा, विनती एकज वीर
सुरता ते वण शीर, जुके न दुजे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ने बे हाथ जोडी ने एकज विनती छे के अमारी सुरता जेमां लागी छे एवा शिव शक्ति अने सुरज नारायण सीवाय बिजे क्यांय अमारुं मस्तक न जुके आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[27/3/2019]

स्वयं स्वयंभु सूर शुभः, हनत दर्द लख हाथ
जग्त जनत व्रद जोगडा, नमौं नमह दन नाथ

हे भगवान सुरज नारायण आ समग्र ब्रह्मांड केम उत्पन्न थयुं एनी सोघ करवावाळो मांणस पृथ्वी पर छे..अने ए पृथ्वी आपमांथी छुटी पड्या ना करोडो वर्ष पछी तो वगर बिज के ईंडे वातावरण थी जेम धान मां धनेरां प्रगटे एम अहीं जिवो उत्पन्न थया ई आप ना प्रागट्य ने शुं जांणी सके..हे शंभु (स्वयंभु) आप स्वयं प्रकट्या छो,आप ना लाखो हाथ थी अमारां दर्द मटावो छो,जगत ने जन्म आपनार हे नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे,

[28/3/2019]

कंकु वरणा कस्यपरा, पडिया आभे पग्ग
जांण्या सौए जोगडा,भांण अंधारा भग्ग

हे भगवान सुरज नारायण आपना कुमकुम वरणा पगला आभ मा पड्या त्यारे आखुं आभ रातुंचोळ देखातु हतु अने आपना आवता वेंत लोकोये जांण्युं के आ पवित्र पगलांज अंधकार ने भगावनार नाथ नां छे, ई तिमिर हर नाथ ने मारां नित्य वंदन छे.

[29/3/2019]

दरख तत्व फळ देव अर, पंच् अमृत पंचांग
जळ अगनी दत जोगडा,सुर सत देत सलांग

हे भगवान सुरज नारायण धरती पर पांच प्रकार ना पवित्र वृक्ष, पंच तत्व,पंच फळ, पांच देव,पंच अमृत, तथा अहींतो शुभ दिवस जोवा माटे ना ग्रंथ ने पण ज्योतिष शास्त्र पंच अंग (पंचांग) कहे छे..जळ अर्थांत पवित्र नदी पांच,अग्नि पांच, आ बधु पांच प्रकारे छे..पण हे नाथ आप आ पांचेय प्रकार ना दातार पोते पांच उपरांत बिजा बे लटकाना गणावी रोज सात प्रकारे पवित्रता पुर्ण दान देवा आभ मां छलांग दियो छो आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[30/3/2019]

तुं आवे जग तारवा, नमणां रांदल नाथ
जोतां वंदु जोगडा, हेते जोडी न हाथ

हे भगवान सुरज नारायण आप जगत ने तारवा अने अजवाळवा नित्य पधारो छो,आपने जोतां वेंत हाथ जोडी ने वंदन करवा नुं मन दरेक श्रद्धाळु नुं होय छे,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[1/4/2019]

वद फागण तेरस वळी, मंगळ मेळा मेळ
जळकी आभे जोगडा, हेत रखां नी हेळ

हे भगवान सुरज नारायण ग्रीष्म रुतुमां आप अग्नी समान होव छो..अने आजे फागण वद तेरस ने मंगळ वार नो हुं जे गाम उघरोज नी सेरीयु मां रम्यो त्यां मेळा नो मेळ छे..कारण के जेम आप अग्नी वरहो छो तेम त्यां अग्नीवंशी सोलंकीयोये विठलापुर ताबे कर्या ना विसमा दिवसे उघरोज ने पोतानुं करेल..तेथी आजे ज्यां शक्ति नो टोडो हतो त्यां पोतानी कुळदेवि चारण जगदंबा बहुचरा नी स्थापना करी तेने आंजी चडावी सांजे सोलंकी दरबारो ना माढ मांथी रथ काढवानी परंपरा जळवाई रही छे..अने ई चारणो पर हेत राखणहारो ना हेत आभे जळक्यां होय तेम दिसी रह्युं छे..सोलंकीयो आप ना अग्नी स्वरुप ने पुजे छे तेवा हे नारायण आपना अग्नी स्वरुप ने पण मारां नित्य वंदन छे.

[2/4/2019]

वैशंम्पायन विनवयुं, भणों सुरज नो भाव
जणव्युं व्यासे जोगडा, पुरण ब्रह्म प्रभाव

हे भगवान सुरज नारायण पद्म पुराण मां भद्रेश्वर कथा नी पेहला वैशंपायनजी व्यासजी ने आप ना स्वरुप विसे पुछे छे त्यारे व्यासजी कहे छे के रात्रे हजारो ताराओ वगेरे देखाता होय छे पण पण ज्यां नारायण निकळे त्यां ई एक मात्रज देखाय तेवो एमनो प्रभाव छे..तथा ऐज ब्रह्म नुं तेज छे..चारेय पुरुषार्थ ने पुर्ण करनार पुर्ण ब्रह्म स्वरुपज एमने मानवा..वैशंपायनजी ने व्यासजीये जे कह्युं ते प्रमांणे आप ब्रह्मतेज अने पुर्ण ब्रह्म एवा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[3/4/2019]

ओछुं पडतुं आभलूं,तारा, गुंण ना लखवा गीत
जांणी मोगल जोगडा,तुने, उदगम थीय अतीत

कस्यप टांक्या कांकणे,अने, ताराय ओढण तार
जग झिले शु जोगडा, तारा, भेळीया केरो भार

हे जगगंबा मोगल भगवान सुरज जेवा अमेक सुर्य तो आपे कांकण मां टाक्या छे..आपना काळा भेळीया ने तारे तारे ताराओ टंकायेल छे..ई रात लागतो काळो भेळीयो आघो करी हाथ नुं कांकण देखाय त्यां अमे मानीये सुरज उग्यो..आप ना गुंण ना गीतो लखवा तो आभ ओछुं पडे, कारण के आ आभ के घरती ए बधा ना उदगम नी पेहला पण महाशक्ति आप छो..कारण के सर्जन माटे शक्ति जरुरी छे..चाहे ते विचार होय तो ई विचार पण वैचारीक शक्ति विना सक्य नथी..आंम हे जगदंबा आप उदगम नुं पण अतित कही सकाय एटला पुरातन छो..आप ने तथा आप ना कंकण मा टंकाई घरती अजवाळता नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[4/4/2019]

उदियाचळ ने ओरडे, तुं जद थाय तियार
फरके आभ फियार, जळळळ साफो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आभ मा निकळता पेहला उदियाचळ ने ओरडे आप हजी तो निकळवा तैयार थता होव छो त्यारेज अंधकार तो भागी जाय छे ने फियार पडेला आभ मां आपना केसरी साफा नुं छोगुं फरकी आप ना आगमननी छडी पोकारे छे. आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[5/4/2019]

आई पेटाव्यो आभमां, भलो दिवडियो भांण
जगदंबा दिय जोगडा,पडवा ना पर मांण

हे भगवती जेदी आपे सुरज नारायण रुपी अखंड ज्योत आभ मां प्रगटावी हशे ईज पडवो हशे.. आ तिथी अने वार नी गणत्रीयु तो बधी पछी आवी ...हे जगदंबा अमारां अंतर ना अंधकार दुर करवा आ पडवा थी तैं प्रारंभ करवा तैं नवरात्र ना परमांण आप्या छे..हे जगदंबा आप नी ए अखंड ज्योत नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[6/4/2019]

बिज नमां धर बीज को, बीज बिजुरिया बाप
जळहळ जा घट जोगडा, तरहुर धर रो ताप

हे भगवान सुरज नारायण आज बिज ना दिवसे धरती ना प्रागट्य ना बिज स्वरुपा आप ने नमन करुं छुं.. बिजे सीद नमवुं ? आप तो उर्जा अने विद्युत ना पण बिज स्वरुप छो, तथा आप मा जे जळहळाट छे ते त्रिसुल धारीणी जगदंबा नी तपस्या नो ताप छे..ई जगदंबा तथा आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7/4/2019]

आभा मड्ढ उापासीयुं, तें चैतर नी त्रीज
रांण तमां पर रीज, जगदंबा नी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आपे जगदंबाना आभ रुपी मढ मां बेसी ने चैत्र नी त्रीज नी आजे उपासना आप करी रह्या छो..अमे जगदंबाओ नी आप पर कायम रीझ रही छे..तेवा आभामढ मां अखंड उपासना करनार उपासक एवा आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[8/4/2019]

चहूतिरथां चतूरथी, शुभः फळ दाता सोय
जगदंबा सह जोगडा, कास्यप भजसी कोय

वा रे वा विशवंभरी,तुं, करती रूडां काम
नरणे तारुं नाम, जापुं सिद नई जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ चतुर्थी एटले चहु(चार)तिरथी (तिरथ समान) शुभः फळ दाता छे..पण कोने ? जे सवारे उठी ने नारायण तथा जगदंबा ने वंदना करे छे तेने...
तथा वाह रे वाह हे जगदंबाओ तमे केवां रुडां काम करो छो..अमारे एक नादे अघ धडी मां अमारी चिंता ना कोथळा नो दुर घा करी दो छो..तो नरणे तमारुं नाम केम न जपवुं..? हे जगदंबा आप ने तथा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[9/4/2019]

पंचाक्षर घट पावनी, पंचम ज्योत पतंग
जग उद्धारणी जोगडा, पाम शु वाम पनंग

हे भगवान सुरज नारायण आजे पांचमा नवरात्र नी जेनी पंचम ज्योत बनी आप जळहळी रह्या छो ई जगत पावनी पंचाक्षर (ज,य, मो,ग,ल= 5 अक्षर) धारीणी जग कल्याणी जगदंबा के जेना शु=शुभः एवा वाम (डाबा) पाम (हाथ, ईंग्लीस मां पाम उच्चार हथेळी माटे पण) पनंग (सर्प) धारण करी तेनो कोरडो बनावी दैत दळ ने हाकवा कालीका स्वरुपां बनेल जगदंबा मोगल आपने तथा आपनी पंचम ज्योत नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[10/4/2019]

कंथ रनां नो जो करे, आकाशी उपवास
जांण एने होय जोगडा, आई द्रस्या नी आस

हे भगवान सुरज नारायण ..जगदंबा रांदल ना कंथ.. आप आकाश ना ओरडा मां बिराजीने जगदंबाओ नी नवरात्रि ना उपवासो करी तप तपी रह्या छो..अने एकीटसे चारेय दिशामां मिट मांडी रह्या छो जांणे आप आई ना दर्शन नी आश राखी ने उपासी रह्या छो...आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[11/4/2019]

पवन सप्त पाताल चक, द्विप ऋषी सुर दन्न
जलधी आभप्रद जोगडा, पवंग रथां परसन्न

हे भगवान सुरज नारायण सात पवन, सात पाताळ,सात चक्र, सात द्विप, सात ऋषी, सात सुर, सात दिवसो,सात समुद्र,सात आसमान,एम बधुं सात अंके पवित्र छे तेमज आप ना रथे जोडेल पवंग अर्थांत घोडाओ पण सात छे जेनापर आरुढ थई आप निकळो छो,अने आज मारे उपवास पण सातमो छे..एम सात ना समन्वये सात ना स्वामी ने मारां नित्य वंदन छे.

[12/4/2019]

लाज रखा नभ लाल तुं, चळे न सुरज चाल
जग पर ढोळे जोगडा, वण सुवारथ वाल

हे भगवान सुरज नारायण लाजडीयुं ना राखणहार अने आभ ना लाल (कस्यप ने घरे तो अदीती नी विनवणीयुं थी तेने श्राप मुक्त करवा अंश अवतार घरेल.. बाकी सुरज नारायण पोते तो कस्यप ना पिता मरीचीय नोहता जनम्या तेदीय आभ मां जळहळी रहेल)हे नाथ आप वगर स्वारथ जग पर व्हालप ढोळो छो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[13/4/2019]

आदित नेंण उजागरो,नाथ दिठेलो नई
जिति निंदर जोगडा,ई, सुरज बातां सई

हे भगवान सुरज नारायण आप चोविस कलाक सतत प्रज्वलित रही आभ ने अजवाळता रहो छो..कोयदी सहेज पण झोकुं लिधुं नई..के कोयदी आपनी आंखे उजागरो कळायो नई...हे नाथ आपे निंदरा ने जिति लीधी छे एवात साची छे..निदंराजित नाथ ने मारां नित्य वंदन छे.

[14/4/2019]

देव नभां दरबारगढ, भरे कचारी भांण
जड्डो कहुंबो जोगडा, विर घुंटावत वांण

हे भगवान सुरज नारायण आप नित्य आभ ना दरबार गढ मां कचारी भरो छो, अने एवा घट्ट कहुंबा घुटावो छो के जे कहुंबा ने एक पात्र मांथी बीजा पात्र मां गाळवा मां आवतो होय ई अमल नी धार थी आखुं आभ केसरी कहुंबल लागवा मांडे छे, एवा डायरामल देव सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[15/4/2019]

वांण तरावण वांण तुं,प्रांण रखा जग प्रांण
जी वण जिवण जोगडा,भांण दिरावण भांण

हे भगवान सुरज नारायण बधाय ना वांण ने तारवा वाळा अने वांणु थई ने वानारा तथा जगत मां प्रांण मातर मां प्राण पुरनार जगत ना प्रांण नारायण अमने जी वण (जी हजुरी विना) जिवण (जिवन) जिववानी प्रेरणा देनार तथा अमारा भांणा भरनार हे भांण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[16/4/2019]

नारण नातो नेहनो, जे, हेते जोडल होय
एने
तन त्याजी दउं तोय,जाळवशे हर जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जे नेह नो नातो छे..ई परांणे जोडेल सबंध नथी पण हेतेथी अंतर ना तार जोडायल स्नेह नो नातो छे..अने एने तो महादेव कायम जाळवे छे..पछी सरीर होय के न होय ई नातो तो देह ना बंधनोथी पार छे..ऐवा आत्मा थी जोडायेल जगत्प्रांण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[17/4/2019]

सुरज क्यो सतजूगमां, करम न भुंडा कोय
तो
हिणां करम कां होय, जूग कळी मां जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण ज्यारे सत्ययुग हतो त्यारे बधा सारा कर्मो करनार जिवो हता एवुं लोको कहे छे..तो एवुं तो बधा थी कियुं कर्म थई ग्युं ए बधा हवे कळजुग मा हिंणा कर्म करे छे ? (आत्मा अमर छे एटले आ कळजुग मां पण हशे तो बधा सतयुग वाळाज जिवो)
जो आ मात्र युग ने कारणे छे..तो सत्ययुग ना सद कर्मो ए युग ने कारणे अने कलयुग ना हिंणा कर्मो आ युग ने कारणे..एम युग दोषीत छे...जिवो तो बिचारा जेम युग मानसीकता बदलावे एम बेसुद्ध बनी कर्मो कर्ये जाय छे..ए दोषीत नथी..आप तो सत्ययुग मांय हता कळियूग मांय छो..माटे हे तटस्थ द्रस्टा नारायण सौने क्षेम द्रस्टीये जोई सौ नो उद्धार करो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[18/4/2019]

आलम उचां आभमां, चडिया जो चडीया
जोतांय सुरज जोगडा,दारीद दडवडीया

हे भगवान सुरज नारायण आप आलम थी उंचेरा छो..आप ज्यारे उगीने आभे चड्या ए दर्शन करतां के जे लोको नथी नंदी सकता ए आप ने जुवे तो पण दरिद्रता टळी जाय एवा नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[19/4/2019]

समता नमता सजगता,धिरज धर्म अरु ध्यान
ज्योत लिंग नभ जोगडा, गिरिजा पत दे ग्यान

हे भगवान सुरज नारायण आप क्षमता (क्षमा करी सकवा नुं सामर्थ्य)नम्रता ,स्वासो स्वास सजाग रेहवानी स्थिति, धैर्य,धर्म नी समज,अने ध्यान नी गहनता माटे हे नभ मां ज्योति स्वरुप बिराजेल गिरिजा पति शिव रुप सुर्य नारायण उपरोक्त बाबतो माटे नुं योग ग्यान मने प्रदान करौ..मारां आपने नित्य वंदन छे.

[20/4/2019]

सुरज फिरावे समयतुं, पोते रईन परो
नारायण नरो, जगहीत चाहे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण पेहला शिव सवंत,पछी सप्तर्षि सवंत चालतां जे काळ क्रमे बदलाता रह्या युधीस्ठीर ,कळियुग विर, बुद्ध, मौर्य, शक, विक्रम,ने हवे ईस सुधी पोहच्या पण हे नारायण बधा नी समय गणना आप ने आधीन रही आपना उदय थी अस्त एक दिवस अने अस्तथी उदय रात्री प्रहरो गणाय छे..आम समय गणना आपने आधीन छे पण आप एथी परे छो..आपे तो रात्री जोईज नथी..तथा आपे सतत जगतहितज जोयुं छे..पोते बळी ने धरती तपववी,वरसाद देवा बास्पिभवन माटे तपवुं पछी वादळ ओठे शांत जळहळवुं आप नी लीला अपरंपार छे,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[21/4/2019]

तुं आये कास्यप तणां, भाग्या तिमरां भांण
जो ना आवत जोगडा,तो, रात न जाती रांण

हे भगवान सुरज नारायण आप आव्या ने अंधारा ग्यां...जो तमे न आव्या होत तो आ रात कोयनाथी जाती नई..आप ना उदय थी बधे अजवाळां थीयां आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[22/4/2019]

हेमर आभे हाकीया,ते,संख धणेंणी सूर
जाय अंधारुं जोगडा, नवखंड झल्ले नूर

हे भगवान सुरज नारायण आपे आभ ने माथे हेमर हाक्या अने संख फुंक्यो त्यांतो काळी अंधारा नी फौज पाटीयुं भरी लड्या वगर लस्कर भागी ग्युं.. अने नवेयखंड माथे नुर जळहळी उठ्युं..एवा नुर वरहावनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.
[23/4/2019]

खुब खुशी खवरावतो, मिहिर भलो महाराज
जग ने देतो जोगडा,ई, अंबु तेज अनाज

हे भगवान सुरज नारायण आप खुब खुशी थी जगत ने खवरावो छो..जगत ने अन्न जळ तथा तेज आपो छो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[24/4/2019]

विहोतर लेति वारणा, सारण चडिया साथ
नव परज्युं नमणुं करे, नारायण कइ नाथ

हे भगवान सुरज नारायण हुं चडीया साख नो चारण तने वंदन करुं छुं ई मारां एकला ना नई पण मारी आखी विहोतर (वीस+त्रय = त्रेविस) साखाओ ना ओवारणा गणज्यो..आंमतो आखी विहोतर वंदेज छे पण कोई रही ग्युं होय तो एना वती पण हुं वंदन करुं छुं..तथा हे नाथ आपने नवेय परज पण नित्य नमणुं करे छे..तेवा हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[25/4/2019]

कश्यप रातडीयुं करे, जडबे दाबीन जेर
जांणे वाहन जोगडा, महा सगतनुं मेर

हे भगवान सुरज नारायण आप रात्री रुपी दानव ने पोताना जडबा मां भरावी ने जेर करी नाखो छो..जेना रगत नी छेरडीयुं उडी ने प्रभात ना प्रहर मां आभ रातोचोळ थई जाय छे अने पछी हळवा पंजे आप आभ मां लटार मारवा निकळो छो त्यारे एवुं लागे के जांणे आप पर महाशक्ति बिराजेल छे एने आप एनुं वाहन छो.. ऐवा हे महाबळशाळी नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[26/4/2019]

ध्रुव आधारे धारीयुं,तमे, आलम नाथ अनंत
जळ चडावी जोगडा,तुने, सूर नमे लख संत

हे भगवान सुरज नारायण आपे ध्रुव ने आधारे आ आलम ने धरी छे..पृथ्वी गमे एटलुं फरे पण ध्रुव नी दिशा तो एज होय छे..नहीतर होकायंत्र लई हालनारा गमेत्यां अटवाता होत..ई ध्रुवनो आधार तारावलीविग्रह शिसुभार अने शिसुभार ना आधार रुप नारायण आपने जळ चडावी ने लाखो संत नमन करे छे..हे नाथ मारां पण आपने नित्य वंदन छे.

[27/4/2019]

सांयो अमांणो सांयलो, सायो ई अम साय
जायो अदेतिय जोगडा, वायोय सितळ वाय

हे भगवान सुरज नारायण सांयाजी तुं अमारापर आवतो ताप पोता पर लेनार सांयलो छे..तथा जे सर्व दिसे सवायो छे ई सौ थी सवायो अमारी साय करनार छे..अने हे अदिती ना जाया अने हे अद्वितिय जाया तमे सितळ वायु थई जगत ने सांत्वना आपो छो..आपने मारां नित्य वंदन छे.

[28/4/2019]

आखुंय भरीये आभलु,तोय न सामे तेज
अाग ज्वाळुं थई एज, जमी पधारे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आपनुं तेज केटलुं बधुं छे..के आखुं आभ भरी लईये तोय समातुं नथी अने ई आभमांथी छलकी ने अगन ज्वाळुं समुं धरती पर आवे छे..ई तेज आटलां जोजन दुर अहीं धरती पर पिस्तालीस डीग्री जेटलुं तापमान करी नाखे छे...तो आपनी नजीक केटला डीग्री वातावरण हशे ई कल्पिज न सकाय एवा अनंत तेज ना आधीपति नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[29/4/2019]

रांण कपाणां रुंखडा,ई,प्रथमी बाढ्युं पाप
तिमहर तोळो ताप, जग झंझोडे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ धरती वासीये लीलां झाडवां कापी ने जे पाप कर्या छे एना फळ रुपे हे तिमिरहर आप ताप तपी रह्या छो..जे पाप धरती वाळांथी थीयुं छे जो एनुं प्रायश्चित करी दरेक मांणस जो जिवन दरम्यान बे वृक्षों वावे तो आप शांत थशो ई मने विस्वास छे..जो आ जगत नी जनता एम नही करे तो एनी आगली पेढी आग ना भठा जेवी गरमी मां शेकाशे..हे नाथ सौ ने आ सदबुधी आपवा आप क्षमा ना सागर छतां नित्य पोते बळी रह्या छो..आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[30/4/2019]

अश्व भला आदित्य ने, सावज सरखा सात
जोडीन आव्या जोगडा, गरव धरा गुजरात

हे भगवान सुरज नारायण आप आप सावज जेवा सात अश्व पोताना रथ ने जोडी ने गुजरात नी धरती पर घणीं वखत आव्या छो..क्यारेक कविराज ने घोडो देवा तो क्यारेक सावज नो कान पकडाववा..तो क्यारे गुरु ना मंत्र ने साकार करवा तो क्यारेक रनांदे ना मनामणां करवा..ई बधा प्रसंगोये आपनुं गुजरात नी धरती पर आववुं ए गुजरात धरानुं गौरव छे अने ए गुर्जरीभौम अमारी मातृभूमि छे ए पुरवनी पुनइ गणीं हे नाथ गुर्जर धराने तथा आपने मारां नित्य वंदन छे.

[1/5/2019]

वैंणुं कान वळुंभळीयुं,भेळां, रुडा गोवांती राग
जागी धरणीं जोगडा, भांण उग्या बड़ भाग

हे भगवान सुरज नारायण आ वैंणु नो नाद मारे काने पडी रह्यो छे..के कान नी वेणुं नो नाद वळुंभी रह्यो छे..आपे तो एय सांभळेल छे..आ रुडा गोवाळीयाना डचकारा ना ताल अने होहकारा साथे खरीयुं नो ताल भळीजतो होय तेम धण नीकळ्या छे..जांणे आखी धरती आप ना आगमनथी जागी उठी छे..आप बडभागी छो..आपना उगतां वेत आ बधु शक्य बन्युं आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[2/5/2019]

प्रणमुं हुं आदित्य पद, रयत उबारण रांण
जिवन प्रदातण जोगडा, भये प्रक्ट नत भांण

हे भगवान सुरज नारायण आपना वरद एवा चरण कमळ पर हुं वंदना करी दोहो धरुं छुं, आप अंधकार भरी रात्री ने हटावी तेजोमय प्रभात प्रदान करो छो,तथा अमने सौ ने जिवन देनार नाथ आप नो उदय थतो जोई हुं हर्ष भेर नमण्युं करुं छुं आपने मारां नित्य वंदन छे.

[3/5/2019]

अगन तणों तुं आतमा, पवन तणों तुं प्रांण
जीव अमांणो जोगडा, भवनो तारक भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप अग्नीनो आत्मा छो.. आपज पवन ना प्रांण छो..तथा आपज अा मनखादेव तथा जिव सृस्टी ना जिवन अने जीव छो..हे भव ना तारण हार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[4/5/2019]

कविता फुरतो काळजे, नत नत नोखी नाथ
हुं एना ई हाथ,तने, जोड्ये राखुं जोगडा

हे नारायण तुं मने काळजे नित्य नवी कविताओ फुरे छे...एकज विसय सुरज नुं उगवुं एना पर तुं रोज नवा नवा दोहा मारा काळजे मुके छे जे आ देहे करीने लखाय छे ने हुं निमित बनुं छुं..तुं रोज नवा दोहा आपे छे..ने हुं रोज ईनाई बे हाथ तने जोडीने उभो होउं छुं..अने तुं आप्येज राखे छे..मारां आपने कोटी वंदन छे..

[5/5/2019]

मंदर ढुंढे मानवी, देव नभां दरबार
जांणेय वंदे जोगडा, भांण रनां भरथार

कौरव थाता कास्यबा, पुतरीयो परिवार
क्रण एथी किरतार, जोडेज राख्यो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण लोको भगवान ने मंदिर मां गोते छे पण आप तो आभ ना गुंबज मां स्थित छो..जे जांणे छे ए वंदे छे..हे रनांदे ना नाथ.. आप पारिवारीक संबंधो पण चुकता नथी..कर्ण ने आपे कवच कुंडळ तथा बांण वगेरे बाबते चेतववा धरती पर धक्को खाधो पण तेने पांडवो पक्षे जवा नई कह्युं कारण के कौरवो कुरु ना वंशजो छे अने कुरु ऐ आपनी पुत्र तपती ना बाळक होई कौरव भांणेजडां थिया माटे एनी सहाये पुत्र करण ने राख्यो..आपनी सांसारिक निति ने पण मारां वंदन छे..तथा आपना दैवत्व ने मारां नित्य वंदन छे.

[6/5/2019]

नमन सिद्ध नारायणा, अविचल रांण अदंभ
जति सुद्ध व्रद जोगडा, रनां नाथ जग रंभ

हे भगवान सुरज नारायण आप महासिद्ध छो आप ने नमन छे, हे नाथ आप अविचल छो छतां कोई दंभ के आडंबर थी रहीत छो, आप निंद्राजीत छो जति छो सुद्ध छो,अग्नि गमेतेवा धातुना पण दोष बाळी सकती होय त्यां आपतो अग्नी ने पण बाळीसको एवा उर्जावान छो एटले दोष तो क्यांथी होई सके एथी आप वरद छो शुभः छो, हे रनांदे ना नाथ जगत नो आरंभ आप थकीज छे, मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7/5/2019]

संत खरो आ सूर है, जांण सके तो जांण
जो नभ आयो जोगडा, भगवां पेरी भांण

हे भगवान सुरज नारायण जे भगवां पेरे छे ई बधा संत छे के नई एतो मने खबर नथी पण हे नाथ आ सवार ना प्रहरे आभ ने आंगणे आप पोते केसरी रंग मिश्रीत भगवा वस्त्र मां देखाव छो,अने विना स्वार्थ जगत माटे जळो छो एथी मोटो संत तो बिजो कोंण होई सके,ई तो जे जांणे ईज जांणे छे,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[8/5/2019]

मांमेरुंय मेता तणुं,तमे, भरियल माधव भांण
जोई अनेरी जोगडा,तारी, रक्ख रखावट रांण

हे भगवान सुरज नारायण विभुति योग मां कृष्ण कहे छे के सुर्य छे ते हुं छु..कदाच कृष्ण ना देह विलय पछी कृष्ण ने याद करनार ने आप उपरथी जोई रह्या हशो..माटे मेहता नरसी वती आपे मामेरुं भरी ने आप नी रखरखावट जगत ने देखाडी हे भग्तो ना भीड भंजक मारां आपने नित्य वंदन छे.

[9/5/2019]

अनहद अंधारां ईळे, हाथ न भाळे हाथ
जळहळ तेजे जोगडा, न्याल करीदे नाथ

हे भगवान सुरज नारायण धरती पर एटलां अनहद अंधारां हतां के एक हाथ बिजाहाथ ने न जोई सके...त्यां आपनो उदय थयो अने जळहळ करतां तेज उतर्यां अने धरणी न्याल थई गई तेवा हे तेजदातार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[10/5/2019]

आलम तमणां आशरे, पेरंभ ना प्रतिपाल
जोई रहे नत जोगडा, लख द्रग कस्यब लाल

हे भगवान सुरज नारायण आप ना सुर्य मंडळ थी सज्ज आ आखी आलम आपने आसरे छे एवा हे पेरंभ नुं पालन पोषण करनार प्रतिपाळ, आप नो उदय थतां एक बे नही पण मनुस्य पक्षी पशु वगेरे नी लाखो नजर्युं आपने जोई रहे छे तेवा हे कस्यप ना कुंवर मारां आपने नित्य वंदन छे.

[11/5/2019]

मेर बिराजे मेर तब, रुडा दिपे नभ रांण
जोई करे जप जोगडा, गगन पंखीडां गांण

हे भगवान सुरज नारायण माळा ना बे छेडा ने जोडता मणका ने मेर कहे छे..आप ज्यारे धरा अने नभ ना छेडा ने जोडता सोर रुप क्षितिज पर उदय थई ने देखाव त्यारे महामंडळ रुपी माळा ना मेर सम दीपो छो..जे माळा लई अस्तित्व जाप जपे छे अने गगन पर तेनो गुंजारव पक्षी ना गांणा बनी पडघा पाडे छे आपने मारां नित्य वंदन छे.

[12/5/2019]

मंदिर आरत मंगळा,अने, घंटारव नो घोर
सुरज उगे कई सोर, जांण मचावे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ मंदीर नी मंगळा आरती अने आखा वातावरण मां फेलाई रहेल घंटारव नो घोर अवाज जांणे के आप पधारी रह्या छो ई छडी पोकारी रह्यो छे आपने मारां नित्य वंदन छे.

[13/5/2019]

नरणें जागी नेहथी,जे, भजे न सुरज भांण
जननी कुंखे जोगडा,ई, पाक्यो समजो पांण

हे भगवान सुरज नारायण जे मांणस सवारे जागी ने पोताने जिवन प्रदान करनार नारायण ने वंदन नथी करी सकतो ई एनी जनेताये पांणो जण्या बराबर छे, हे नाथ मारां आप ने नित्य वंदन छे

[14/5/2019]

ढाळ्यो तें लंका धणीं, राघव नी सुंण रार
जंग जिताड्यो जोगडा,भांण उतार्यो भार

हे भगवान सुरज नारायण अगस्तमुनीये राम ने लंका युद्ध पेहला आपना आदित्य ह्रिदय स्तोत्र नो पाठ कराव्यो तेथी युद्ध विजय कराववो ई आपनी फरज थई..उपरांत राम सुर्य वंशी..होई आपनी कुळवधु माटे लडवुं ई आपनी नैतिक जवाबदारी..होई आपे रावण ने ढाळीदई भोमीनो भार उतारी राम ने जुद्ध जिताड्या,जैन रामायण कहे छे के रामे नई लक्षमणे रावण ने मार्यो..ए प्रमांणे लक्ष्मण एटले शेषनाग ..नागकुळ..नाग एटले कस्यप ना संतान आपना भाई..एक लोही..कदाच ए वखते एक रुधीर ने कारणे आपे पोतानी उर्जानो संचार कर्यो लक्षमण मां बळ पुर्युं..अमरत सोस्यू ने रावण हण्यो एवा हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[15/5/2019]

गाय सुवागत गीतडां,कलबल काबरीया
तमहर टाबरीया, जोतांय राजी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण काबर ने अस्तित्वये कोयल जेवो कंठ प्रदान नथी कर्यो पण तोय ई एना कलबल अवाजे आपना स्वागत ना गीतडां सवारे गाय छे..अने हे तम(अंधकार)हर(हरनार) सुरज नारायण आप आपनां आ बधां कालावाला करता टाबरीयां ने जोई राजी थाव छो.एवा भाव भुख्या भगवान..आपने मारां नित्य वंदन छे.

[16/5/2019]

दिनकर नाथ दयानीधि, परमपरा परमांण
जपत मुनीवर जोगडा,ऋषी भजत नित रांण

हे भगवान सुरज नारायण आप दयानिधि छो..कृपा ना सागर छो..ऐ परंपरा प्रमांणे सौ ने ज्ञात छे माटेज तो हे नाथ आपने सर्व मुनीगण(चारण) जपे छे अने ऋषीयो(ब्राह्मण) भजे छे आदी थी आ परंपरा रही छे..ए परंपरा ना वाहक तरीके मारां आपने नित्य वंदन छे.

[17/5/2019]

लेता लाखो लोग, भांण तमाणां भांमणा
जो आ चडीयो जोग, दोहो धरतो दिनकरा

हे भगवान सुर्य नारायण अत्यार सुधी लोको एक नो ऐक दोहो भांण तिहारा भामणा गाई ने तने वंदे छे पण हे दिवस ना करनार हुं नित्य नवा दोहे नवाजी ने तमने वंदन करुं छुं आप ने मारां नित्य वंदन छे

[18/5/2019]

उतारे नभ आरती, दिप तारलीये देव
जड चेतन सब जोगडा,सुरज करे तव सेव

हे भगवान सुरज नारायण आखुं आभ आपना आगमन पेहला हजारो तारलीया रुपी दीवडा प्रगटावी ने आपनी आरती उतारे छे, अने हे नाथ जड तेमज चैतन बधां आपनी सेवा करे छे तेमज आपना प्रकास रुपी प्रसाद नुं सेवन करी पोतानुं जिवन अने अस्तित्व धरावे छे तेवा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे

[19/5/2019]

शुभ्र करत तिमरां हरत,भरत जग्त उर भांण
जरत कारु व्रत जोगडा, वरत सरत नत वांण

हे भगवान सुरज नारायण आप शुभः करनार छो,अंधकार ने हरनार छो,तथा जगत आखा ना पेट भरनार छो,तथा जेना नित्य नमन नुं व्रत चारण मुनी आसीत ना पिता एटले के हरद्वार बिराजेल जगदंबा मंशादेवि ना पति चारण मुनि जरत्कारुये जेनुं व्रत लिधेल तेवा नारायण ने नित्य नजरे निहाळीये छीये तेमने मारां नित्य वंदन छे.

[20/5/2019]

घुमवतो नभ घोडला, एकलीये अहवार
ज्योत लई हथ जोगडा, भड़ रनां भरथार

हे भगवान सुरज नारायण आप एकलीयो अहवार थई आभ ना पटा माथे घोडा घुमावो छो,अने जगत हीत काजे जळती मशाल लई सतत धरा पट ने अजवाळी सौ जिवो नुं जिवन चलावो छो, तेवा भडवीर एवा हे रांदल ना भरथार मारां आप ने नित्य वंदन छे

[21/5/2019]

अहम रिक्त आदित्यतुं, रहम कर्यो अब रांण
जपैं नहम कीं जोगडा, वहम कट्यो सुर वांण

हे भगवान सुरज नारायण आप अहम थी रहीत छो, अने अम पर आपे रहम करी छे,रात ना सम्त अंधकार दुर करी रुडुं परोडीयुं बताव्युं ने अमारा वहम वगेरे दुर कर्या तो सीद ने अमे जाप न जपीये, आप ने मारां नित्य वंदन छे

[22/5/2019]

नांभी थी नारायणा, निकळे तोळुं नाम
जगहीत बोळां जोगडा, कास्यप करता काम

हे भगवान सुरज नारायण हुं मुखे थी के गळे थी आपनुं नाम नथी रटतो पण अनायासे नांभी थी आपनुं नाम सहज रीते निकळे छे, कारण के हे नाथ तमे जगहीत माटे विना सुवारथ काम करो छो,आप ने मारां नित्य वंदन छे

[23/5/2019]

उगे थमे ने आथमे,ऐवी, रमते चडीया रांण
जे दण ग्या घर जोगडा, प्रथमी तजसे प्रांण

हे भगवान सुरज नारायण आप उदय थाव छो रोकाव छो ने आथमो छो..आ रमत युगो थी करो छो..जे दी आप आपनी आ रमत मुकी ब्रह्मांड मां क्याॅक आपने घरे गया तेदी आ धरती पर कोई प्रांण नई होय...आ देखाता जीव बधा आपनी रमत ने कारणे रमी रह्या छे..एवा महाखेल ना खेलनार खाविंद मारां आपने नित्य वंदन छे
[24/5/2019]

ताप तपोबळ नो तपे,जेने,जुकतुं आखुंय जग्ग
जो सूर टाढो जोगडा,ज्यां, अविचल ध्रुव अडग्ग

जे भगवान सुर्य नारायण ना तपोबळ ना ताप ने आखुं जगत नमे छे ऐ सुर्य नारायण पोते पण ध्रुव (उत्तर,दक्षीण ध्रुव) पासे तो साव सीतळ थईजाय, कारण के ते ध्रुव डगता नथी, जगत मां जे पण आंम अविचल अने पोताना धर्म मां अडग हसे त्यां प्रकृतीये पण पोतानी प्रकृती छोडवी पडे
[25/5/2019]

थाय भगुडे ठावकी, आरतियुंय अजोड
मोगल तणों मरोड,जोयो अदभुत जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आजे सांजे जोयेल भगुडा नी आरती मां जांणे के आप नो प्रकास जळहळतो होय एवो भास थयो जांणे के आप आरती मां आवी जगदंबानी वंदना करी रह्या छो...अने प्रभात ना प्रहरे ज्यारे एज थडे आपनो उदय जोयो त्यां एम लाग्युं के

उगीय मोगल आभमां, सोळ कळाये सूर
जळ धरे पद जोगडा, भाग्य जेना भरपूर

हे भगवान सुरज नारायण जांणे मोगल पोते आभ मां सुरज थई ने सोळे कळाये जळहळवा मांडी होय एवुॅ द्रस्य लाग्युॅ एम आप अने मोगल बंन्ने ने चरणे हुं जळ धरी ने वंदन करुं छुं मारां आपने नित्य वंदन छे.

[26/5/2019]

आतम बल तम आपतां,चडीयो है चक चूर
कायर भजे न कास्यपा, सूर अरघ दे सूर

हे भगवान नारायण तमे जे आत्मबळ नो केफ आप्यो छे तेनाथी हुं चडीयो(चारण नी साखा) चकचुर छुं आपनी अने हे नारायण कायरो आपने भजी नथी सकता (कारण के जे आपने भजे ते कायर नथी रेहतो)आपने मात्र सूर वीरो अरघ अर्पे छे, मारां आपने नीत्य वंदन छे,

[27/5/2019]

उपमा नइ अवनी परे,एवो तुं उपमेय
बाप जोडी हथ बेय, जापुं सुरज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जेनी आ आखी अवनी पर कोई उपमा न लागी सके,आप ना जेवा एक मात्र आपज छो,एवा हे जगत ना पीता नारायण हुं मारा बेय हाथ जोडी ने आपना जाप जपु छुं आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[28/5/2019]

आभ छीपे अलबेलडुं, भाळ्युं मोती भांण
ई
महा सायर नी मांण, जगदंबा सीर जोगडा

आभ रुपी छीपला मां सुरज नारायण रुपी मोती जळके छे..अने आवडुं मोटुं आभ जेवुं छीप जे समदर मां पाके ई समदर पोतानी गोळी मां भरी ने माथे मुकी ने जगदंबा हाले ई वैराट विश्वंभरी तथा तेनी प्रतीति करावता मोती रुप जळहळता नारायण बंन्ने ने मारां नित्य वंदन छे.

[29/5/2019]

तळ दळ तिमिरा जाय तज, पळ पळ तेज प्रमांण
जळहळ जळ हर जोगडा, भळळ उदित नभ भांण

हे भगवान सुरज नारायण आपना उदय थी आ तळ परथी तिमिर ना दळ भागी जागीजाय छे, तथा आप समुं कोई तेजस्वी नथी एनुं प्रमांण आपनुं तेज पळेपळ दई रह्युं छे तेवा हे जळ ने हरी लेनार (बास्पीभवन थी पांणी ने आभ मां खेची लेनार) अने जळहळी उठता नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[30/5/2019]

सुमिरन करतां सुरजनुं,ई, करसे चौतीस काम
नाथ रनां नुं नाम, जोग सिधी सम जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण ज्योतिष शास्त्र पण एम कहे छे के सुर्य प्रबळ होय तो चोत्रीस प्रकार ना कामो ना शुभःफळ आपे (चोत्रीसा यंत्र) जेनुं नाम समरतां चोत्रिस कामो थतां होय तेवा हे रनांदे ना नाथ आप नुं तो नामज योगसिद्धी जेवुं प्रबळ छे तो आपना सामर्थ्य नी शुं वात करी सकाय..बस नमन थई सके...आपने मारां नित्य वंदन छे..

[31/5/2019]

उग्योय सुरज ओलीया, हर माळा लई हाथ
जाप जपे नभ जोगडा,सत नो देवा साथ

हे भगवान सुरज आप ओलीया जेवा परमार्थ हेतु उदय पाम्या छो,आपना हाथ मां भगवान सदाशिव अने आदिशिव ना नाम नी ॐकार रुपी माळा फरी रही छे,आखुं आभ पण सुसवाटा भेर शिव अने सुर्य ना जाप जपी रह्युं छे,कारण के आप सत्य नो साथ देनार देव छो,आप ने मारां नित्य वंदन छे

[1/6/2019]

सरवा रांदल सायबा, गरवा नाथ गगन्न
जळ दई वंदु जोगडा,हवे, ओछी व्रहो अगन्न

हे भगवान सुरज नारायण जगदंबा रांदल ना सायबा,अने आखा गगन ना नाथ ,हुं आप ने जळ अने दोहो धरावी वंदन करुं छुं,हे नाथ आपना वधता जता ताप थी पंखीडां बिचारा क्यां जशे,माटे हे नारायण थोडा धीरा तपज्यो,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[2/6/2019]

तारायं ताप तणों, धोखो शुं धरीये धणीं
द्रखडां वींण दणीं, जाते करियल जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप जे ताप तपो छो ई आप ना ताप नो अमे शुं धोखो धरीयें? कारण के छांयडो आपी सीतळता पाथरनार वृक्षो तो अम मनुस्योये जातेज वाढी नाखेल छे..छतां आप दर वर्षे वरसाद वरसावी फरी झाडवां उसेरवा मोका आपी आपनी करुंणा दर्सावो छो..आपने मारां नित्य वंदन छे..

[3/6/2019]

तम हरता ईक नाथ तम, भ्रम भंजण परभ्रम्म
जोगडाग सब जोगडा, क्रम मेटण सद क्रम्म

हे भगवान सुरज नारायण तम नाम अंधकार हरनार आप छो,भ्रम ने भांगनार परब्रह्म आप छो, जोग पर दाग लागे एवुं कांय जो जोगडा थी थयुं होय तो ई क्रम ने मिटावी सद क्रम करावववानो आपे क्रम जाळव्यो छे एवा हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[4/6/2019]

आतम जग आदित्त तुं,शास्त्र वेद सब सार
जाग्य नमे नित जोगडा, करहुं क्रिपा किरतार

हे भगवान सुरज नारायण आप जगत ना आत्मा छो एवुं वेद पण कहे छे,हे नाथ आम सर्व शास्त्रो ना सार रुप जाग्रत देव छो,जे आदी काळ थी समस्त घटनाओ ना द्रस्टा रह्या छो,हे कृपाळु मारा पर एवी कृपा करो के हुं नित्य जागी ने आपनुं नाम स्मरण करतो रहुं,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[5/6/2019]

रुडो रुपाळो रांणतुं, नमणों नेंणे नाक
चौदय भुवण चाक, ज्वारे कायम जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप उनाळा मां देखाव छो तेवा काळजाळ खरा पण कदरुपा नई पण नाके नेंणे नमणा छो..अने आपनुं सामर्थ्य पण जेवुं तेवुं नई..आ चौदेय भुवण आपनी फरते प्रदक्षिणा करी ने आपने जुहारे छे.आपने मारां नित्य वंदन छे.

[6/6/2019]

कास्यप कोरुं काढतां, आल्यम अजवाळी
कोर्ये गई काळी, जो रातडीयुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण धरती ने आंगणे मेघ मेहमान हुतो एथी आप मर्यादा ने पडदे रहेल पण जेवी धरती ने जरुर पडी के तरत कोरुं काढी ने आपे तेज पुंज नी छालक मारी आखी प्रकृती ने हेत मां हिलोळाती करी नाखी,अने काळी रातडीयुं ने कोरे करी एवा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे

[7/6/2019]

वरहो थई ग्यां वातने,पण, भरहो खुटे न भांण
जरहो दरहो जोगडा,आ, परहो ई परमांण

हे भगवान सुरज नारायण आपनी पौरांणीक वातो ने वरसो विति गयां पण आप परनो भरोहो जराय खुट्यो नथी आप नीत्य देखाव छे..समयानुसार सितळता उष्णता अने जळ आपो छो ई परचो क्यां ओछो छे ते कोई ने पण संसय थाय आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8/6/2019]

विर छप्पय

यही सुरज अकलंक,पंक कमलासण पेखी
यही सुरज अकलंक, लंक भभकी जल लेखी
यही सुरज अकलंक,ढंक नभ रावण ढहियो
यही सुरज अकलंक,टंक नव खंडण टहियो
जिभ नित जोगीदान जप, यह शंभू अण शंक
भुवण चौद भगवान भज, अलख नाथ अकलंक

हे निस्कंलक एवा भगवान सुरज नारायण आपेज कादव पर कमळ अने कमळ पर कमलासनी ने उत्पान थतां अने बिराजतां निहाळी छे,आपेज सिस्य हनुमान मां शक्ति रुप संचार करी रामे जित मेळववा अगस्तमुनी ना कहेवाथी आपनुं आदित्य ह्रिदय स्त्रोत गान करेल एथी विजय नाद ना संख रुप सरुवात करतां जळ मध्ये रहेल लंका ने भडके बाळी,आपेज राघव ना धनुस्य पर वास करी अमरत सुकव्यां अने रावण ने ढाळ्यो,आपज नवे खंड ने टंके भोजन पुरुं पाडनार नाथ छो तेवा कवि नी जिभे जाप रुप रहेल शिव शंभु पण आप छो अने चौदेय भुवन जेने अलग अलग नामे भजे छे तेवा हे अलख नाथ सुरज नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[9/6/2019]

विद्युतरुप थीर व्योमव्रद, अच्युत नाथ अखंड
जागृत प्रद घट जोगडा, प्राकृत रक्ष प्रकंड

हे भगवान सुरज नारायण आप विध्युत रुपे व्योम मां स्थीर छो..तथा अच्युत ना आंमतो घणा अर्थ छे पण अहीं जैन ग्रंथ प्रमांणे बारमो देवलोक एटले अच्युत तेना हे अखंड स्वामी,आप अमारा घट मां जागृत रही जाग्रती रखावो छो,तथा व्योम मां रही सितळ उष्ण वरखा वगेरे परिवर्तन लावी प्रकृती नी रक्षा करो छो आपने मारां नित्य वंदन छे.

[10/6/2019]

उत्पत्ति थीत आदीत्यतुं, संहारक रुप सूर
जुक जुक ज्वारुं जोगडा, हाकीम व्योम हजूर

हे भगवान सुरज नारायण उत्पति (पोताना अंग मांथी पृथ्वी छुटी पाडी समग्र जिव सृस्टी उत्पन्न करी) स्थिति (पोताना तेज थी प्रकास संस्लेसण द्वारा वनस्पति तथा वनस्पति थी जिवो नुं पोषण करनार) अने संहार (भयंकर ताप, जळ प्रकोप, वायु प्रकोप आदी थी संहार)करनार त्रणेय देवोना संयुक्त रुप सम नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[11/6/2019]

कर कस्यप कैकांण कस, गणण ग्रज्यो सुर गोम
जाड त्राड कर जोगडा, धणण धख्यो नभ धोम

हे भगवान कस्यप ना पुत्र सुरज नारायण आपे जांणे अरुण ने कही दीधुं होय के आघो रे हवे लाव मारा हाथ मां अने सातेय अश्व ना रथनी लगामो पोताना कर मां पकडी ने आखुं गगन गरजे एवी त्राड दई ने कह्युं के जाडवा काप्यां?? ल्यो हवे..कही ने नभ मां धोम धखवा माड्यां छो..बाळक समजाव्युं समजे नई तो मावतर हाकोटो करे ई एमनो हक्क..एम आप आ उनाळे हाकोटो करी ने उभेल धरतीना मावतर रुप नारायण आपनो ताप अकारण नथी मारां आपने वंदन छे.

[12/6/2019]

सप्तसतीनो स्नेहसुं,अमे,परभुं करीये पाठ
जोखम बारुं जोगडा, सूर कढो सवराठ

हे भगवान सुरज नारायण आखा भारत मां शांत राज्य गुजरात छे अने गुजरात मां भक्तिभाव थी भरपुर स्थानो सौराष्ट्र मां छे..हे नाथ हुं सवार ना प्रहरे मार्कंडेय रचीत सप्तसतीनो पाठ करी ए पुण्य आपने चरणे धरी वंदन सह विनती करुं छुं के जो सोरठ ने उनीआंच आवशे तो लोको नो भक्ति पर नो विस्वास डगी जशे माटे हे नाथ सौराष्ट्र ने जोखम बारुं काढवुं ई आपनी जवाबदारी छे..मारां आपने नित्य वंदन छे..

[13/6/2019]

कमलापत नांभी कमल,तुंही तुंही लग्यो तार
जपअजपा घट जोगडा, कस्यप सुत किरतार

हे भगवान सुरज नारायण आप ना बार नाम मां एक नाम विष्णु छे,अने कृष्ण पण कहे छे के सुर्य छे ते हुं छुं, एम हे कमला ना नाथ अम नांभी कमल मां पण तुंही तुं नो तार लाग्यो छे,अने अजपा जापो अम घट मां घुंटावा लाग्या छे,ए कृपा ना करनार किरतार मारां आपने नित्य वंदन छे.

[14/6/2019]

पद धूली परमेहरा, सूरज धरुं मुंज शीस
एवा तुज आशीस, जंखुं चारण जोगडो

हे भगवान सुरज नारायण आप नी चरण रज हुं माथे चडावी सकुं एवा आप ना आशिस नी जंखना सह आप ने नमन करुं छुं आपने मारां नित्य वंदन छे.

[15/6/2019]

व्हाल द्रसावी वादळां, आदीत लाव्या आभ
ल्यो शुं पाम्या लाभ, जांखां करीया जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण एकतो समदर खारो ..अने ई खारा समदर ना छोरुं वादळां समदर थी हलकां (हलकां होय तोज उडी सके ने वजन थाय तो हेठे आवे) एने आप दया करी उंचे आभ मां लाव्या एना बदलामा एणे तमारा अने धरती नी वच्चे आवी तमारा तेज ने धरापर आवता रोक्या..झांखा कर्या..
ईतो होंसीयार दीकरी धरती आ जोई न सकी पोताना छोरु जाडवां ने सहारे ठंडक उभी करी ई वादळां ने वरहावी लई ने पाछा रवाना करी दीधा..
आंम जेना मुळीयां खारा ने प्रकृति हलकी होय एने आभे चडावो तो ई पोतानेज जांखा करे अने जे पोताना छे ईज एमांथी बहार लावे... कदाच ए निति नी वात समजाववा आप दर वर्षे आ खेल आरंभता हशो.. एवा हे निति सिखवनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[16/6/2019]

चित्त अनो चित ना चळे, रुप सरुपम रांण
जम्म पितु नरम जोगडा, भूप अनूपम भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप नुं चित क्यारेय क्यारेय अनुचितता मां चळ्युं नथी रुप मां आप मोह्या नथी.. कारण के ज्यारे रनांदे नीकळ्या त्यारे छाया ने मुकी ने गयेल पण ज्यारे आपना ध्यान मां आव्युं के आ रनां नथी अने आप रनांदे ने गोतता अश्व बनीने धरापर आव्या.. छाया ना रुप मोह मां रह्या नही तेवा हे नारायण तमे जम्म (निर्दय व्यक्ति ने लोको जम जेवो व्यक्ति ना पिता छो पण हैया ना नरम छो एवा हे अनुपम भूप नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[17/6/2019]

वन वगडा मां वागीयुं, वरणागी सुर वेंण
जद आया नभ जोगडा, सुरज रांदल सेंण

हे भगवान सुरज नारायण भगवती रांदल ना सलुंणा सेंण आप ज्यां आभे आव्या त्यांतो वन वगडा मांथी वांसळी ना सुरो रेलावा मांड्या,आपे तो कानजी नी वांसळीयुं पण सांभळी हशे अने कानजी जेनी वांसळी जोई वांसळी वगाडवा प्रेराया हशे ई वांसळीयुं पण सांभळवा ना साक्षी रह्या हशो एवा हे नाथ मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[18/6/2019]

रांण तमुं नित राखता, मन मोटुं महाराज
जुवो न अवगण जोगडा, तेज तणां सिरताज

हे भगवान सुरज नारायण आप केवडुं मोटुं मन राखो छो,के आप ने जे कोयदी नमन नथी करता एवा लोको ने पण आप एवुंज अजवाळुं अने जिवन आपो छो जेवुं सुद्ध आत्मन ने आपो छो,आप अवगुंण सामुं नजर सुद्धा नथी करता एवा हे तेजस्वीता ना सरताज आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[19/6/2019]

चंदर मां चमकी रीयो, तुं, रुडाय तेजे रांण
जांणे कई रीत जोगडा, भडका ढांके भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप रात्रे चंद्र ने तेज आपी चंद्र मां पण आपज जळहळी रह्या होव छो..पण ए वखते आप सितळता वेरता होव छो..आप पोताना उर नी आग ना भडका ढांकी ने आटली सीतळा ढोळी सको छो ऐज आपनी महानता छे..आंम आप जिवन नो संदेश आपो छो के भडका ने भितर मां भंडारी ने अडधो समय सीतळता पण राखवी सतत आग जेवा आकरा न रेहवुं..एवि जिवन सिक्षा जगवनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[20/6/2019]

योगी सूरज आभमां, आसन धर्युं अखंड
जगवी सरपन जोगडा, प्रगट्युं तेज प्रचंड

हे महा योगी भगवान सुरज नारायण आपने आकाश मे आसन लगाया और योगसाधना करके सर्पिनी कुंडली को जागृत किया जिसका प्रचंड तेज प्रकट हुवा जो आज समग्र सृस्टी को उजियारे से भर रहा है..आज योगदिन को आपके योगदान को मेरा योगीदान का नित्य वंदन है....

[21/6/2019]

धरण पिता ध्रम धरण तुं, करण पितुं करणेश
जर्ण खौजी पित जोगडा, नरण नमौ नरणेश

हे भगवान सुरज नारायण धरती ना पिता अने धर्म ने धारण करनार नाथ,हे कर्ण ना पिता अने शुभः कर्मो ना करनार नारायण,हे जिरण ने सोधी खोळी ने नुतन करनारा किमियागर कस्यप नंदन अने नरणा प्रहर ना नाथ नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[22/6/2019]

प्रोढ प्रक्ट असमांण पट, ईतदिन भयो अदीत
जळ चडवी हर जोगडा, नमन करुं पद नीत

हे भगवान सुरज नारायण आज ईत वार ना दिवसे आपनो उदय अने ईतवार एटले रविवार अर्थांत आपनो दिवस एटले ईतवार कहुं के आदितवार कहुं ऐज असमंजस छे...हे नाथ आप ना चरणे अने हर नाम शिव ना शिवालये जळ चडावी आप बंन्ने शिव स्वरुप ने मारां नित्य वंदन छे.

[23/6/2019]

वरह्या तणां वघामणां, भर भर फांट्युं भांण
जळ भरियां सर जोगडा, रंग हो दाता रांण

प्रोढ जगी पद प्रेमथी,जे, रेडे न लोटो रांण
सग्ग भरी सरवांण,जळ दे सुरज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण वर्षा रुत नी आपने फांट्युं भरी भरी ने वधाई छे..जे लोको एक लोटो भरी ने जळ आप ने नथी चडावता एवाय लोको ने काज तमे आखां सरोवरो भरी दीधां आपनी दातारी ने मारा लख लख वंदन छे.

[24/6/2019]

मंदिर आरत मंगळा,उग्या नो अणहार
पोढे पालण हार, जातां सूरज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ मंदिरो मां जे मंगळा आरती थवा मांडी छे ई आप ना उदय थवाना अणहार ने अनुसरी ने छे..बाकी ज्यारे आप जाव छो अने रात ढळे छे त्यारेतो पालणहार परमेहर नी मुरत ने पण पुजारी पोढाडी दे छे..परमेहर पोढी जाय छे..आप थीज बधुं जाग्रत छे,आपने मारां नित्य वंदन छे.

[25/6/2019]

दिनकर केतां दारदर, भांगीन थाय भुक्को
सूरज लईन सूक्को,जगवे चलमुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आपनुं नाम लेतां तो दारदर (दरिद्रता) ना भक्का बोली जाय अने ई भुक्का नो सुक्को बनावी चलम मां भरी ने आप एने पी जाव छो जेथी फरी क्यारेय ई भुको भेळो थई आपना हेतु ने हनेडे नई एवा दरिद्रहण नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[26/6/2019]

सुरज नाख्युं शाकमां,एणे, आखुंय कोळुं आम
जिवतां जिवत जोगडा, जे, नव ल्ये तमणुं नाम

हे भगवान सुरज नारायण जे मांणसे जिवतां जिवत तमारुं नाम नथी जप्युं एणे पोताना जिवतर रुपी आखुंय कोळुं शाक मां नाख्युं गणवुं..जेंणे जेणें आपनुं नाम जप्युं छे तेने मारा नमन सह नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[27/6/2019]

आभ जेवुं आ आभलुं, दिनकर करतुं डोळ
जगपत खेडुं जोगडा, हांके कइ रीत होळ

हे भगवान सुरज नारायण आ आकाश जेवुं मोटुं आ आभलु (आ भलुं..जे भलुं छे ते) पण जो वरसे नई ने खाली भरेलां वादळां देखाड्ये राखे, लोभी ने गांठे थी रुपीयो न छुटे तेम एना वादळे थी पांणी छुटतुं नथी आवा डोळ जोई ने खेडुं केम जगत नुं पोहण करवा हळ हाके ..माटे हे नाथ हवे महुलो वरहावे मारां आपने नित्य वंदन छे.

[28/6/2019]

साळान केवो साचवो,ई,रांण भाळ्युं में रात
व्हालाय ऐवी वात, जग पर कां नई जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आपनुंज एक नाम विष्णु छे,कृष्ण पण गीता ना विभुती योगमां कहे छे सुर्य छे ते हुं छु अने कृष्ण ई लक्ष्मीपति विष्णु छे ई बधायने जांण..अने लक्ष्मी समुद्र मांथी निकळ्या..चंद्र पण समुद्र मांथी..एटले ई भाई बहेन थ्यां एथी चंद्र ए विष्णु ने साळा थाय..हे नाथ चंद्र पर पण आपनो प्रकासज छे..पण ए सितळ छे..अने धरती पर लाय जेवो..तो आवुं केम?आप साळा ने सितळताथी साचवो छो ई चाडी राते खाधी त्यारे खबर पडी..कदाच आप पण संसारी ने सिख देता हशो के सासरीया पक्षे सितळताथी वर्तवुं....संसारी सिखामणुं ना दाता नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[29/6/2019]

वैदिक वैष्णव ने वळी, शाकत को के शैव
दनकर वंदण दैव,जागीन करता जोगडा

पुरातन चार धर्मो जे हता...वैदिक धर्म, वैष्णव धर्म, शैव धर्म अने शाक्त (स्मार्त) धर्म आ चारेय धरम ना आंतरीक विग्रह ने विवादो अलग बाबते होता पण जागीने सुरज नारायण ने वंदवा नी वात एकेय विहर्या नथी....

[30/6/2019]

छडी पोकारे सूरजनी,आ , मधरा कंठे मोर
जांण केतो इ जोगडा, भांण उग्या थइ भोर

हे भगवान सुरज नारायण आप ना आगमन पेहला आ मोर मधुरा कंठे टहुकार करी ने जांणे आपनी छडी पोकारे छे के राजाधिराज धर्म रक्षक भगवान नारायण पधारी रह्या छे,हवे रात टळी ने उजवाळां रेलाशे,प्रभात थया नो आनंद समग्र प्रकृती पर देखावा लागे छे तेवा हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे

[1/7/2019]

याद करंतां आवतो, आभ जण्यो अणमोल
जद संभारे जोगडा,कवित कवि के कोल

हे भगवान सुरज नारायण आप ने आभ जण्या एटले कह्या..कारण के अदितिये तो आपनी उपासना करी आपना तेज ना अंश रुप पुत्र नी मागणी करेल पोते श्राप मांथी मुक्त थवा. अने आप आवेल..पण ते पेहलाय आप तो आभ ना खोळे तपताज हता..एम ऐथी उपर कोई जांणी नथी सक्यु..माटे हे नाथ आप ने ज्यारे ज्यारे कवियोये घोडा माटे के जीवता सिंह माटे याद कर्या तो आव्या छो..काव्य सांभळवा पण आव्या ने दुर्वासा जेवा ऋषीयो ना मंत्रो ना कोल थी पण आव्या..एम जेटली वार याद कराया आप आव्या छो..तथा रोज धरतीवासी ने दर्शन देवा पण आभ मां आवो छो..अने जे हिंणभागी नथी ए आपने वंदी सके छे..पापाचारी देख्या अणदेख्या करी पशुजेम पोताने कामे वळे छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[2/7/2019]

मंद मलय धर म्हालतो, चित हर खितिज चितार
ज्यों चडिया धून जोगीया, सुरज बजत सितार

हे भगवान सुरज नारायण धरती पर मंद मंद मलय वाई रह्यो छे, तथा चित ने हरीले तेवां चित्र क्षितिज पर सर्जाई रह्यां छे,एम लागे के जांणे आप हाथ मां सितार लई ने अत्यारे सवार ना समय नो शास्त्रीय राग जोगीया वगाडी रह्या होय..जे राग भैरव अने रामकली (जेने गुजरात ना देशी भजनीको रामगरी कहे छे)पछी नो त्रीजो राग जे सवारे छ थी आठ ना समय नो आधीपति छे,आप सितार पर जोगीया छेडी रह्या होय तेवा संगीत विद नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[3/7/2019]

आवीय माह अहाडरी, बड़भागी सुद बीज
जय जगनाथन जोगडा, व्योम भणंती वीज

हे भगवान सुरज नारायण आजे असाढ महीनानी बड़भागी एवी सुद बीज आवी छे..जेमां भगवान जगन्नाथ ना अतिम दर्शन पर आभ पोताना आंसुडा सार्या विना रेहतुं नथी,अने विजळीयुं पण आजे वारणा लई पछी आभमां जय जगन्नाथ ना नाद करती थीर थई जाय छे..पछी धरती पर आववानुं मांडी वाळे छे..(लोको कहे छे के विजळी बिज पछी बंधाई जाय छे पण कदाच ई कृष्ण धरती पर न रह्या ना दरद मां पछी धरती पर न आवती होय एवुं पण बने)एम हे नाथ आजे असाढी द्विवतिया सुक्ल ना नमन सह आपने मारां नित्य वंदन छे.

[4/7/2019]

सोनवणीं ना सांटणां, नाख्या वण ना नाथ
हरीवर छुट्टे हाथ,हवे, जळ रेडी दो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण बे दीवस थी आ आभामंडळ मां वादळीयुं नो गाभ छे,पण एनो छुकारो नथी थातो..आपना उपासको एवा छे के जेनी नाडी धोये आडां भागे..त्यां आभ मां तो आप पोते बिराजमान छो.छतां आ वादळीयुं ने भर्या पेटे जळुंबी रेहवुं पडे अने सोनवणी नी छांट नाखे तेम त्रबक्या करे एना करतां आप कृपा करो तो छुट्टे हाथ वरही पडे..हे नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[5/7/2019]

सुर उरजा थई संचरे, कण कण तुं किरतार
जड चैतन सब जोगडा,भड रांदल भरतार

हे भगवान सुरज नारायण आप कण कण मां बेउ प्रकार नी उर्जा भर एनर्जी स्वरुप संचार करी रह्या तथा हे नारायण जड अने चैतन्य सर्व मां आप समाविस्ट छो आपने मारां नित्य वंदन छे.

[6/7/2019]

घोर अंधारे घेरीयुं, आभ जेवुं आ आभ
लाल देवा जगलाभ, जळक्यो सुरज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ आटली विसाळता वाळुं आखुं आभ करोडो तारोडीया होवा छतां अंधारे घेरायेल छे,अने आपनो उदय जगत ने लाभ कारी रही आभ ने उजवळ करे छे,तेवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7/7/2019]

वेरीय नाखो वादळां,का, रेडीय दो जळ रांण
भेळुं कर्या नुं भांण,तने, जरा न सोभे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ अठवाडीया पंदर दी थी वादळां आभे टळवळी रह्यां छे.. ह्युमीडीटी जराय ओछी थती नथी जे मांणह ने बिमारी ना मुख मां लई जास्ये..हे नाथ कां वादळां वेरी नाखो..ने कां वरहावी दो..लोभीयो मांणह धन भेळुं करी राखे एम तमे आ घन (वादळां)भेळां करी ने बेठा छो..ई आपने शोभा नथी देतुं माटे नारायण नामनी पत जाळवो आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8/7/2019]

निशाचरो ने नाथजी,खावण देवा खग्ग
दई आथमणां डग्ग,जाय संतावा जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जेम आप नो उदय सर्व जीव जळचर खेचर अने भुचर ना जिवन माटे अनिवार्य छे..तेमज निशाचरो नो पण जिवन निर्वाह चाले ए माटे आप उदय थतां नी साथेज आथमणी दिशा बाजु सतत डगलां भरी आप दनचर ने जमाडता जमाडता निशाचरो नी चिंता करी आथमणे जई उभा रहो छो..बंन्ने पलडां पर संतुलन राखनार संयमी नाथ नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[9/7/2019]

आदित आलम ओळखे,तुं, सतने देतो साथ
माटे
हेमाळो पण हाथ, जोडीन उभो जोगडा

हे नारायण आप हंमेशा सत्य नी साथे होव छो..ऐ आखी आलम ने खबर छे..माटे सतपुरुषो अने ऋषी मुनीयो ने पोताने खोळे बेसाडी ने खुद हिमालय पण आप ने हाथ जोडी ने उभो छे तेवा हे सत ना बेली आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[10/7/2019]

एक विशंभर आपनी, विश्व आखा ने वाट
जागो सूरज जोगडा, व्योमेय रूप विराट

हे भगवान सुरज नारायण विश्व आखा ना जिव जंतु पशु पंखी अने प्रांणी मातर ने आप नी राह होय छे..दन चर ने आप ना उदय नी ने निशाचर ने अस्त नी पण आखरे राह तो आपनीज होय छे..आम हे जिव सृस्टी ना जिवन चक्र ना केन्द्र बिंदु रुप नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[11/7/2019]

कोंण हटावत कास्यपा,ताराय वीण तिमिर
मोडोय कदी मिहिर,जोयो न पडतो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप विना आ अंधकार ने कोंण हटावी सकत...अने एक मात्र आप होवा छतां आप ने कोयदी मोडा पडता जोया नथी आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[12/7/2019]

नमौ नमह नारायणा, रमौ रमत नभ रांण
जमौ जमावण जोगडा, तमौ होत कंव तांण

हे भगवान सुरज नारायण नभ मेदाने आपे अविरत रमत्युं मांडी छे,जगत ने जमाडी ने जमनार आप होव त्यां लग अमारे शुं तांण होय हे नाथ आप ने नमन सह मारां नित्य वंदन छे.

[13/7/2019]

नारण केतां नाथजी, भव तारी दे भांण
जाप महीमा जोगडा,जोई अजामिल जांण

हे भगवान सुरज नारायण आपनुं नारायण नाम मात्र जपवा थी आप भव तारी दो छो,आप ना जाप ना नुं मोटुं उदाहरण अजामील छे,जे अंते एकज वार नारायण बोली ने आजीवनना वकरम मांथी छुटी ने तरी गयो..तो जे नित्य परोढे आपनुं नाम जपे एने शुं उपाधी होय, मारां आपने नित्य वंदन छे.

[14/7/2019]

वरणीं सको न वांणीं ये, करमो जेह करंत
अविचळ नाथ अनंत, जागे सूरज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण प्रकास संस्लेसण थी वनस्पति जीवे छे,आप नी सौर उर्जा ना उपयोग थी लाईटुंय थाय आवुं कोंण जांणे केट केटलुं थतुं हशे..अने हजारो वर्ष जुना ईतिहासो मां पण आप अविचळ अने अनंत रुप पुजाया छो..जेने पोताना जीवन ना भरोहा के खबर्युं नथी एवा विज्ञानी आप नी पासे कोई ग्रह पण नथी मोकली सक्या ने आंय बेठा कहे राखे के सुर्य हवे आटला वर्ष जीवशे..पण हे अनंत ना नाथ आप नी लिला कोंण पाम्युं छे? पृथ्वी आपमांथी छुटी पडी एना परथी विज्ञान अनुमान लगावे छे पण केटला वर्ष पेहला आपनो उदभव अने पछी केटला वर्षो पछी पृथ्वी छुटी पडी ए तो हजी विज्ञान ने जांण नथी,अने धरतीवाळां माटे विज्ञान ए जांणकार गणाय छे..आम जांणकार पण न जांणी सके तेवा नाथसने मारां नित्य वंदन छे.

[15/7/2019]

वदुं अविचळ व्हाल सुं, नमो नारायण नाथ
चडिया गुरुवर चरण प्रस, हरसे जोडुं हाथ

हे गुरुजी हुं आप ने अविचळ (जे क्यारेय संसयी थई चलीत न थाय तेवा)व्हाल साथे नमो नारायण वदु छुं..तथा मारा हाथ थी आप ना चरण ने स्पर्श करी पछी हाथ जोडी ने आप ने गुरु पुर्णीमा ने दिवसे प्रभात ना प्रहरे वंदन करुं छुं..

[16/7/2019]

ब्राह्मण साचो बापजी,तुं, भांमण थीयो न भांण
जोवे न डांमण जोगडा,एवा, कामण गर केकांण

हे भगवान सुरज नारायण आप ब्रह्मा ना पुत्र मरीची अने तेना दीकरा कस्यप ना कुंवर छो,एथी ब्रह्मज्ञान आप ने सहज होय माटे आप साचा ब्राह्मण छो.(ब्रह्मज्ञ करंती ईति ब्राह्मणा)..आपे परिभ्रमण करवानी जरुर नथी एथी आप भामण (भ्रमण करनार, भ्रमण करंती ईति भ्रामणा)नथी पण ते छतां जेने कोयदी डामण देवा नी जरुर न पडे तेवा एक नई पण सात सात कामणगारा केकांण (अश्व) ना रथ पर विराजीत छो आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[17/7/2019]

देव मंदिरायं द्वारना,आ, खुल्यांय ताळां खग्ग
ज्यां नभ माथे जोगडा, पडीया सुरज पग्ग

हे भगवान सुरज नारायण आखी रात ना पूजारीये देव मंदीर ना दरवाजे बारथी ताळां मारी देवो ने एमनाज मंदर मां जांणे के बंध करी दीधा हता..पण ज्यां आप ना पगलां आभे पड्या ने आप ना उदय नो अणसार आव्यो के तरत फटोफट ताळां खुल्या ने आरतीयुंय थावा मांडी हे नाथ आप ना उदय नी साथेज जांणे के धरा पर धर्म प्रसरी गयो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[18/7/2019]

सुरज उग्यो ने छुट्टीया, गाळाय गायुं ना
तुने
आशीस आयुं ना,जुग जुग रेज्यो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप नो उदय थयो अने गायु ना गळे थी गाळा छुट्या,पंखी एना माळे बचलां ने आपनी उपस्थिति मां सुरक्षित मानी चणवा उड्या आम जीव हीतारथी सुशासन करनार हे नारायण आप ने जुगो जुग आईयु ना आशिस रेहजो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[19/7/2019]

बानर मुख बिराजीयो,धाताय पुरण धान
जोई पिछांण्यो जोगडा, हर रुपो हनुमान

हे भगवान सुरज नारायण (हनुमान जयंती चैत्र मास अने चैत्र मास मां धाता नाम सुर्य सुर्य मंडळ ना आधीपति होय छे) हनुमानजीये जेवा सुरज नारायण ने गळवा आवता जोया त्यां लोको ओळखे ई पेहला ज्ञानीनामअग्रगण्य ना गुरु अने अंजनी जेना आसरे हती ए धरणी ने धान देनार तेनो पिता सुरज एटले हनु ने नानाबापु पण थाय एणे ज्यां दोहीत्र ने आवतो जोयो पण जांणे रुद्र आवतो होय तेवा रुप वाळो लाग्यो..अने पोते पोतानुं तमाम तेज सीतळ करी महावीर हनु ना मुख मां बिराज्या ते नारायण ने मारां नित्य वंदन छे..

[20/7/2019]

रथ्थ फरे नभ रांण नो, थीर घडी नव थाय
जोतांय घोडा जोगडा,आ, सुंढाळा सरमाय

हे भगवान सुरज नारायण आप नो रथ वण रुक्यो नभ मां जुगो थी संचर्या करे छे,घडीये थोभतो नथी अने जराय न थाके तेवा सतत तरोताजा आप ना अश्वो नां कद जोई ने सुंढाळा हाथी पण सरमाई जाय एवा अश्वारथे आरुढ नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[21/7/2019]

आपे जो अजवाळिया, नाथ भलां नवखंड
जो सत केरो जोगडा, देव धर्यो हथ दंड

हे भगवान सुरज नारायण आपे नवेखंड ने अजवाळ्या छे,अने हाथ मां सत्य रुपी धर्म दंड ने धारण कर्यो छे एवा नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[22/7/2019]

नित जागी नारायणा,जपां तमाणा जाप
जिवन दिधुं तें जोगडा, बिजुं भणुं शुं बाप

हे भगवान सुरज नारायण नित्य जागी ने आप नो जाप जपु छुं..आपे आ जिवन आप्युं छे..अने जिवन मां आवतुं तमाम साकार निराकार आप नी देंण छे..आप ना नाम जप सिवाय हे परमपिता बिजुं शुं कही सकुं.. आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[23/7/2019]

कही सके ना कासबा,रांदल नाथ रथीह
पांणी विंण प्रथीह,जुरवा मांडी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ पृथ्वी आप ने कही न सके पण हे रांदल ना नाथ अने सदैव रथ पर आरुढ रेहनार महा रथी आ प्रथमी जळ विना झुरी रही छे, तरस्या मांणह ने पिवा पांणी देवा ना बदले एना मोढा पर पांणी नुं चाबखुं भरी ने छांटो अने एनी जे मनोस्थिति थाय एवी हाल आखो अहाड कोरो उतरतां मांड छांटणा जेवा वरसाद थी धरती नी ए स्थिति थई छे..ए जुरवा मांडी हे कृपासिंधु कृपा वरहावज्यो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[24/7/2019]

काढी जे कटको दीये,एने,वंदे लाखो वीर

तें

आखीय धर अमीर,जिववा आपी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ना जेवो अमीर दाता बिजो कोंण होई सके..अहीं जे गणतरी ना अमुक विघा जमीन दान करे एने लाखो लोको वंदनायुं सांभळे अने नवड़ दातार वीर कही नवाज्ये राखे छे..पण हे नाथ आपे तो आ आखी पृथ्वी पोताना अंगमांथी कटको करी ने जीवो ने जिववा माटे आपी दिधी छे आप थी मोटो दाता कोंण होई सके? आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[25/7/2019]

विंण विणा नव वागतो, त्रिक्रम छुट्टो तार

जोडाय तुंथी जोगडा,पछी, पोगे सुरता पार

हे भगवान सुरज नारायण आप थी आ धरती अने एना कारणे जीवसृस्टी छे ए आपनुं उत्तती कर्म,संस्लेषण थी वनस्पति तथा वनस्पति थी जीवो तथा ए जीवो ने आधारे अमुक पलभक्षी जीवो एम तमाम नुं पोषण करनार तरीके नुं आपनुं कर्म,तथा समय आप ने आधीन छे..एम दरेक नुं समयांतरे परिवर्तन करवुं जेमके सरिर नुं राख अने हवा मां..ई राख नुं माटी मां अने माटी नो कस बनी वनस्पति अने फरी पाछुं जीवन एम चक्र वृत परिवर्तन कर्म (संहार ने बदले परिवर्तन शब्द मने वधु योग्य लाग्यो) प्रागट्य पोषण अने परिवर्तन एम त्रण कर्म करनार त्रिकर्म जेम विंणानो तार छुट्टो पड्यो होय त्यारे वागतो नथी पण विणा साथे जोडाया पछी मधुर संगीत रेले एम अम आतम आप नी भगती विण छुट्टा तार जेवो छे ए आप थी जोडाय पछी तो मात्र सुर नई पण सुरता पार पोगाडे छे नाथ अमने कायम आप सुं जोडेल राखज्यो आपने मारां नित्य वंदन छे.

[26/7/2019]

आभापत ओवारणा,व्रण चारण ले वीर
जमण दिधां ते जोगडा, खाविंद चोखा खीर

हे भगवान सुरज नारायण आभ ना धणी एटले आभ मां जेनुं एक हथुं साम्राज्य चाले छे एवा नारायण अमे चारणो तारा ओवारणा लईये छीये तें अमने धरती पर दुध (खीर=क्षीर=दुध) ने चोखा (दुध चोखा नो अर्थ चारणो माटे प्रिय भांणुं) जमवा दीधा छे एवा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[27/7/2019]

उगोय कायम आभ मां,तमे, राह बतावा रांण
जाय झोले त्यां जोगडा, भटके मांणह भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप रोजे रोज आभ मां उदय थई मनुस्य ने रोज रस्तो देखाडो छो..अने आप जांणो छो के आप ना अस्त थया ना थोडो समय आ मांणह जात ई रस्ते चालसे अने पाछी भटकी जसे..माटे वारंवार उगी ने एने राह बतावो छो,जेम चारणो मां देवियुं वारमवार जन्मि सत ना केडा चिंधे..ई थोडीवार हाले पाछो भटकीजाय फरी पाछो एकाद आई आंटो खाय..एम आपनो पण एज क्रम छे..सत ना राह दर्षी नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[28/7/2019]

ओखध एज उगारणी, जद,प्रांण करे परीयांण
जाप सगत्तीय जोगडा, भज स्वयंभुव भांण

हे भगवान सुरज नारायण जेदी प्रांण परीयांण करे तेदी उगरवानी औषधि अत्यारथीज करवी रही अने ई छे सगतीयुं एटले जगदंबाओ ना जाप अने स्वयंभु (शंभु शब्द स्वयंभु नो अपभ्रंस होई..शिव माटे शंभु..स्वयंभु) अने भांण नुं भजन करवुं..जोके भांण पण पोते स्वयंभु..अने वेद पण कहे छे शिव सुर्य अने सुर्य शिव छे..माटे हे शिव स्वरुप स्वयंभु नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[29/7/2019]

आखुं तें उपजावियुं,एथी, रुप ब्रह्मा तुं रांण
जग्ग रचेता जोगडा,तुने, भावे वंदन भांण

हे भगवान सुरज नारायण कास्यप ना दीकरा तरीके तो आप अदिति नी तपस्या थी प्रसन्न थई अंश अवतार धरेल पण आभे तो आप हताज अने पृथ्वी आपमांथी छुटी पडी छे एथी कस्यप आपनी पेहला नथी एतो सत्य छे..आप नी उत्पत्ती तो एक रहस्यज छे.अने आ पृथ्वी आपमांथी छुटी पडी तेमां जीवो जनम्या ई बधाना रचयता आप छो एटले खरा अर्थे ब्रह्मा नुं रुप तो आप थीया..तेथी हे ब्रह्मरुप नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[30/7/2019]

गळीयुं अंधारे गगन,आखुंय एकाकार
हवे
ऐकज तुं आधार,जीव जगत नो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ज्यारे अस्ताचल नी ओथे जाव छो अने धरातल पर रात्री ना अंधकार नुं साम्राज्य जामे छे अने अमे आभ मां नजर करीये त्यारे खबर पडे के आहाह आखुं ब्रह्मांड अंधकार नी ओथ मां छे..दुर दुर थोडा तारलीया टमकता होय छे अने एमनी पण चोमेर अनंत अंधकार छवाई ने एकाकार होय छे...त्यारे प्रतीति थाय के हे नाथ आ जीव जगत ने अजवाळ नार एक मात्र आधार आप छो..आप नी युगातीत तेजस्वीता ने मारां नित्य वंदन छे.

[31/7/2019]

आखर नाथ अहाडनी,राखीय लाजुं रांण
जोई ठर्युं घट जोगडा,भाव तमांणो भांण

हे भगवान सुरज नारायण युगो थी असाढ महीनो वरसाद नो महीनो केहवाय छे पण आ वखते ई कोरो रहीजात पण आखरे एनी आबरु ना रखेवाळ थई आपे धोधमार वरसाद वरसावी असाड नी लाज राखी एम सौ नी राखज्यो मारां आपने नित्य वंदन छे.

[1/8/2019]

मान्या नइ इय मानशे, वेली क मोडी वात
जिवतर जेवी जात,ज्योत लिंगा सुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ज्योत स्वरुप आभ मां अडग स्थपायेल ज्योत लिंग स्वरुप शिव छो अने जिव मात्र आप थकी छे,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[2/8/2019]

नई सुवारथ नाम नो,बस,हैये जगनुं हीत
परम सुरज नी प्रीत,जळहळ थाती जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ने आप ना नामनी किर्ति फेलाववा माटे अजवाळुं आपवुं पडे छे एवुं नथी पण आप ने हैये तो जगत नुं हीत केम करवुं एज सदभाव छे तेवा हे नाथ आप नी जिव जगत परनी अनन्य अने परम प्रीती ने मारां नित्य वंदन छे.

[3/8/2019]

दिनकर दसमा द्वारमां,धर्म धर लगवुं ध्यान
त्यारे गहन पुरांणु ग्यान, जागेय पाछुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण धर्म ने धारण करनार नाथ ज्यारे ब्रह्म रंध्र मां अमो आपना नाम नई पण दर्शन ने आधारे ध्यान लगावीये छीये त्यारे आप पुरातन व्यतित करायेल वर्षो पेहलाना प्रसंगोनी यादीयुं आपी आ खोळीया थी पर नुं घणुं परखावो छो आपनी अनन्य कृपा सदैव रहो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[4/8/2019]

लियो घणेरा लावथी,जेम, सुरज थई संभाळ
एम
जनम फेराय जोगडा,हवे, त्रिलोचण दे टाळ

हे भगवान सुरज नारायण रुप शिव शंभु (शंभु कस्यप नो पुत्र, हरीवंश पुराण अने अग्निपुराण प्रमांणे)तमे जेम लहाव लई ने सृस्टी नी संभाळ ल्यो छो तेवाज हेते हे शिव नारायण अमारा जन्म ना फेरा पण टाळज्यो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[5/8/2019]

सुमिरन मंगल सौरको,क्रित मंगल दन काज
जन मंगल हीत जोगडा, औ मंगल नभ आज

हे भगवान सुरज नारायण आजे मंगळ वार ने दिवसे हुं आपनुं स्मरण करी ने सर्व नुं मंगळ कार्य करनार नारायण ने नमन करुं छुं, जेना थकी जगत आखुं मंगलमय छे तेवा मांगल्य ना स्वामी सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे
भगवान सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[6/8/2019]

कविजन तोळी कोडथी, गाय युगो थी गाथ
जग अजवाळण जोगडा,नित नित आवे नाथ

हे भगवान सुरज नारायण आप युगो थी जगत ने अजवाळो छो अने कवियो युगो थी आप नी यस गाथा गाय छे आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7/8/2019]

कवियो पण जेना करे, वित वण लाख वखांण
एवो,
भाळ्यो एकज भांण,आखा,जग नो राजा जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण भर कचेरी मां जेना वखांण कवियो कोई पण वळतर नी आशा वगर सतत खमा बापलीयो कही ने करता होय तेवो हे जगत ने पोषित करनार आखा जगत ना राजा नारायण.आपने मारां नित्य वंदन छे

[8/8/2019]

अधडुका जई आभमां,आप उभेला एम
कोंण जांणे के केम,जननी राहे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप आभ मां जई ने वगर टेके अधडुका उभा छो..जांणे के राह जोई रह्या होय के हमणां मां आवे ने पकडी लीये अने ..बेटा हमणां पडीजात ..कही ने मजबुत पकड करी पोतानी पासे खेंचीले..ई राहे उभा होय एवा भासता मातृ यादी मां मग्न नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[9/8/2019]

दशम नमन पुरवा दशम,द्रशम नाथ क्रित दन्न
जशम गान व्रद जोगडा, प्रशम रहो पर शन्न

हे भगवान सुरज नारायण प्रभात ने प्रहरे पुर्व दिशा ये प्रगट थनार आप ने आजे दशम तिथी ये आपना दर्शन करी आपनुं जशगान करुं छुं हे नाथ आप सदैव प्रशन्न रेहजो आपने मारां नित्य वंदन छे.

[10/8/2019]

उगत नई जो आप तो,नरी, रातुंज रेती रांण
भलुंय थाज्यो भांण,के,जग उजीळ्युं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप नो उदय न थयो होत तो घोर अंधकार छवायेल रातडीयुंज रही जात..पण आप नुं भलुं थज्यो के आपे उदय पामी जगत अजवाळ्युं आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[11/8/2019]

आभ धणीं बस आपनी, आलम करती आस
रांण तारा वण रास, जगत न आवे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ आखी आलम ने एक मात्र आपनी अभीप्सा छे आप विना आ जगत रास आवीज न सके आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[12/8/2019]

उडेय धरणीं आभमा,एनुं, मिहिर तमे छो मूळ
कस्यप वाळुय कूळ,तमे, जग्ग उतार्युं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जेम चंद्र आभ मां उडतो देखाय छे एम आ धरती पण आभ मां ज उडी रही छे..आतो अमे एना पर सवार छीये एटले आभ अने धरती अलग कहीये छीये पण आखरेतो आ पण आभ मां छे..अने ई आप ना फरती फरी रही छे..तेनुं केन्द्रबिन्दु अने मुळ बंन्ने आप छो..अमे सौ कस्यप नंदन कही आपनी वंदना करीये छीये पण खरेखर तो कस्यप ना जन्म पेहलाय आप तो आज रीते व्योमे दिप्तमान हता अने कस्यपज नही तेमना पिता मरीची ने शिवे बाळी ने भष्म कर्या ते पण आपे जोयेल कस्ुयप ना जन्म पेहला कस्यप नी माता कला पण पोताना भाई कपिल ऋषी साथे आपनी उपासना करतां आम आप कस्यप नंदन नही पण कस्यप आखुं कुळ आपे उतार्युं अने उजाळ्युं छे,सर्व जगत ना पिता एवा निकुळ नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[13/8/2019]

आलम आखी ओळखे,एकेय नईज अजांण
भगे अंधारा भांण, ज्योतिश सुरज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप सर्व ज्योति श्रेष्ठ एवा ईश्वर अर्थात ज्योति ईश छो.आप विना अंधारा ना ओळा हटे तेम नथी,तथा आ आखी आलम मां आप ने न ओळखे एवुं कोय नथी..आसुरी लक्ष्मी नुं वाहन पण भले आपने जोई नथी सकतुं पण आप ना अस्त पछी ते चारो चरवा निकळे छे एटले ए पण आपना अस्त राह जोवा माटे आपने ओळखे छे ई निशंक छे..आम जेना सामर्थ्य थी समग्र सृस्टी (तमाम धर्म)परिचित छे कोई धर्म जेनो विरोध न करी सके तेवा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे..

[14/8/2019]

कात्यायनीये कोडथी, राखीय बांधी रांण
जोम तिरंगे जोगडा,भळक्यो सावज भांण

हे भगवान सुरज नारायण आपना बहेन छठ देवि तरीके जेनी लोको पुजा करे छे छठ नुं व्रत करे छे ई छठ एटले सष्ठी देवी अर्थात कात्यायनी ने हाथे राखडी बंधावी आप निकळ्या पण केवा..आभे केसरी कीरणो धरती पर श्रावण नी हरीयाळी नो लीलो रंग चमक्यो ने वच्चे स्वेत क्षीतिज पर अशोक चक्रनी जेम आप जळहळी जांणे प्रकृति रुप तिरंगो लेहरावी रह्या छो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[15/8/2019]

नाव्युं तुजमां नाथजी,एक, अंश जेतु अभिमान
जाव आजे नई जोगडा,एवुं, माग्युं न कोदण मान

हे भगवान सुरज नारायण आप विना अम जिव सृस्टी ने अजवाळे एवुं कोय नथी वळी ज्ञान अने गुण नो सागर लोको हनुमान ने कहे पण तमे तो एनाय गुरु छो..एटले ज्ञान भक्ति नो अंदाज तो सौ ने खरोज..आटलुं ज्ञान ने तेज होवा छतां रोज समये हाजर..कोयदी एम न कह्युं के आ शुं रोज वगर बोलाव्ये जावुं..एकाद दी एम कहीये के आजे नई अवाय...अने मान माग्युं होय एवो कोय दाखलो नथी एवा ज्ञान अने तेज ने पचावी सकनार महासमर्थ नाथ ने मारां नित्य वंदन छे.

[16/8/2019]

आपल छे जे आपनुं,एनुं, दिनकर भरवा दांण
जश किरत्त गीत जोगडा, भावे चडवां भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप तो शामवेद ना दाता छो..अने शाम संगीत ताल लय नो वेद छे..छंद पण लय बद्धता ने आधीन छे एटले ए रीते काव्य ना दाता पण आपज गणाव अने आपे आपेल अढळक काव्यधोध मांथी नित्य सवारे आपनु गीत के छंद रची ने ई आपे आपेल संपदा नो कर (दांण)रुप अमो आपनी यश किर्ति ना गान करीये छीये जे आप हेते स्विकारज्यो...अने अनहद हेत वरहावज्यो...

[17/8/2019]

आवीन सुरज आभमां, तें करीयो मुछ ताव
ग्यां छेटां लख गाव,जुवो अंधारा जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण तें जेवो आभ मां आवी खोखारो खाई ने मुछे ताव दीधो त्यांतो अंधारा लाखो गाउ छेटा भाग्या..लड्यारे वीनाना लशकर भाग्या...आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[18/8/2019]

भांण लई ने भांमणा,जळ दे आखुं जग्ग
ऐथी साव अलग्ग, ज्वारे चारण जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जगत आपने जळ चडावे अने भामणां लई भजे छे,पण हे नाथ आ चडीयो चारण तारी आराधना मां नित्य नवो दोहो चडावी अलग रीते जुहारे छे एने ध्याने लई सेवा स्विकारज्यो आपने मारां नित्य वंदन छे.

[19/8/2019]

एक हथुं छे आभमां,सासन तमणुं सूर
जाजर मान जरूर,जिवन आखुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ आखा आभ मां आपनुं एक हथुं सासन चाली रह्युं छे..छतां जन हीत कारण नित्य समयसर उदीत थई पोतानी फरज न चुकनार एक जाजरमान जिवन धरावता नाथ आपने मारां नित्य वंदन छे.

[20/8/2019]

आभ धरा उजळां करे, भड़ तुं एकज भांण
जाय न आरित जोगडा,रात कुनेथिय रांण

हे भगवान सुरज नारायण आखुं आभ अने धरती अजवाळी सके एवा महाभड तो एक आपज छो..अने आप विना आम छानीमानी रात्युं ने भगाडत कोंण? कोनी बिके ए भागत? आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[21/8/2019]

नातो तमसुं नेहनो, वातो रातो वांण
जातो न कर्य जोगडा,भातो आतो भांण

चडीया जेम चणोंठडी,एवुंय दिपवे आभ
लाख रंगो ना लाभ, जो ल्ये सुरज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आपथी नेह नो नातो छे,आप नित्य रातुं चणोठडी जेवुं वांणलुं वाई अनेक रंगो ना चित्र आभे वादळो वच्चे तैयार करो छो,ए जोया विना जतां कर्या जेवा नथी होता हे नारायण ए अमने खुब प्रितिकर लागे छे आपने मारां नित्य वंदन छे.

[22/8/2019]

गदापद्म धर गगनथी, आशिस वरहो आप
जनम धरे धर जोगडा, बंको जगनो बाप

हे भगवान सुरज नारायण गदाअने पद्म धारण करनार आप गगन थी आशिस वर्षावो छो ज्यारे जगत नो नाथ कृष्ण जन्म धारण करे छे..ए अष्टमी नां नमन सह मारां आपने नित्य वंदन छे.

[23/8/2019]

दन दमाद दुय जन्म दन,प्रगट हुलासत पूर
चडीया चमकत चंद्र मे, स्याम नाम सद सूर

हे भगवान सुरज नारायण आजे सनिवार एटले के आपना एक जमाई हनुमान नो दिवस अने जन्माष्टमी एटले बिजा जमाई कृष्ण नो जन्मदिन एम ससुर तरीके बमणो उल्लास ई के जे चंद्र आपना तेज थी तेजस्वीता प्राप्त करे छे ई चंद्र ना कुळ मां चंद्रवंश मां स्याम नामे कृष्ण एक सुर्य सम तेजस्वी प्रगट थई गीता मां विभूतीयोग मा घोषणा पण करी के सुर्य छे ते हुं छुं..एम आज आप ने केन्द्र वर्ती राखी महात्म्य विसिस्ट पळे आपने मारां नित्य वंदन छे.

[24/8/2019]

पालणहारो पारणे, नेह पोढाड्यो नंद
ज्वारी वंदु जोगडा, स्याम सुरज आ छंद

हे भगवान सुरज नारायण आप अने भगवान स्याम सुंदर ने आ छंद थी वंदना करवा साथे हुं नंद बावा ने पण हजारो वंदन करुं छुं के जेणे जगत ना पालण हार ने पारणे पोढाड्या नो ल्हाव लिधो..ई प्रसंग ने नित्य नजरे निहाळनार सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[25/8/2019]

व्रिज वाहन विज वाहना, पुनी पुनि प्रक्ट प्रमांण
ज्यो चकोर चन जोगडा, भगत चाह घट भांण

हे भगवान सुरज नारायण कृष्ण स्वरुपे व्रज मां वास करनार तथा विजळी ने पण पोतानुं वाहन करनार अने पुन्य प्रतापे नित नित प्रकट थनार नारायण जेम चकोर ने मन चंद्र निहाळवा प्रत्ये प्रिति होय छे तेविज भक्तो ना घट मां आप प्रत्ये होय छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[26/8/2019]

ओछु जरी न आंकीयें, सूरज सता नुं सत्त
जे ने संसय जोगडा,ई, मादेव नो ले मत्त

हे भगवान सुरज नारायण आपनी सत्ता नुं सत जरीये ओछुं आंकी सकाय तेम नथी..जेने संसय होय ते महादेव नो मत लिये तो महादेव पण आपना सत्व अने सत्ता ना गुंणानुरागी दर्सासे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[27/8/2019]

आपे ब्रह्म उपावियो,नांभ कमल नभ नाथ
जग आतम नित जोगडा, हरिवर जोडुं हाथ

हे भगवान सुरज नारायण जे जिव सृस्टी छे पृथ्वी पर ए पृथ्वीज ज्यां आप मांथी उत्पन्न छे..तथा आप ना बार नामो मां एक विष्णु नाम पण छे..आपज नांभी कमळ थी ब्रह्म ना सर्जक अने वेदो आपने जगत नो आत्मा कहे छे एवा हे जगत नी सर्व आत्मा नी संवेदना ने समजी सकनार हे नाथ आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[28/8/2019]

तम्म हर्यां दै तेज तें, मन्न दिधां मजबूत
जिवतर आप्युं जोगडा, रांण खरो रजपूत

हे भगवान सुरज नारायण आपे अंधकार हर्या अने तेजस्वीता आपी आखुं जिवन बस आपताज रह्या कोई अपेक्षाज न राखी.. कदाच आप एटलेज ब्रह्म कुळ मां जनम्या छतां क्षात्र केहवाया हशो आप ने मारां नित्य नंदन छे.

[29/8/2019]

कोंणे पाड्युं काश्यपा,आ, मोहक नाम मढेल
जेह उचारी जोगडा,ओल्यो, अजमेळो उगरेल

हे भगवान सुरज नारायण आवुं सुंदर प्रतापी शब्दो थी मढेल आपनुं नाम कोंणे पाड्युं हशे..कोना नाम परथी विचारी ने पाड्युं हशे के जे नाम मांज एटलो प्रभाव छे के ई एक वखत बोले तो अजामील जेवा असुर नो पण उद्घार थई जाय..हे नाथ अमो ए कायम जपीये छीये अमारां आपने नित्य वंदन छे.

[30/8/2019]

रांण धिंगा बे रोटला,अने,दुध त्रांहळीये देव
सूर सिरावी सेव, जो नभ आव्या जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप आखो दीवस आभ मां वण जम्ये घोडला खेलवता होव छो..कदाच रनांदे ना हाथ ना बे धिंगा रोटला त्रांहळी भरी दुध ने सेवलां सिरावी ने कदाच आप आभे रमवा निकळो छो जेथी सांज सुधी अमी रहे..आपने अने आई रांदल संज्ञा ने मारां नित्य वंदन छे.

[31/8/2019]

सूरज जेवी सायबी,आ, भों पर क्यां भाळा
एने
ज्योत मोलाते जोगडा, आल्यम अजवाळा

हे भगवान सुरज नारायण आप ना जेवी सायबी आखी धरती पर कोय नी पासे नथी..आप ने मोलात्युं माथे आप दिवडा नी ज्योत चालु करो त्यां तो अमारे त्यां अजवाळा पुगे अने अमे आखी आलम एने सवार गणी दिवस कहीये छीये..ब्रह्मा नो एक दिवस हजारो वर्ष नो होय तो आप नो पण दिवस कांई अमारा जेवडो नानो थोडो होय..पण आतो आपनी ज्योत ना प्रकास ने अमो दिवस गणी लई आपने वंदता रहीये छीये..आप ने मारां नित्य वंदन छे...

[1/9/2019]

सुरजाउत ना सौर्य ने, गणपत जेवा गाय
शास्तर एज सुहाय, जय नामे धर जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप तो आप छो..पण आपना पुत्र कर्ण ना सौर्य ने पण जो गणपति जेवा वखांण करी ने जय नामना ग्रंथ मां गाता होय तो आप ना पोताना सौर्य नी तो शुं वात करवी?
हे नारायण आपने तथा गणपति महाराज ने मारां नित्य वंदन छे.

[2/9/2019]

वेरे धर पर वाल, खग थी खांडा ना धणी
कफरा कापे काल,ज्योतु बाळीन जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप व्योम थी धरती पर वालप वरहावी रह्या छो..हाथ मां किरण्युं रुपी किरपांण ने धारण करनार नाथ आप अंधकार ना कफरा काळ ने कापती ज्योतुं बाळो छो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[3/9/2019]

बार बार बिनती ब्रिहद,बार बिज स्रुत बार
जाग करत पद जोगडा,बार नमन लख बार

हे भगवान सुर्य नारायण विष्णुं पुराण मां प्रजापालक ना पुछवा पर महातपा महर्षि जे रीते आपनुं अदभुत वर्णन करे छे..तेवा हे ब्रिहद.. दिवस रात संध्या उषा सर्व समये पाप ना प्रजालक हुं वारमवार आप ने विनवुं छुं आप बिज थी बार छो आप सुर के पछी बे सुर नी वच्चे रहेल श्रुती थी पण न वर्णाई सको तेवा श्रुती थी पण भिन्न छो अने एवा हे बारेय आदित्य हुं चडीयो चारण नित्य जागी ने आपना श्री चरणो मां नमन करुं छुं आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[4/9/2019]

आयल मोटी आभथी,गाता चारण गांण
ज्योत दीवो थई जोगडा,रोज प्रगट्टे रांण

हे भगवान सुरज नारायण जे महाशक्ति छे के जेणे ब्रह्मा नुं पण निर्माण कर्युं ई अद्वैत सामर्थ्यवान शक्ति के जेना चारणो पण गुंणगान करे छे..ते आयल ना आभ रुपी आळीये आप रोज दिवो थई ने प्रगटो छो आप नी ज्योत मां जगदंबा ना आशिस दर्शन सह आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[5/9/2019]

वण तेले विशवंभरा, बळती रोज ब्रमंड
आदीत नाथ अखंड, जोई मशाल्युं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण वगर तेले ब्रह्मांड मां आ आप नी ज्योत रुपी मशालुं जळी रही छे..अने जगत ने अजवाळी रही छे..एवा स्वयं प्रज्वलित ज्योतिस्वरुपा जगत पोषक नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[6/9/2019]

अकळ कळायुं आभनी, समजी ना समजाय
बस दूर रही दरसाय,जळ हळ सूरज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण अवकाशी रहस्यो एवां अकळ छे के एने कळी न सकाय, समजी न सकाय..अनुमानो ने आधारे मुलवाता जता होय...हे नथा आप ने पण जगत दुर रही जळहळता निहाळी रह्युं छे..हे सर्व रहस्यो ना स्वामी मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7/9/2019]

कास्यप सौ ने जो करे,आ, भावा वेश भ्रमीत
चडीया चित्त चलीत, जरी न थाज्यो जोगडा

हे भगवान सुर्य नारायण आ दुनिया मां सौ ने भावा वेश भ्रमित करे छे अने निर्णयो लेवा मां भुल करावे छे..क्रोध के ईर्षा मां लिधेल निर्णयो खोटा होय छे एज रीते प्रेम लागणी के प्रभाव मां आवि जई लिधेल निर्णयो पण खोटाज होय छे..तेथी हे नारायण संपुर्ण तटस्थता पुर्वक सार असार नो भेद जांणीनेज हुं मारा निर्णय अने वांणी हेतु शब्द चयन करी सकुं..कोई पण भावा वेशो मां मारुं चित चलीत न थाय तेवि स्थीर अने स्थायी प्रज्ञा मने प्रदान करो हे नाथ मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[8/9/2019]

हुं चारण बउं हेत थी,नाथ नमुं नकळंग
ज्वारी शबदो जोगडा, रांण दियुं लख रंग

हे भगवान सुरज नारायण..निस्कलंक एवा परमेश्वर हुं आप ने खुब हेते थी नमन करू छुं तथा शब्दो जुहारी ने आप ने लाखो रंग दउं छुं के हे अंधकार ना कापणहार तुने लाखो रंग छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[9/9/2019]

विवस्वान वरहावीयो,भादर पद भर पूर
जलतृप्ति सह जोगडा,नुतन भयुं धर नूर

हे भगवान विवस्वान सुरज नारायण बार महीना मां बारेय सुर्य मा ॉ भाद्रपद मां आप नुं शासन होय छे..असाड मां मोडा पडेल वरसाद ने कारणे थयेली प्रार्थनाओ ने आपे भाद्रपद मां सत्ता संभाळतां वेंत काने धरी ने फरी वरसाद नी वहालप भरी झडीयुं वरहावी धरती ने तृप्त करी नवा नूर प्रगटाव्या छे आपने मारां नित्य वंदन छे.

[10/9/2019]

केवो हतो इ कस्यपा, शीव सत्ती संसार
दक्ष तणे दरबार, जेह रोळायल जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप तो अनादी काळ थी दैदिप्यमान छो..आपे भगवान शिव अने सती नो संसार पण जोयो हशे,हे नाथ.. अमारा बाप शिव अने मां सती नो संसार..जे दक्ष द्वारे रोळायो..ई पेहला ई केवो आनंद दायक हशे के जगदंबा सती ना अनिच्छनिय समाचार मळतांज शीव शिव स्वरुप (कल्याण) मुकी समग्र धरातल नो ध्वंस करे तेवा रौद्र थया..केवि अनन्य प्रिति रहेल हशे.. हे नाथ अमने ए आपे जोयेल संसार विसे जणावज्यो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[11/9/2019]

नभ बेठेला नाथ थी, दरद हरख सब दूर
जितय बेठो जोगडा, षड् रीपु नेय सूर

हे भगवान सुरज नारायण आप आभ मां आसन जमावी बेठा छो..अने एटला स्थितप्रज्ञ थया छो के आप ने हवे दर्द के हर्ष जेवा कोय भावो पोताना प्रवाह मां लई सके तेम नथी आपे छ ये रिपु काम क्रोध लोभ मोह मद मत्सर वगेरे पर विजय मेळवेल छे एवा स्थिर चीत योगी आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[12/9/2019]

हैये मां पण तुं हरी, नाड्ये नाड्ये नाथ
जो हुंय भेळो जोगडा,एम, सुरज आपे साथ

हे भगवान सुरज नारायण आप हैये तो बंराजेलज छो..तथा सवारे जागुं एटले तमने याद करुं छुं एवुं नथी..जागुं छुं त्यारे तमारुं समरण चालुंज होय छे..एटले कदाच जाग्या नी अवस्था पेहला ए सरु थई जतुं हशे के आखी रात चाल्युं होय छे ई मने खबर नथी पण जागुं त्यारे आपनुं स्मरण चालुं होय छे ए हुं जोउं छुं..चित्त नो कोई अज्ञात हिस्सो आप मय होय छे..एटले हवे आप नाडे नाड मां व्याप्त छो ई कही सकाय..अने चेहरा उपर मधुर स्मित रेलावी रहेल आप पण क्यां दुर छो..ले चडीया हुंय साथेज छुं केहताक ने आप पण रोज परोढे सौम्य सरुपा दर्शन आपोज छो ने..आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[13/9/2019]

आदित ने अजवाळवा,भोम धरम नइ भेट
खोटा खरा ना खेद,जोया न एमां जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप तो सर्वत्र अजवाळा पाथरो छो..आ भारत नी भुमि छे अहीं वधु अजवाळुं अने पाकीस्तान ने ओछुं आपीये एवो कोई भुमि भेद के हिंन्दु ने वधु ने बिजा ने ओछुं एवो कोई धर्म भेद पण नथी राखता..के साचा ने वधु ने खोटा ने नई एवो कोय खेद पण नथी एवा हे सर्वत्र समद्रस्टी राखनार समद्रस्टा नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[14/9/2019]

प्रोढ समे परमेहरा, जिहवा जाप जपंत
जापे जापे जोगडा, क्रम रा बंध कपंत

हे भगवान सुरज नारायण हुं परोढ ना समये जिभ थी आप ना जाप जपी जिह्वा पवित्र करुं छुं अने जेम जेम जाप जपाता जाय छे तेम तेम आप अमारा कर्म बंधन ना दोरडा कापता जाव छो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[15/9/2019]

काळांय अंधारा कळी, भगव्यां आवी भांण
तें अजवाळा नी आंण, जग व्रतावी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण कळीकाळ जेवा काळां अंधारा तें आवी ने भगाव्या अने आखा जगत मां अजवास नी उजळी आंण वरतावी आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[16/9/2019]

ऐक सनातन आप छो,आ, भव पेलाना भांण
जोगण बोले जोगडा,पछी, रज्ज हले ना रांण

हे भगवान सुरज नारायण आप आ जीव सृस्टी अने बधा धर्मो नी उत्पत्ती नी पेहलाथी सनातन रह्या छो,अने हे क्षात्र सिरोमणी आप चारणो नो केटलो आदर करो छो के अमारां जगदंबा ओवारणा लई ने बोले के हवे हुं न कहुं त्यां सुधी उगजे नई..अने आप क्षात्रधर्म नुं पालन करवा चारण नुं वेंण न उथाववा युगो थी चाली आवती समये उगवानी परंपरा छतां एक रज जेटलुं आगळ हाली वेंण ओळंगता नथी एवा हे धर्म ना पालणहार मारां आपने नित्य वंदन छे.

[17/9/2019]

अनहद आपी ऊर मां, निरमळतायुं नाथ
समरण साथो साथ,जिभे चडाव्युं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण अमारा उर ने आपे अनंत शांति सह निर्मळ निर्मिलनता प्रदान करी छे, सुरता सतत हर नाम मां लागी रहे छे उपरांत जिभे आपे नाम समरण पण चडाव्युं छे जे एनी रीते अहोनीश अजपा जाप जप्ये जाय छे..हे करुणा सागर आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[18/9/2019]

सारण हुं सदभागीयो,तने, नित नियाळुं नाथ
वळी हरखी सूरज हाथ, जोडीन वंदुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप प्रत्यक्ष देव छो..छतां जेनी आंखे माया ना पडदा पड्या छे ई आप ने मात्र ग्रह तरीके जुवे छे अने सुरज उग्यो एटले पोतपोता ना कामे वळगवुं एटलुं जांणे छे..परमेश्वर स्वरुप ने तो भक्ति थी भिंजवी जेंणे पांपणो पवित्र करी छे एज जोई सके छे अने वंदना करी सके छे..हे नाथ आप रोज दर्शन आपी अमारा दिवस रात ना कर्मो कापो छो आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[19/9/2019]

कइ काढ्या कइ काढस्यो, कासप वरह करोड
हयग्रीव तारी होड, जगमें थशे न जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आपे करोडो वर्ष जीवन ना विताव्या छे..ने हजी करोडो वरह वितावस्यो पण हे नाथ आप नी हरीफाई करी सके एनो कोई आव्यो नथी के आवशे नई एवा हे आभ ना एकचक्री शाशक नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[20/9/2019]

रांण तमुं पर राखीये,अमुं, अनहद प्रिति ऊर
जे नित बाढत जोगडा, समजण हारा सूर

हे भगवान सुरज नारायण अमो आपना पर अत्यंत प्रिति राखीये छीये अने हे अमारी लागणीयो ने समजनार सुरज नारायण ए प्रिति सिथिल नथी पण रोज रोज वृद्धि पामती जाय छे.मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[21/9/2019]

आदित है सब आपका, मन भी रहा न मोर
जपत कहेबिन जोगडा, भांण उदित जद भोर

हे भगवान सुरज नारायण आ धरती हवा जळ बधुं आपनुं छे..आ खोळीयुं पण आ धरती नुं होई ए पण आपनुं छे..अने हवे तो भोर समय जागुं त्यारे मन पण वगर कह्ये आपना जप जपतुं होय छे अर्थात ए पण आपनुं थयुं छे..हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[22/9/2019]

नारायण तुज नामना, हुं, जपुं निरंतर जाप
जे कन धारो जोगडा, अजमिळ तारण आप

हे भगवान सुरज नारायण हुं आप ना नामना नित्य जाप जपु छुं..अने हे नाथ अजामीले एकवार नाम रट्युं तोय हे तेनो उद्धार करनार नाथ अमारी आरदायुं काने धरज्यो आपने मारां नित्य वंदन छे.

[23/9/2019]

सुंदर हाथ सिरामणीं,तमे, लई लाखेंणो लाव
जळको आभे जोगडा, भांण रखी सद भाव

हे भगवान सुरज नारायण आप नित्य भगवती रनांदे ना सुंदर हाथ नी सीरामणीं करी ने आभे पधारो छो एथी आप ना तेज मां ई जोगमाया ना हाथना रोटला नुं तेज पण सामील होय छे एटले सदभाव थी भरेलां तेज ना फोरां धरती पर वरहे छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[24/9/2019]

लेश न कोई लालसा, किरत तणां नइ कोड
जनक फरज नी जोगडा, दिनकर दोडा दोड

हे भगवान सुरज नारायण आप नित्य उदय अने अस्त नी दोडा दोडी करो छो एमां आपने न तो कोई लालसा छे के ना किर्ति कमावा ना कोड छे, पण हे नाथ आप आप आ जगत ना बाप छो अने परिवार नुं पालन करवुं ए बाप नी फरज होवा ना कारणे ए निभाववा माटे आप नित्य दोडादोड करी पुर्ण निष्ठा थी ए फरज निभावी रह्या छो एवा हे जगत ना जणनार अने जांणनार आपने मारां नित्य वंदन छे.

[25/9/2019]

ग्रहो गाता गीतडां,तारी, डेलीये वाळी डोढ
जुग जूनो सूर जोगडा, गगन वाळोय गोढ

हे भगवान सुरज नारायण तमारा जुग जुना गोढ आभ नी डेलीये बधाय ग्रहो पण दरबारी चारण नी जेम डोढ्य वळी ने बेठा होय अने रुडे रागे दोहा छंद ने गीतो ललकारता होय तेवुं लागे छे..आम आखा आभा मंडळ नी डेली ने दिपावनार हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[26/9/2019]

अदभुत आळेखण करे, रोज नवुं तुं रांण

जग संमोहक जोगडा, भोर उगंतो भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप ना उदय समये वातारण अदभुत अने नित्य नवुं आळेखण आप करो छो अने ए आप नो उदय समग्र जगत नुं ध्यान खेंचे छे अने विश्व आखुं आपना उदय ना प्रभाव ने नकारी नथी सकतुं जांणे जगत संमोहनी करी होय तेवा प्रतिभावंत नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[27/9/2019]

थीराय जद आखी थई, चहु दिश राती चोळ

त्यारे

जळ रेडी थळ जोगडा, तें करीयां तरबोळ

हे भगवान सुरज नारायण उनाळे आ आखी धरती चारेय दिशा मां धगधगी ने राती चोळ थई हती पण पछी आपे करुणा करी अने जळ छंटकाव एवो कर्यो के हवे ए जळ थळ एकाकार थई ने तरबोळ थई छे,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[28/9/2019]

केवो नभ ना कोडीये, रचीयो दिपक रांण
जग सरज्युं मां जोगडा, पडवो इ परमांण

कासब नो दिवडो करी, ग्रह सब गाये गीत
जोगण गरबो जोगडा, नव नव रात्युं नीत

हे जगदंबा तें आभ ना कोडीये भगवान सुरज नारायण रुपी दिप प्रकटाव्यो जगत रुपी विराट गरबा नुं सर्जन कर्युं ई जांणे के सृस्टी नी रचना नो पडवो छे..हे जोगमाया ई नभ कोडीये दिवो बनेल नारायण नी फरते नवेय ग्रह फरी ने तारा गरबा गाय छे ई आपना सेवक एवा नवेय ग्रह ने जांणे नित्य नवरात्रि होय छे एटले ई सदैव तारी भक्ति ना रंगमां नवेय ग्रहो नोरता गणीं अविरत गरबो घुम्या करे छे एवी वैराट शक्ति आप ने अने आप ना आभने कोडीये रहेल दिवडा नी ज्योत नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[29/9/2019]

सुर तुं उर तुं शबद तुं, भुवण चौद तुंही भौम
जग्त शक्त तुंही जोगडा,आई स्रज्युं रुप औम

हे जगदंबा..सुरज नारायण मां पण तेज रुप तुं बिराजमान छो,अमारा उर मां पण तुंज छो,तुंज आ शब्द रुप काव्य छो,चौदेय भुवन रुप आकाश पण तुं छो,भुमी पण तुं छो,आ जे देखाय छे ई जगत पण तुं छो,तेने संचालन करनार शक्ति पण तुं छो,अने हे जगदंबा तुं मात्र प्रणव नही पण महा औमकार ना स्वरुप नी सर्जक पण तुं पोतेज छो,एवि हे वैराट स्वरुपा विश्वेश्वरी आज आपना द्विवतिय उपवास सह मारां आप ने नित्य वंदन छे,

[30/9/2019]

आई पधार्या आभमां,एना, पगलां दे परमांण

जो आ कुमकुम जोगडा,ऐ,भैंतर उछर्यो भांण

हे जगदंबीका आप आभे थी पधार्या छो एनुं प्रमांण मने मळी ग्युं मां,आ आपना कुमकुम वाळा पगलां आभमां पड्या छे अने आखुं आभ रातुंचोळ थई ग्युं छे,सुरज पण ए कुमकुम नी भिंतर थी जांणे प्रगटी रह्यो छे एटले लाल देखाय छे,एम हे आभे पगलां नी पाडनार परमेश्वरी आपने मारां आज त्रिजे उपवासे वंदन छे,तथा आपना ए पद कुमकुम थी उछरेल ए सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[1/10/2019]

आभलीयुं कइ ओढणे, भगवत टांक्यो भांण

जळक्यो कोरे जोगडा,रुडो रुपकडो रांण

हे जगदंबा आपे आभ ना ओढणे सुरज टांक्यो छे, अने रात भर गरबो रमी ज्यां आपे कोर समी करी त्यांतो एमांथी ए सुरज रुपी आभला (दर्पण) मां आपनो चेहरो आव्यो अने ई तेज नुं सीधुं प्रतिबिंब धरती पर पड्युं बधा जगे अजवाळुं थयुं आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[2/10/2019]

नेह व्रहण नारायणी,नमन लाख नवरात
जिवन तणुं कर जोगडा, परमेश्वरी प्रभात

हे जगदंबा सदैव नेह वरसावनार नारायणी आपने नवरात्र ना पंचमोपवासे मारा लाखो वंदन छे,हे मां उपास्य रात्री ना तहेवारो मां जिव ने प्रभात नी जंखना छे,आप सुर्य रुप उदय थई जिव ने आप ना पुर्ण तेज थी भरीदो के पछी क्यारेय कोई अंधकार आतम ने अडकी न सके..हे ई सुर्य तेज रुप परमेश्वरी मारां आपने नित्य वंदन छे.

[3/10/2019]

सगती आंज्यो सोयरो,तां, रुडी ढळी गई रात
पांपण खोल्य प्रभात, जग पर करीयुं जोगडा

हे जगदंबा तें ज्यां आंखे सोयरो आंज्यो ने आंख बंध करी त्यांतो दुनिया पर रात्रि नो अंधकार छवाई गयो..अने पाछुं पांपण खोल्युं त्यां फरी प्रभात थयुं एवा हे महाशक्ति तुने अने तारा नेंणा ना तेज रुप नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[4/10/2019]

सूर आयुं ने समरतो,ज्यां, चडीया आभ चडे
त्यां
लडखड्य वण लडे, जाय अंधारां जोगडा

आभ रणें तुं आभरण, सूर दिपें थइ सूर
जोग डांहा तम जोगडा,चूर कीयां चकचूर

हे जगदंबा आप ने उपवासी ने आपनुं समरण करतो ज्यां आभ रण नुं आभरण थई ने सूरविरता थी सूर दिपे छे,अने जोग ने डांहे एवां तम एटले अंधकार ने चूरेचुर करवा चकचुर थई ने ई हजी आवि ने उभे.. ते पेहला तो अंधारा नुं लावलस्कर लड्या विना लडखडी ने भागीजाय छे..
हे जगदंबा तारा नाम स्मरण नो महीमा जेणे जांण्यो छे तेवा नारायण ने अने आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[5/10/2019]

धखीयुं आभ धुपेलीयुं, सोडमीयुं रध सध्ध
नवलख आई निवध्ध, ज्वारे सुरज जोगडा

हे जगदंबा आजे आभ नुं धुपेलीयुं धग्युं छे एमां धरम ना धुप थई रिधी नी सिधी सोडम फेलावी रही छे,हे नवेलख आईयुं एम लागे जांणे सुरज नारायण आपने निवध (जेमां कोय वध न होय) जवारी रह्या छे.एवि हे नारायणी अने हे जुवार ना करनार सुरज नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[6/10/2019]

नवे नाग नारायणी, निधी भगती ग्रह नाथ
जपत खंड नव जोगडा, सगत रात समराथ

हे जगदंबा नारायणी आजे नवमी छे मां अने नव तो पुर्णअंक भणाय..आपने नवेय नाग नमन करे छे,नव निधी, नवधा भगती एटले के नवेय प्रकार नी भगती, नवेय ग्रह अने नव नाथ पण नमन करे छे, तथा आपना उपासना ना दिवसो नव छे,जेमां नव खंड धरणी पण आप ने नमन करे छे एवी हे नवम नारायणी मारां आपने आज नवमा उपवास सह आप ना चरणो मां कोटी वंदन छे..

[7/10/2019]

रावण ने रण रोळीयो,रमा रमाड्या राम
जोनारो सुर जोगडा, आभ उजाळत आम

हे जगदंबा आपे जानकी विजय नी कथा प्रमाणे सहस्त्रानन रावण ने रणमां रोळी ने राम नुं रखोपुं कर्युं रामे हजार नाम थी आपनी स्तुती करी ए दर्शन ने नजरोनजर पामनार नारायण आजे पण जगत ने आम अजवाळी रह्या छे जेना अमे नित्य दर्शन करी धन्य थईये छीये..जगदंबा आप ने अने सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.
[8/10/2019]

अडग जळोहळ आभ सम, सूरज ने सत सार
वसुधा फरत विचार ,ई, जाय अंधारे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण एक आप अने बिजो सत्य नो सार, ए आभ नी जेम अडग अने जळहळता तेजोमय छो, जे क्यारेय अस्त न थाय पण हे नाथ आ अंधकार आववानुं कारण तो फरवुं एटले के स्थिर न रेहवुं ए छे..जेम वसुधा स्थिर न रही ने फरे छे एटले रात्री ना अंधकार ने भेटे छे,अने विचारो भगती मां स्थिर न रही ने अज्ञान ना अंधकार ने भेटे छे, आम हे अडग सत्य सार रुप नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[9/10/2019]

अादित लै ओवारणां, भावे वंदे भांण
जळ दोहे दौं जोगडा, रंग हो सुरज रांण

हे भगवान सुरज नारायण तारा ओवारणा लई ने तने भावे थी भजीये छीये..वळी हे नाथ तुने जळ अने दोहो जुवारी ने लख रंग दई वंदना करीये छीये मारां आपने नित्य वंदन छे.

[10/10/2019]

उगी तुं अखीलेहरी,आ, व्रण चारण ने व्योम
जळहळ मोगल जोगडा, केवि अढारे कोम

हे जगदंबा मोगल तुं सुरज नारायण थई ने चारण कुळ ना आभ मां उगी अने अढारेय आलम ने जळहळ अजवाळां दिधा तारा सुरज नारायण सम तिमिरहर तेज ने मारां कोटी वंदन छे..मोगल नी यादी करवानार हे सुरज नारायण आप ने पण मारां नित्य वंदन छे.

[11/10/2019]

सघळु राज संकेलती,रहे न घडिये रांण
जांणे रात्युं जोगडा,भुज बळ तारा भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप ज्यां आभ मां हजी आव्या न आव्या ते पेहला तो रात्री पोतानुं समुळगुं साम्राज्य संकेली ने भागी निकळे छे..ए आप ना बाहुबळ थी नक्की परीचीत लागे छे,नहीतर आटली बधी भयभीत न होय..आम अंधकार ने भय पमाडनार एवा हे महा बाहु आपने मारा नित्य वंदन छे.

[12/10/2019]

त्राड्युं जो कामई तणीं,आभ धरा अथडाय
रांण तणा रथडाय,जळक्या ए धर जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जे धरती पर जगदंबा कामई माताजी नी त्राड्युं प्रथमी अने आभ ने अथडाई अने अहीना वनना तमाम देवताओ ने पण जे त्राडोये भयभीत करी नाखेल ए धरती पर ए घटना ना साक्षी एवा हे सुरज नारायण आजे पण आपनो रथ अहीं जळहळतो निकळी घडीभर ए कामई ने वंदन करतो होय तेम प्रभात ने प्रहरे वंदना करतो प्रतीत थाय छे..एवा हे चारण आईयो ना सत ना छाबडे रेहनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[13/10/2019]

आवी नित अवनी तणीं, सुरज लेत संभाळ
बाप पोतानु बाळ,एम, जाय भुली से जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप नित्य आवि ने पोताना अंगमांथी छुटी पडेल धरती नी खबर ल्यो छो..कारण के बाप नो जीव छे ने..बाप कदाच देव थई ग्यो होय तोय पितृ थई ने कोयदी दीकरी ने न दुभे एटलो एनो दीकरी पर जीव बळे..ई बाप जीवते जीव पोतानी दीकरी ने तो केम भुली सके..एवा उत्तम बाप ना उदाहर रुप हे परम पिता नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[14/10/2019]

आप थकी आ आभलुं, भरीयल लागे भांण
रातडीये जे रांण,अमे, जोयेल ठालुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ना उदय थी आ आखुं आभ भर्यु भर्यु लागे छे, जे रात्रे करोडो ताराओ ना झुंड होवा छतां तेज विहीन ठालुं लागतुं हतुं,एम हे आभ ना भरतल आपने मारा नित्य वंदन छे.

[15/10/2019]

तारा अजवाळा तणी, उपमा नइ धर आभ
जो सुर एकज जोगडा, लख लख देतो लाभ

हे भगवान सुरज नरायण आपना तेज नी उपमा आपी सकाय तेवुं अजवाळुं धरती के आभ क्यांय नथी..विज्ञानी कदाच मोटी लाईटुं बनावी थोडु घणुं देखाय एटलुं काम चलाउ अजवाळुं राते करी सके पण एमांथी कोई एक छोड पण प्रकास संस्लेसण थी पोतानुं पोसण न पामे..आम अजवाळानी साथे आयखुं देनार अनुपम नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[16/10/2019]

सुरज साचो साच छो, नव खंडो ना नेंण
जग चखसुं कई जोगडा, वेद वधावे वेंण

हे भगवान सुरज नारायण आप नवखंड धरती नी आंख्युं छो..आप विना बधुं अंधकार मय होय छे,वेद पण आप ने जगत चक्षु कही ने वधावे छे तेवा नयन सम अमुल्य महत्व धरावनार हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[17/10/2019]

चुडो सिंदुर ने चांदलो, ई,आशिस देवा आप
चडीया नभ चोथे चड्या, बनीन सीतळ बाप

हे भगवान सुरज नारायण चंद्र ने तो पोतानुं अजवाळुं नथी पण ई तो आपना अजवाळानेज पोतापर ओढे छे,करवा चोथे सुहागणो ने अखंड चुडी चांदला ना आशिस देवा दिवसे धगधगता लागी रहेल आप दिकरीयुं माटे एक पिता रुप बनी सीतळता थी छवायेल रह्या..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[18/10/2019]

ध्वनी वेग दुठदंड ध्रम, हर धरियल निज हाथ
जन्म मृत्यु पर जोगडा, नित्य नमन सुर नाथ

हे भगवान सुरज नारायण आप ना हाथ मां ध्वनी (वांणी,वेद,स्वर,सुर,ईत्यादी)नो प्रतिनिधि शंख, वेग (गती,प्रगती,परिवर्तन,भ्रमण ईत्यादी) नुं दर्शक चक्र,दुस्ट ने दंड दई सदमार्गे लेवा गदा,अने कादव मां पण कोमळता न मुकी पोते सर्व कादव थी पर रही संसार मां रही ने विरक्ति सिखवता वैराग्य ना अने धर्म ना प्रतिक रुप पद्म एटले कमळ, ने धारण करनार हे हर (शिव सुर्य अने सुर्य शिव) आप जन्म मृत्यु थी पर छो एवा नाथ आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[19/10/2019]

सुरज तणां संभारणा,नरणे कायम नाथ
हैयुं न जोड्या हाथ,जो हर स्वासे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण अमे आपथी हैयुं पण जोड्युं छे अने हाथ पण जोडीये छीये,अने नित्य जागी ने आप ना संभारणा सदैव होय छे,आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[20/10/2019]

नारायण ना नामथी,मारे, पडे नित्य परभात

जीभ जपे सुर जोगडा,तिमिर हरा जग तात

हे भगवान सुरज नारायण आप ना नाम थी मारे नित्य प्रभात पडे छे,अने हे तिमिर ने हरी लेनार जगत ना तात अमारी जीभ सदैव आप ना जप जपे छे, मारां आपने नित्य वंदन छे.

[21/10/2019]

सातेय घोडा सामटा, तुं नभ करे तयार

भोम मथे थी भार,जाय रातु नो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप नभ आंगणे हजी निकळवा माटे सातेय घोडा ने तैयार करी रथे जोडो अने हजी निकळ्याय न होय त्यां तो आखी भोमका माथे थी काळी अंधकार भरी रात नो भार उतरी जाय ने सोनेरी सवार थई जाय आम तेजो मय जिवन ना दाता नारायण आपने मारा नित्य वंदन छे.

[22/10/2019]

आप थकी जग्ग उजळुं, भड़ रनां भरथार
तारा
कोडे थी किरतार, जाप जपुं नित जोगडो

हे भगवान सुरज नारायण भगवती रनांदे ना भरथार आ आखुं जगत आप थकी उजळुं छे, आप जेटलो समय देखाता नथी एटलो समय तो अंधारुं घोर होय छे,एम हे जगत ने अजवाळनारा नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[23/10/2019]

एकज सरखो आपनो,नव खंडो पर नेह
ऊर अमांणे ऐह, ज्योत धरो सूर जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप नो प्रकाश ,1.केतुमाल, 2.कुश, 3.किंपुरुष, 4.हिरण्य,5.हरी, 6.ईलावृत तथा 7. भारत, 8.रम्य, अने 9.भद्र एम नव खंडो मां एक सरखो प्रसरे छे, पोत पोताना स्थान प्रमांणे कदाच तेमने ओछो वधु मळे छे पण आप मांथी निकळतो तेज रुपी नेह तो सरखोज होय छे तेम हे नाथ अमारा हैये पण एवीज ज्योत प्रज्वलित करो के सर्व जीव प्रत्ये एक समान नेह रहे..आप ना भीतर मां रहेल सर्व प्रत्ये समभाव ने मारा नित्य वंदन छे.

[24/10/2019]

सत वंदन जलधी सतण, नारायण व्रद नेह
जपुं नित्य घट जोगडा, आशिस दे शुभ ऐह

हे भगवान नारायण आप प्रति अनन्य वरद नेह जलधी नाम समुद्र नी सतण एटले पुत्री अर्थात लक्ष्मीजी ने छे, हे नाथ एमने पण मारा सत सत वंदन छे जेने आप प्रत्ये अनन्य नेह छे,हे नाथ हुं आप ना नाम जागी ने नित्य काव्यमय जपुं एवा शुभः आशिस मने आपज्यो मारां आपने नित्य वंदन छे.

[25/10/2019]

नेह नारायण नामनो,ई,आप तणो उपकार
जनम दीये मां जोगडा,करम दता किरतार

हे भगवान सुरज नारायण आप ना नाम पर बाळ वय थीज नेह होवो ई पण आपनोज उपकार छे,नही तर घणां ने नारायण नामनी छेक बुढा पणे पिछाांण थाय छे,तो अमुक ने जिवन पुरुं थया सुधी नारायण नाम थी नेह नथी थतो,हे नाथ जनेता तो मात्र जनम आपे,पण कर्म ना दाता तो हे किरतार आप छो,अने जन्म जिवन मृत्यु विगेरे कर्म आघा,रीत छे एम हे सर्व कर्ता आपने मारा नित्य वंदन छे.

[26/10/2019]

नातो तो छे नेहनो,पण, कसब सुंणे के केम
जोई लेजे मॉ जोगडा,तुं, रांदल राखीन रेम

हे भगवान सुरज नारायण आप नी साथे अनंत नेह नो नातो छे,एटले हे कस्यप ना कुंवर आप अमारुं सांभळताज हस्यो..पण हे मां रादल सुरज तो बाप छे,जो ध्यान मां लीन होय ने अमारी वातुं एमना सुधी न पहोचती होय तो हे मां तुंतो मा छे,अने मां उंघमां होय तोय बाळक नुं टहकुं थातां जागीने आंख खुले ई पेहला हाथ बाळक माथे पोगी जतो होय छे मां,एटले हे मां अम पर रेम राखी ने तुं जरा जोई लेजे तारुं वैंण नारायण नई टाळे, मां रांदल अने भगवान नारायण आप बंन्ने ने मारी दीपोत्सवी नी वधाईयुं सह लख लख वंदन छे.

[27/10/2019]

नुतन वर्ष करीये नमन, जगदंबा हथ जोड
जडधर वंदन जोगडा, सुरज बाग अम छोड

हे भगवान सुरज नारायण तारा बाग ना अमे छोडवां छीये जे तमने तो वंदन कर्या विना केम रही सकीये...तथा हे नारायण कृपा समुद्र एवी जगदंबा ने पण हाथ जोडी ने मारा कोटी वंदन छे तथा भगवान शिव ने पण करोडो वंदन छे,एम हे सुरज नारायण ,जोगमाया,तेमज शिव ने मारां नित्य वंदन छे.

[28/10/2019]

उगमणी दस्य ओरडा,भला दिपे तुज भांण
ज्यां दर खोले जोगडा,वाय दसो दस्य वांण

हे भगवान सुरज नारायण आप ना उगमणी दीसा ना ओरडाओ सोभायमान छे तेमां आप ज्यारे सवारे द्वार खोलो त्यां दसे दिसाये वांणला वाय छे आपने मारा नित्य वंदन छे.

[29/10/2019]

बिजे सौ मळीया बिधु,भ्रात न आव्यो भांण
रात आखी ए रांण,जांण रडी ए जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण बहेन भाई नो दिवस भाई बीज छे, पण आपना बहेन कात्यायनी ने मळवा आप एक चैत्र नी षठ अने बिजी कार्तिक नी षठ ना दीवसे जावछो,जे बंन्ने व्रत ने छठ नुं व्रत केहवाय छे..कदाच कात्यायनी ने काले बिज ने दी बधा ना भायुं ने आवता जोई लाग्युं के मारे तो भाई हजी छठ ने दी आवशे..कदाच ए यादे एनां पांपण भिंजाणा हशे जे अमारे धरा पर वरसाद थई वरही पड्या..छठ ना चार दिवसीय सुर्य उपासना ना दिवसो ना प्रथम दिने मारां नमन सह आपने नित्य वंदन छे.

[30/10/2019]

केवा जो कंकुभर्या,आ, पडियल मां ना पग्ग

एमां

जनम्यो ऐमां जोगडा, आदीत नाथ अडग्ग

हे भगवान सुरज नारायण कस्यप पत्नी अदितिये तो आपने विनवी ने पोताने श्राप मुक्त करवा अंशावतार तरीके पोताने त्यां जन्मवा कहेल पण ते पेहला अने ते वखते पण आभे तो आप जळहळताज हता..एथी कस्यप अदिती तो आपना भक्त अने अंशावतार ना मातापिता पुर्ण सुर्य ना नई..पण आभे जोउं छुं के महाशक्ति जगदंबा ना कंकु पगलां सवार ने पोहरे आभ मां उगमणी दीशाये पडे छे ने आखो आभ रातोचोळ लागे छे..ए चरण रज ना चमकारा सम ई लालीमा मांथी आपनो उदय थतो जोई ऐम लागे के जांणे महाशक्ति नी चरणरज थी आप जन्म धरी जगत ने अजवाळी रह्या छो, आपने मारां नित्य वंदन छे.

[31/10/2019]

प्रपंच थी पामी सको, नांणा सत्ता कि नाम

पण

कास्यप गमता काम,जुदांज एथी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण ..लोको प्रपंच के छळ करी ने कदाच संपदा मेळवी सके,सत्ता मेळवी सके,के जेम सुमन कल्याणपुर ने छळी ने लताये मेळव्युं एम नाम मेळवी सके,पण आप नो राजीपो तो आपने गमता काम थीज मळे,अने छळ कपट प्रपंच एवी कोई वातुं आपने गमती नथी आपतो राजा ने जे अजवाळुं आपो एज रंक ने आपो छो,आप ने कोईमां भेदभाव नथी तेवा हे सत्वगुणी समद्रस्टा मारां आपने नित्य वंदन छे.

[1/11/2019]

चंद ऋषी ब्रह्म चारणा,वन जळ थळ नभ वंश
जंगम थावर जोगडा,सब, आदित हंदा अंश

हे भगवान सुरज नारायण चंद्र ,ऋषीयो,ब्राह्मणो,चारणो, वनचर(वनवासी लोको,ऋग्वेद जेने पांचमी साखा कही छे),जळचर,थळचर(भुचर)नभचर(खेचर)एम बधुं स्थावर अने जंगम जे पण कंई देखाय छे के धरती पर जे नोखा नोखा वंश वादो चाली रह्या छे ते पण आखरे तो आप थकीज पोसण पामे छे एम आपनाज वंश छे..एम हे सर्व ना पोषक नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[2/11/2019]

समदर मांथी सामटा,जांणे, कुदवीया केकांण
जो धर कच्छप जोगडा, भड़ आयो सुर भांण

हे भगवान सुरज नारायण तें समुद्र मांथी जांणे सातेय घोडा सामटा कुदव्या होय तेम आप आभे आव्या आ कच्छ धरा मांडवी थी आजे मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[3/11/2019]

अलख अगोचर आभमां, भजन भरोंहे भांण

जिवतर सुर मां जोगडा,आ, रण़को तारो रांण

हे भगवान सुरज नारायण जेनो पार कोई नथी पामी सक्युं तेवा अने जेने लखी न सकाय तेवा अगोचर आभमां आप अखंड भजन ने भरोंहे उभा छो,अने हे नारायण ए भजन ना सुर नो रणको प्रकृती अने अम समस्त ना जिवतर मां झीलाय छे..तेवा हे अजोड आराधक आपने मारां नित्य वंदन छे.

[4/11/2019]

पवन गाय प्रभातियां, समदर बाजे साज

जिवन पळेपळ जोगडा, मौज करे महाराज

हे भगवान सुरज नारायण आप ना उदय समे सुसवाट ना सुर पर पवन गीत गाय छे अने हारे खळळळ करता समदर देव साज वगाडे छे,आम अलोकिक संगीत नी सुरावली मां हे महाराज सुरज नारायण आप जिवन नी पळेपळ ने मौज थी जिववो छो अने जिववा सुचवो छो,आवा संगीत बद्ध जिवन ना महा संदेस ना देनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[5/11/2019]

आवी आभाहर घणी, पाड्यां ज्यां परभात
त्यां
रण मेली ने रात, जातीय भाळी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप आभ मां आविने ज्यां उभा रह्या त्यां तो रात रण मुकी ने भागवा मांडी..महा जोधा सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[6/11/2019]

माया ममता मलकनी,एमा, सुरज लगेना सार
बस तारी हारे तार,अमे, जोडी बेठा जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ जगत नी माया ममता वगेरे बधुं अमने अहींना बंधन मां बाधवा माटे नी सोनाना पिंजरा नी हीरा जडीत सांकळो जेवुं लागे छे जे लोभावे तेवुं देखाय पण बंधन कर्ता छे,एथी एने जांण्या पछी हे नाथ ए बधा मां कोई सार रेहतो नथी अमे तो आ धरणी पर ना वटेमार्गु छीये अमारो साचो नातो तो आपथी छे,हे नाथ ई तारा हारे जोडायेल तार अमारो अखंड रेहज्यो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7/11/2019]

पोहण सघळा प्रांणनुं,तुं, विंटीन आपे वांण
भोंठप दिये ना भांण, जरुरतीयां ने जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण तमे जगत ने जिवन पोषण विटामिन वगेरे घणुंबधु आपो छो पण ई बधुं प्रकास ना पीळा आवरण मां विंटीने आपो छो,कोय ने देखाय एम नथी आपता के जोवो में आ दान कर्युं,जेथी दान लेनार भोंठो न पडे अने सरम न अनुभवे,आम बधुं देवा छतां जरुरीयात वाळा ने भोंठप न रहे ते जोनार श्रेष्ठ दाता नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[8/11/2019]

हालरडा गई हेतना, रुडा पोढाडे रात
पाडी ने परभात, जगवे सुरज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण रात छे ई नारी तत्व छे..रात केवि..माता स्वरुपा रात रोज आवी बाळक ने खोळे रुडा तमरा ना रागे हालरडा गाई ने सुवडावे छे, मां नो स्वभाव छे बाळक ने शांति थी सुवावडवो आराम देवो,अने पितानो स्वभाव कर्म कराववुं जगाडवो ने जगत देखाडवुं एटले नारायण प्रभात करी ने दिकरा ने जगत देखाडे छे,आम पोढाडी देनार मात जेवी रात अने पिता तुल्य प्रभात करनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[9/11/2019]

नारण चारण नेह ने,रखज्यो सुरज रांण
भावे कायम भांण, जोज्यो सौ ने जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण तमे युगो थी चारणो प्रत्ये नेह राखता आव्या छो,पछी ए शिव ना सानिध्य मां रहेल गण चारण होय के पृथ्वी पर आवेल गण हो जरत्कारु जाजावर हो आस्तिक मुनि हो याज्ञवल्कल हो के आवड नो समय हो के सांसाजी नो सिंह बनी चारण काज आववानुं होय के चांपराज ना वचन माटे घोडो लई आववानुं होय ई सौ चारणो प्रत्ये नेह नातो आपे जाळव्यो छे,ई नेह अमथी पण सदैव राखज्यो,आप ना ए जुना गुंण संभारी अमे नित्य आपने अबोट दोहा धरी आपनी वंदना करीये छीये आपने मारां नित्य वंदन छे.

[10/11/2019]

नातो तमसुं नाथजी,सूरज रां दल सैंण
जेवो राखे जोगडा,ओली, निंदर हारे नैंण

हे भगवान सुरज नारायण भगवती रांदल ना भरथार आप नी हारे अम हैया मां एवो नेहनातो छे जेवो नैंणां ने निंदर हारे होय छे..निंदर आवे के आंख्युं आपोआप ढळीजाय ऐम जागतां वेंत आपनो उदय थयो मानी अम हैये आपोआप दोहो उतरे छे आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[11/11/2019]

सत नो बेली सूर तुं, पत राखण परमेह
जत लीखीतन जोगडा,कत आस्यो करमेह

हे भगवान सुरज नारायण आप सत्य ना बेली छो,लाज ना राखण हार छो,हे नाथ अमुं आप ने लखीये छीये के हे कर्म ना ईश्वर एटले के करमेह (कर्मेश्वर) आप अम काजे अमारा कर्म (नशीब)मां दर्शन देवा चतुर्भुज रुपे क्यारे पधारश्यो ? आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[12/11/2019]

आ पड़ माथे आंम तो, केवुं रमी ग्या केक
अंत पोकार्यो ऐक, जग नारायण जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ धरती ना पड (मंच)माथे कै केटलाय आत्माओ पात्रो भजवी ने रमी गया पण आखरे तो ए सर्वे एकज आप ना चरणो मां जई भळ्या छे,आप ए सर्व नी रमतो जोनार सदाकाळ साक्षी छो एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[13/11/2019]

वेद पुरांणे वंदीयां, कासब नंदण काम
जिभ रटंती जोगडा,नित नारायण नाम

हे भगवान सुरज नारायण मैत्रा वरुण वगेरे नामो थी वेदोये अने पुराणोये पण आप नी वंदनायुं करी छे अने अम जीभडीयुं पण नित्य आप ना नामने रटती रहे छे मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[14/11/2019]

आव्या लइ ने आभमां, सूरज लक्ख समणां
आ नारायण़ नमणां,जो नभ लागे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप आभमां लाखो लोको ना पुरां थाय एवां लाखो स्वप्न लई ने आव्या छो,अमारां समणां तो आप छो ई पण पुरण करज्यो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[15/11/2019]

उड्यो कलरव आभमां, पोरह नी लइ पांख
आदित खोली आंख, जोम आवि ग्युं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आपे ज्यां आंख खोली ने अजवाळा पथराया त्यांतो आखी रात जे पंखीडां फफडता काळजे माळा मां लपाई ने मुंगा मंतर थई बेठां हतां ई कलरव करता आभ मां पोरह थी पांखो पसारी उडवा मांड्या एक आप जेवा समर्थ नी हाजरी होय पछी कोय ना हैय मां भय रेहतो नथी एवा हैया मां निर्भयता ना भाव भरनार नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[16/11/2019]

कास्यब अरज्युं कानपे, धरज्यो आभ धणीं
घट मां आश्य घणीं, जोग साध्या नी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण अमारी अरज छे के योगी रुप अमो योग सिद्धि करी अमारा आ फेरा ने छेल्लो फेरो करी सकीये ए माटे पुरण सामर्थ्य प्रदान करज्यो बाकी दुनिया नी कोय मोहमाया नी मागणी तो क्यारेय नथी करी अने उंडे उंडे एवो भावेय क्यांय नथी के जगत नी नस्वरता नी याचना करुं,मने आप नी सास्वत सन्निधि ना उजळा आशिस देज्यो मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[17/11/2019]

नाम जपां नारायणा,सत सत नमः शिवाय
जगदंबा कउं जोगडा,त्यां, ठरको हैये थाय

हे भगवान सुरज नारायण हुं नारायण कही ने जागतां वेंत आप ना जाप जपुं छुं अने सत सत वखत एटले के दिवस मां दसेक हजार जाप महादेव ना अजपा जाप थई जता हशे कारण हर पळ हुं एमांज लीन होउं छुं दुनियादारी तो एक मात्र अदाकारी होय एम नभे छे,पण तोय हे नाथ हुं जेटला वखत जगदंबा कहुं छुं त्यां सीधो हैया मां ठारको थाय छे..आप नारायण, महादेव, अने जगदंबा ने मारां कोटी कोटी नमन सह मारां नित्य वंदन छे.

[18/11/2019]

आकाशी धर उतरे, अादित अंजवाळा
जगवे आ तम जोगडा,मुकी नीज माळा

हे भगवान सुरज नारायण ज्यारे धर (धरती, जड थयेल प्रज्ञा) पर आकाशी (अवकाश मांथी,अगोचर मांथी) अजवाळुं उतरवानुं सरु थाय छे त्यारे नीज (पोताना) माळा (पंखी नो घोसलो, तसबी,फेरववानी माळा) मुकी दई ने आ तम (आ अंधारुं, आतम,आत्मा) जगववा नुं सरु थाय छे पंखी अंधकार ने जगाडी ने भागवा कहे छे अने योगी आत्मा ने जगावे छे..एवा हे आकाशी अजवास ना देनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[19/11/2019]

चडिया केवो चाकळो, अलख फरावी आभ
जिवन चलावे जोगडा, नारण पदमा नाभ

हे भगवान सुरज नारायण आप स्थिर छो अने बधा ग्रहो आप नी फरता फरे छे, ब्रह्मांड नां आवडो मोटो चाकळो तो नजरे देखाय छे एनो विस्तार केवडो हशे ई तो हजी आप जांणो ग्रंथो चौद ब्रह्मांड कहे छे ए बधा ना नाथ हे जेनी नांभी मां कमळ छे अथवा तो नांभी पोतेज कमळ एटलेके नांभी कमल के जेमांथी सृस्टी ना रचयता ब्रह्मा पण उत्पन्न थयेल तेवा हे पद्मनाभ नारायण आप आ चाकळो नई पण सौ जिवो ना जिवन चलावी रह्या छो आपने मारां नित्य वंदन छे.

[20/11/2019]

उदियाचळ ने ओरडे, निरखी दिनोय नाथ
हरखे जोडी हाथ, जऴ चडावुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण नित्य जागी ने उगमणी दीशा ये आप ना दर्शन करी ने जळ चडावी हरखभेर हाथ जोडी वंदन करु छुं,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[21/11/2019]

शिशीर मां संभारतो, रूडुं बचपण रांण
एथी जागे मोडो जोगडा,भागे वेलो भांण

हे भगवान सुरज नारायण शिशीर ऋतु मां जांणे आप पोतानुं बाळपण याद करता होय तेवुं लागे छे,मोडा मोडा आवो छो अने वेहला वेहला सांजे घरे निकळी जाव छो..कोई चिंता वगर नी बाळ स्वभावनी सहज सितळता ठंडी बनी ने धरती पर ठंडक पोहचाडे छे,आप नी ए बाळ लिलाओ ना आनंद सह मारां आपने नित्य वंदन छे.

[22/11/2019]

धुप सरीखा धरमने, उरमां धर्यो अडग्ग
जिवन देवा जोगडा, खुद ने बाळे खग्ग

हे भगवान सुरज नारायण जेम धुप पोते बळी ने सुगंध आपे छे एम आपे एवो धर्म अडग्ग रीते धारण कर्यो छे,युगो थी आप पोतानो देह बाळी ने मात्र अजवाळुं नई पण जिवन आपो छो,लोक कवियो हजी अगरबती अने धुप सुधीनीज कवितायुं लखे छे,आप नो धर्म एथी घणो विशाळ छे,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[23/11/2019]

कस्यप जिव कोटी तणो,तुं, भरण पोषक भांण
जगत पिता कई जोगडो,तुने, रंग दे सुरज रांण

हे भगवान सुरज नारायण जगत ना बोलता ने मुंगा तमाम करोडो जिवो नुं भरण पोषण करनार एक मात्र आप छो,अने जे पोतानुं भरण पोषण करनार ने नित्य वंदन नथी करता ई नुगरा नो कोयदी धोखो पण कर्या वगर जेम गांडो छोकरो बाप ने गाळ्यपं दे तोय बाप तेने टंके जमण दई दे एम अविरत आपे आ जगत ना पिता तरीके नी फरज निभावी छे,एवा आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[24/11/2019]

आदीत आ अवनी तणां,जेम, भांग्य अंधारा भांण
एवि रुदीये कायम रांण, ज्योत जगावो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप उदय पामी ने जे रीते आ धरती ना अंधारा भगाडो छो एज रीते हे नाथ अम हैया मां पण आपनी अखंड ज्योत प्रगटावो अने ए ज्योत जेम आप युगो युगोथी जळहळी रह्या छो एम सदैव प्रज्वलित रहे एवा आशीस नी अभिलाषा सह आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[25/11/2019]

लेती लोबडयाळीयुं,तारा, वारणां सुरज विर
जमण पुरी सह जोगडा, खदड़ा देती खिर

हे भगवान सुरज नारायण अमारी लोबडयाळीयुं आईयुं खम्मा विर कही ने आप ना नित्य वारणा लिये अने आपने जमाडवा पुरी अने हारे त्रांहळी भरी ने खदड़ा जेवी गाढी खीर (लोंठको जवान तळाव मां तरतो होय तेवुं द्रस्य देखाय एवुं पातळुं सेंतेक नुं दुध ने आवताजता चोखा वाळी बनावटी नई,पण उभरा लावी लावी ने अधमण दुध बाळी ने पांनसेर पड्युं रहे एमां मघमघता सोडमुं देता चोखा ओरी ने हेते सुका मेवा नी छाबडीयुं ने मिसरी मेळवी ने करेल खीर)जमवा देती एना तमाम जायाओ ने पण नित्य एवां जमण देज्यो एवि प्रार्थना सह नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[26/11/2019]

बोली कोयल बेनडी, सामे टहुक्यो सूर
जोतां संगत जोगडा,चार दश्युं चकचूर

हे भगवान सुरज नारायण अहीं उपरवाडे बेन कोयलडी आपनो उदय थतां टहुकी त्यां सामे लिंबडा नी डाळ ओथे उदय थता आप देखाया अने ई लिंबडे आखी रात नो उतारो करी बेठेल मोर बोल्यो पण मोर लिंबडा नी घटा मां देखातो नथी आप त्यां देखाई रह्या छो ए एवुं लागे के जांणे आप टहुक्या,अने आ रंगत भळी संगत जोई चार दश्युं एटले के चारे दिशाओ,तथा चार दश्युं एटले चार अने दश एम चौद, ए चौद ब्रह्मांड जांणे आप उदय टांणे चकचुर थयां होय एवि प्रतिति थाय आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[27/11/2019]

तुं उगतां कास्यप तणां,भांगे अंधारा भीत
रांण म्रदायुं रीत, जग्ग अनेरी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण तमारो हजी उदय थाय ए पेहला तो अंधकार ना दळ कटक भय थी भागी जाय छे,तारी मर्दानगी बाहोशी सुरविरता आखा जग मां अनेरी छे,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[28/11/2019]

लाजहिंणा जण नो लिये, नारायण नुं नाम
जो आ आठेयजाम, जापे चारण जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जे लाज हिणां छे ई ज तारुं नाम नथी जपता बाकी जेने तारा उपकारो नी जांण छे एवा चारणो आठेय पोर आप ने भजे छे,जे आपने जपे छे एने पण वंदन सह हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[29/11/2019]

वेद पलांठी वाळतो,आइ, बेहे दुहा मां बाप

जो होय एमां जोगडा,सुरज उग्यानी छाप

हे भगवान सुरज नारायण आप तो ज्ञानीनाम अग्रगण्य एवा हनुमंत ना पण गुरु छो,एटले आप नी विद्‌वता ने तो कोंण वंदना न करे..आप ना उदय नी नी वंदना नी छाप जे दोहा मां उपसती होय अने आपने दोहेथी वंदना थती होय ए दोहा मां वंदना करवा माटे तो खुद वेद भगवान पण पलांठी वाळी ने ए दोहा मां बेहीजाय ने आपने वंदना करे,एवा हे समर्थविद्‌व नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[30/11/2019]

उगंतांज आलापियो, भांण ललित भतियार

जोगिया छेडण जोगडा,तने, वंदन लाखो वार

हे भगवान सुरज नारायण शामवेद आपना मुखे थी प्रगटेल छे अर्थांत आप संगीत ना पुर्ण वेधुं छो,प्रभात ना प्रहरे आप ललीत राग अने भतियार ना आलापो छेडी उगवानी तैयारी करी रहेल पण कोर नई काढेल कारण ए रागो चार थी छ वाग्या सुधी ना छे,पण ज्यां आपे जोगीया आलाप्यो अने कोर काढी त्यांतो समग्र वातावरण पक्षीयो ना कलरव साथे संगीतमय थयुं,एम संगीत महावेधु मालमी नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[1/12/2019]

सुरज वेधु शाम नो,एने,हेत ढोळ्या नी हेव
दोहे रीझवुं देव,तोय,जो नित राजी जोगडा

चडीया हुं चमची धरुं,अने, समदर रीजे सूर
ई ज्योते राजी जोगडा, नवखंड जेनां नूर

हे भगवान सुरज नारायण आप वेद ना वेधु छो,संगीत ना मुळ समो आखो शाम वेद आप ने मुखेथी प्रकट्यो छे एम ग्रंथो मां केहवाय छे,एवा वेद वेधु छो तोय हे नाथ अमे मात्र दोहो कहीये तोय आप राजी रहो छो,ए आपनी महानता छे,आप ने अकारण वात्सल्य वरहाववानी आदत छे,समदर ने चमची धरीयें ने ई राजीपो देखाडे तो ई मातम चमची जळ नुं नई पण समदर नी महानतानुं छे,नवेखंड जेना तेज थी उजळा छे ई एक दिवा नी ज्योत थी राजी थाय छे ऐवा मारा नाथ आप नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[2/12/2019]

कवच दिधां ते करणने, कवियन को केकांण
जरुरत केरी जोगडा, भारी समजण

हे भगवान सुरज नारायण आपे कर्ण ने अभेद कवच अने कुंडळ दिधां तो स्वर्गे सिधारेल चांपराज ना रुपे धरती पधारी कवि ने अश्व आप्यो,आंम कोने कई वस्तु नी जरुरीयात छे ए जांणी ने योग्य जरुरीयात नी वस्तु योग्य व्यक्ति ने आपनानी अनुठी समजण ना दातार एवा जाग्रत देव नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[3/12/2019]

नवलख आयुं नाथजी,रुबरुं भाळेल रांण

एने

जोई परोढे जोगडा,नित, भावेय वंदुं भांण

हे भगवान सुरज नारायण अमे चारणो तो नवलाख लोबडीयाळी ना नाम लई नमण्युं करीये छीये,पण हे नाथ ई सर्व जगदंबाओ ने आपे तो नजरो नजर दरशी छे एटलुंज नई एना समग्र जिवन ना आप साक्षी रह्या छो,आपडे त्यां तो कोई जातरा करी ने आवे एनेय पगे लागवा नो निम छे,आप नुं तो आखुं जिवन जातरा छे,अने एय पण केवुं के जे भगवान ना चोविसेय अवतार ना पण साक्षी, जगदंबाओ ना सर्व अवतारो ना पण साक्षी एवा नारायण ने अमे नित्य निहाळीये छीये ए अहोभाग्य भावथी हे नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[4/12/2019]

निकळ्या सुरजनाथ जी,भगवो पेरी भेख

रंग गेरु नभ रेख,जांण खेंचाणी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ना उदय थी आभ मां उगमणी दिशाये केसरीये रंग नी छांय सफेद वादळ मां भळी भगवा रंगनी रेखा खेंचाणी होय एवी भासे छे जांणे आप भगवां वस्त्र धारण करी जगत कल्याण ने काज भेख धारण करी सुरजनाथ नाम धरी ने निकळ्या होय एवुं लाग्युं आप ने मारां नित्य वंदना छे.

खुब विचारी खे घणीं,कस्यप काढ्यो क्यास

जग कल्याणे जोगडा,सुरज लियो संन्यास

जळ मां रहेनार ने जळचर,भुमिपर रेहनार ने भुचर,आभ मां रेहनार ने नभचर अथवा खेचर कहीये छीये... आम खे एटले नभ हे नभ ना धणीं आ त्रणेयपांख, जळचर, भुचर, खेचर ने जिवन अने पोषण आपवा तमे क्यास काढी ने जेम भेरवझोळी धारण करेल टोकरीयाळो बावो एक क्षण पण उभो नथी रेहतो ने टोकरो वगाडतो अलक्ख करतो चाल्या करे छे एम आप पण एकेय क्षण रोकाया वगर जगत कल्याण हेतु युगोथी संन्यास लई निकळी पडेल छो,आपना अखंड योग ने मारां नित्य वंदन छे.

[5/12/2019]

प्रथमी आखी पांगरे,आ, नवखंड नोखे नुर
ज्योत कळश्यो जोगडा, छलके ज्यां नभ सूर

हे भगवान सुरज नारायण आप न ज्यां उदय थई आप ना अजवाळा रुपी ज्योत नो कळस्यो धरा पर ढोळो छो त्यांतो ई अमरत नो स्पर्श थतां आखी रात नी मृत वत पडेल पृथ्वी सजिवन थई ने नोखा नूर थी पांगरी ने तरोताजा थाय छे,एना अमरत ना अजवाळां देनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[6/12/2019]

भोर उठे ने जो भुले,रटवो सूरज रांण
हा ईज मोटी हांण,जगमां जांणो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जे मनुस्य ना पुर्ण जिवन नो आधार हवा पांणी खोराक अजवाळुं धरती जीववा माटे रोज नवो दिवस बधुं देनार आप छो छतां जो ई उठी ने प्रथम आपने याद न करे तो ई सौथी मोटी हांण छे,हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7/12/2019]

हाथ वगो नत छे हरी, देख सके तो देख
जुग आदी थी जोगडा,प्रोढ उगे ई पेख

हे भगवान सुरज नारायण लोको जूगादी सत ने गोतवा मथामणुं करे छे पण हे हरी तुंतो हाथ वगो छे,युगो रोज परोढे उदय पामे छे पण जेनी आंखे पडदा पड्या छे ई जोई सके छे पण दर्शन नथी पामता,हे नाथ तमे अमने ई दर्शन नी क्षमता आपी छे ए उपकारे आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8/12/2019]

सूरज तुज्ज सभावमां,देवुं देवुं ने देवुं
सीद तुने ना सेवुं, जग्ग रचेता जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ना स्वभाव मां बस जगत ने आपवुं आपवुं ने आपवुंज छे,केयारेय कोई वळतर नी आश नथी करी,तो हे सदा दातार सुरज नारायण हुं तममे सुकाम न सेवुं,तमे तो जगत ना रचेता छो,पृथ्वी आपमांथी छुटी पडी छे,अने तमाम जिवो आपने आधीन जिवे छे,एना हे दियाळुं दातार मारां आपने नित्य वंदन छे.

[9/12/2019]

ओळख पडे न आपवी,आ छे सुरज ऐम
तेज तमांणां तेम,जात पिछाणुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण कोई आप थी अजांण्युं नथी,कोयदी कोय ने ओळखांण न आपवी पडे के जुवो आ छे सुरज नारायण,आप तो आप ना तेज थी आपो आप प्रकट परखाओ छो,आप ने मारां वंदन छे.

[10/12/2019]

किधां तें कस्यप तणां,चौद भुवण चरिताथ
हुं जागी नित हाथ, जोडुंय सुरज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आपे अतल, वितल, सुतल, तलातल(नितल), महातल, पाताल, रसातल(गभस्तिमान), भूर्लोक, भूवर्लोक, स्वर्गलोक, महर्लोक, जनलोक(म्रतलोक), तपोलोक, सत्यलोक,एम चौदेय भुवण ने अजवाळी ने चरितार्थ कर्यां छे हे नाथ हुं आप ने नित्य जागी ने हाथ जोडी वंदन करी नित्य एक नवो अबोट दोहो रची आपने चरणे धरी ने आप ने राजी राखवा काला वाला करुं छुं हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[11/12/2019]

वादळियु विंटळाइ ने,रोकेय सुरज राह
वेराग तारो वाह,जाय न मोहे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ वादळीयुं रुप नारीयुं तारो मारग रोकवा आडी उभी छे,पण हे नाथ तमे जराय रोकाया विना ए वादळीयुं ना पडळ तोडी पोताने मारगे हाली निकळो छो,आप नो वैराग्य जरा पण मोह मां लोभातो नथी एवा विराट वैरागी नाथ ने मारां नित्य वंदन छे.

[12/12/2019]

सूर धरा ग्रह सरजवा,मोटां किध मंडाण
भ्रण पोहण पण भांण,जाते करीयु जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण विज्ञान जेम कहे छे के पृथ्वी आपमांथी छुटी पडी आपनी फरते फरवा लागी एम कदाच बधा ग्रहो पण आपमांथीज छुटा पडी आप फरते फरी रह्या होय ए बधुं मंडाण आप बहु मोटुं कर्युं छे तथा तमाम जिव सृस्टी ने जिवाडवा तेनुं भरण पोषण करवानी जवाबदारी पण पोताना शिर पर राखी छे,आम हे आखी सृस्टी ना सर्जक ब्रह्म स्वरुप ब्रह्म नारायण तथा सौ नुं पोषण करनार विष्णु स्वरुप व्योम पति,अने एकज आसने युगो थी अडग बेसी तप आदरी सौ नुं कल्याण करनार शिव स्वरुप सूरज नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[13/12/2019]

सुरज साधी सूरता, थाट दशौं नभ थाल
जगवे तालो जोगडा,चौद विसुं भड़ चाल

हे भगवान सुरज नारायण आपनुं तो नामज सुरज (सुर ने जन्म देनार)छे,आप नभ मंडळ मां थीर रही सुरता साधी आभ नी थाळी मा संगीत ना दसेय थाट बिलावल, कल्याण, खमाज, काफी, भैरव, मारवा, आशावरी, पुर्वी, भैरवी अने तोडी एम दसेय थाट,(हिन्दुस्तानी संगीत मां जुना 32 थाट छे,कर्णाटकी संगीत मां 72 थाट, पण हवे उपयुक्त मात्र आ 10 थाटज छे)अने ताल ना दसेय प्रांण काल, मार्ग, क्रिया, ग्रह, अंग, जाती, कळा, लय, यती, अने प्रस्तार ने प्रगट पणें जांणी चौद विसुं एटले के 180 ताल (भरत मुनी कहे छे ते प्रमांणे 60 मार्ग ताल,अने 120 देशी ताल एम कुल 180 ताल) ने प्रगटावी अलौकीक संगीत ध्यान मां लीन भगवान सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[14/12/2019]

आंजी नाखे आंखडी,एवो, ठाकर तारो ठाठ
जोडी बे हथ जोगडा,तुने, प्रणमी करियें पाठ

हे भगवान सुरज नारायण आप ना सामुं को जुवे तो आंखडीयुं अंजाई जाय एवो तेजस्वीता भर्यो आपनो ठाठ छे,माटे हे नाथ बे हाथ जोडी प्रणांम करी नत मस्तके आपनो पाठ करुं छुं मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[15/12/2019]

रतुंबळो रळियांमणो, रुडो कळातो रांण
जांणे चितर्यो जोगडा,भिंत उगमणीं भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप उदय समये रतुंबळा रंग ना एवा रुडा दीपो छो के जांणे उगमणी दिशा रुपी उगमणी भींत पर अद्वितिय कुशळ चतुरभुज महाचित्रकारे महाचित्र बनाव्युं होय तेवुं भासे छे,असीम सौदर्य ना आधीपति नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[16/12/2019]

सुरज उर संभारणां,जापोय जिभडीयां
अंतर उघडीयां,जोतांय भेळा जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ना संभारणा अम हैये सदेव हरीयाळां रह्यां छे,अमारी आई आवड ने कह्ये आप उदय न थया एवी यादीयुं अम उरे सदैव रेहशे,अने अमारी जिभडीये कायम आप ना जाप रहे छे, आप ने परोडीये जोतां वेंत हैया मां ए पुरातन वातुं ना पटारा खुली जाय छे,आप ने मारां नित्य वंदन छे

[17/12/2019]

आशिस सूरज आपना,लोक त्रणें लखलुट
ज्वार तणीं पण जोगडा,कोय ना माथा कुट

मांयु निवेदो मांगती,पण, बोले नइ तुं बाप
युगो युगो थी आप,जग्ग पुजाया जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप त्रणेय लोक पर जिवन पुरु पाडो छो अनहद आशिस वरहावो छो, अने हे नाथ जेम कुळदेवि ने पण जवार अने निवेद नो दिवस नक्की होय छे अने जो ई न करीये तो अमुक कारणो थतां होय छे,परेसानी जेवी स्थिति नी मान्यता पण रही छे पण आपे कोयदी कोई जवार करवो के वंदनायुं करवी एवो कर अम छोरुं पर राख्यो नथी तेथीज कदाच युगो युगो थी आपनी पुजायुं थाय छे,आपनी उदार मतवादीता ने मारां नित्य वंदन छे.

[18/12/2019]

सूरज रूह सभावतुं,कस्यप पोषक काय
जापुं तम हर जोगडा,नतनत शीस नमाय

हे भगवान सुरज नारायण आप आत्मा ना देव छो एम वेद कहे छे,तथा हे नाथ आप सर्व काया नुं पोषण करो छो एम विज्ञान पण स्विकारे छे,आम आत्मा अने शरिर बंन्ने आपनेज आभारी छे तोय जे न वंदे एनाथी मोटो महामुर्ख तो कोंण होई सके..
हे तिमिर नाम अंधकार ने हरीलेनान नाथ हुं मस्तक नमावी ने नितनित आपनी वंदना करुं छुं.आपने मारां नित्य वंदन छे.

[19/12/2019]

कपट मोह मद कामना,इरख लोभ अहकार
जपतां सूरज जोगडा,विरमे सकळ विकार

हे भगवान सुरज नारायण आपनो जप करतां कपट मोह मद काम ईर्षा लोभ अने अहंकार सहीत तमाम विकरो विराम पामे छे अने आत्मिक उर्जा उर्ध्व गतिये पोगी ब्रह्म रंध्र सुधी अजवाळुं फेलावे छे अने क्यारेक तो एक अनोखी ओरा ऐ जाप समये देह फरते बबे फुट नो घेरावो करती बंधाय छे,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[20/12/2019]

आवुं तेज अंगारमां,भाळल कोंणे भांण
जुदीज तुं मां जोगडा,रइ छे वातुं रांण

हे भगवान सुरज नारायण विज्ञान कहे छे के सुर्य ए आग नो गोळो छे, पण हे नाथ मात्र आग ना गोळा नुं आवुं तेज कोयदी होई न सके..आटला जोजन दुर अजवाळां सामन्य अगनजाळुं न फेलावी शके..वळी अंगार ने माथे तो बळेल ईंधण नी राख नी परत पण जामे अने धुमाडो के जराळ पण उठे ई बधी वातुं मन ने मनाववानी छे पण खरेखर तो आप मात्र अंगार नई कंईक अलगज तत्व छो जे अमारी बुद्धी ना माप दंडे मपाय तेम नथी आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[21/12/2019]

सिंह धणीं द्रग सातमे,होय इ राजा होय
कारक आतम कोय,जोयो न दुजो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण कृतिका उतराषाढा उतराफाल्गुनि भचक्र नी पांचमी राशी सिंह ना स्वामी एवा आप पुर्व दिशा ना आधिपति सात अश्व ना रथी आप जो सप्त मे स्थाने द्रस्टी करो तो ए जातक राजा थाय एवुं ज्योतिष कहे छे,आपनी द्रस्टी मात्र राजा बनावी सके अने वेदो तेमज ज्योतिष शास्त्र पण आपने आत्मा ना कारक कहे छे तेवो आप सम बिजो कोय आत्मा नो कारक अमे जोयो नथी एवा हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[22/12/2019]

तुं मॉ जिभने टेरवे,अरु, हैये गोरख हेत
जडधर ध्याने जोगडा,खे वर आतम खेत

हे मां जगदंबीका महाशक्ति तुं तो कायम मारी जिभना टेरवे रमती होय छे,अने मारा हैया मां सदैव मारो संन्यास मारो आदर्श गुरु गोरखनाथ,अने मारे ध्याने सदा भगवान शिव बिराजेल रहे छे,तेमज जागतां वेत जेने चरणे वंदन नो नित्य एक नवो दोहो रचीने पछीज हेठो पग मुकवो ई निम नो जळवावनार मारो खे(आभ)वर(मालीक,पति)सुरज नारायण आत्मा ना खेतर मां नित्य नवि मोलातुं लणवा दिये छे,आम आप सर्व ने लाखो नमन सह नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[23/12/2019]

सेवातण सांन्डीलनुं,भ्रात खोडि नो भांण
रोकइ राख्यो रांण, जीभ कह्ये थी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ने ज्यारे सांन्डीलिनी नामनी ऋषी पत्नीये कह्युं त्यारे आप उगेल नई..अने बिजीवार भगवती खोडीयार नो भाई मृत्यु ना मुखे हतो अने मोटी बहेन आवडे कह्युं ने आप उग्या नहू रोकाई गया आम उपासको नी लागणीयो ने समजी सकी प्रकृति ना नियम पलटी जोगमाया नी जीभ ना वेंण जाळवी आप आपना सेसुद्ध क्षात्रधर्म ने बजावेल छे आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[24/12/2019]

सूरज तुं समसा करी,अम, हैये भरतो हाम
जाता पस्चिम जोगडा,ई, आथमता से आम

हे भगवान सुरज नारायण अम भारतीय संस्कृति ना उपासको ना हैये हिम्मत भरवा आप रोज आवी ने एक ईसारत करी ने कहो छो के हे पस्चिम नुं अनुकरण करनाराओ चेतज्यो..पस्चिम तरफ आगळ वधतां सुर्य नो पण अस्त थतो होय तो तमारी शुं विसात छे..हे जिवन नेज संदेश बनावनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[25/12/2019]

पुरव थी पुरवी रीयो, तुं धर अंबर तेज
दिकरीयां घर देज, जांण दिये नत जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप पुर्व दिशा थी धरती ने आभ सुधी रोज तेज ना अंबार भरी दो छो,पण कोक नुं दिधेल कायम बेसी नथी रेहतुं एम सांज ढळतां पाछुं अंधार घोर थई जाय छे,अने धरती तो आपनी दिकरी ने,दिकरी ने अछत जोई वळी बिजे परोडीये बाप पाछुं दहेज देवा उगमणो आवि ने उभो होय छे अने फरी तेज ना गाडेगाडां भरी ने मोकलो छो अने पाछो आभ सुधी नो तेज नो अंबार भरी दियो छो,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[26/12/2019]

गीत मधुरां गावता,चडीया आभ चडी
पंखीन केम पडी,के,जाग्यो सुरज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ना आगमम नी पेहला प्रकृती मां कंईक फेरफार थतो हशे जे मनुस्य नथी पामी सकतो पण पंखीडां ने खबर पडी जाय छे, कुकडो परोडे बोले छे,पंखीडां आभे चडी ने गीत गाय छे,कोयल टहुका करी उठे छे,फुल पोतानी सोडम ने गजा बहार नी मेहकावी आखुं वातावरण सुगंधित करवा बिडुं झडपे छे,हे नाथ आपना देखावा पेहलानी दुदुंभीयुं कोंण जांणे केम आ प्रकृती ना जीवो ने काने पडी जाय छे,कुदरत नी कळा ने कोंण पामी सके,पण आखी प्रकृती जेना सामैया माटे साबदी बने छे एवा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[27/12/2019]

सूरज आ संसार क्हे, गुरु बिन मळे न ग्यान
धुरजट जेवुं ध्यान,तमे, जांण्युं क्यांथी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ आखुं जगत एम कहे छे के गुरु विना ग्यान नथी होतुं, पण हे नाथ आप युगोथी स्थीर आभ ना आसन पर भगवान महादेव नी जेम ध्यान लगावी बेठा छो ए कोनी पासे थी सिख्या हशो ? के पछी आ बधुं आपो आप आप मांथी उत्पन्न थयुं हशे? हे नाथ अमारी मती आप ने जांणवा बहु टुंकी पडे छे,तुलसी कहे छे के जेने वर्णवी न सकाय तेने वंदन करी लेवां,हे नाथ अवर्णनीय एवा आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[28/12/2019]

अण दागे जे ओपतो, रांदल जीवन रंग
नावलियो नकळंग,जग्ग उजाळे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जगदंबा रांदल ना दाग रहीत तपस्या भर्युं जीवन अत्यंत तेजो मय छे अने जे घर नी नारी एटली तेज नो अंबार होय एनो निस्कलंक नावलीयो घर नी हुंफ भरी हाम पोतानी तपस्या ना तेजे नवेखंड ने अजवाळी सके छे एवो संकेत करी भारतनी सन्नारीयुं ने अणदाग जीवन नी प्रेरणा देनार दंपती भगवती रांदल अने सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[29/12/2019]

अठ घोडा ठठ आभमां, भाळल सौए भांण
जद चारण पे जोगडा, रिझीयो सुरज रांण

हे भगवान सुरज नारायण जेदी चारणे हठ लीधी के घोडो देवानुं वेंण चांपराजे दिधुं छे तो घोडो पण मने चांपराज दे,करण जेवा दानवीर नो बाप सुरज नारायण एना बिजा दिकरा चांपराज ने चारण ने अश्व देवानुं वेंण पुरुं कर्या पेहला लई केम सके,चारण हठ ने जोई ने हे सुरज नारायण आप चारण पर एटला राजी थया के पोते चांपराज नो वेह धरी हाथ मां अश्व लई हेठा आवि रहेल तेदी सात घोडा आप ना रथे जोडेल अने आठमो घोडो चारण ने देवा हाथमां राखेल ए आठ आठ घोडा नी हावळ्युं नी ठठ वागती तेदी सौए आभ मां जोयेल एवा चारण नी हठने पुरी करवाय राजी रेहनार हे सुरज नारायण मारां आपने नित्यवंदन छे.

कवि ने केकांणो धरी,आभां लग अडीया
चांपा ई चडीया,जगमां रह्या न जोगडा

हवे ई द्रस्यो कोंण भाळी सके? कारण के जे कवियो ने उत्तम केकांण आपी किरत ने आभे अडाडी सके तेवा चांपराज तो जगत मां रह्या नथी..(कोई ने एम थाय के हवे एवा चारणो पण क्यां छे तो कहुं ..चांपराज ने एवी आश पण नोहती के हुं गया पछी कवि आवशे ने सुरज नारायण ने मारा रुपे हेठे बोलावी मारी किरत ने जग अमर करशे एवी कोई पण आशा वगर मात्र चारण ना राजीपा अने पोतानी दातारी ना गुंण ने दाखववा अश्व आपेल,एटले नारायणे अमर किरत करी ए नारायण ने कोटी वंदन

अरथ पद अने ओरडा,गाडी धर ने गाम
जंपे मरकट जोगडा,नारण जपे न नाम

हे नारायण आ मानव नुं मन तो जो जे हारे नथी आववानुं ए अर्थ (पैसो)पद (नोकरी मां प्रमोशन) एक घर मुकी बिजुं थोडुं मोटुं घर खरीदवा नी दोड,एक गाडी आपी बिजी मोटी गाडी लेवी,होय एथी वधु जमिन मां रोकांण करवुं,पोतानुं गामडुं नानु लागे एटले रेहवा शेर तरफ दोड,एमां पण पोतानुं स्थळ नानप वाळुं लागे एटले नवो विस्तार बदलता रेहवुं,आम मर्कट नी जेम जंप्या करे छे..जे आखरे आयखुं पत्ये आंहीज रही जवानुं छे,फरी जोवाय नथी मळवानुं पण तोय कुदका भर्ये राखी पोताने सफळ गणे छे,पण खरी सफळता तो नारायण नुं नाम जप्या मां छे जे नाम अजामिल छेल्ला स्वासे एकज वखत बोल्यो अने उद्धार पाम्यो, जंप करवा ई मर्कट नो स्वभाव छे,जप करवा ई ऋषी तुल्य मनख नो,हुं भौतिक प्रगती नो विरोध नथी करतो, समाज ना उत्कर्ष माटे ईय जरुरी छे.माटे जंप करो पण हारे जप पण करता रेहज्यो..

[30/12/2019]

नैरुत वाळा नाथजी, रंग दियें नत रांण
जम ने पाडो जोगडा,भेहुंय तारे भांण

हे भगवान सुरज नारायण दसेय दिशा ना दस दिग्पाळ उपर ब्रह्मा,ईशान मां शिव,पुर्वे ईन्द्र,अग्नी खुंणे अग्नी,दक्षीणे यम,नैरुत्य मां नुरुत(वराह पुरांण नैरुत्य मां सुर्य ने दिग्पाळ कहे छे)पस्चिमे वरुण,वायव्य मां वायु,उत्तरे कुबेर,निचे अनंतनाग(शेष नो पण उल्लेख) जेमां निचे शेष/अनंत आपना भाई,नैरुत्य मां आप पोते,अने दक्षिण मां आपनो दिकरो यमराज ई यमराज नुं वाहन पाडो छे,जेनो दिकरो पाडा पर फरतो होय ई बाप पांहे भैंस्युं हशेज,कदाच नाग नी दीकरी चारण ने वरी तेदी अफिंण नागे दिधुं पण करीयावर मां भैंस्युं आपे दिधी होय तोय ना नई..
एवा हे चारणो हारे जुने नाते बंधायल नारायण आपने रंग दई ने मारां नित्य वंदन छे.

उपड्या सूरज ओरडे, वाळुं करवा वीर
खुद रनां लई खीर,जोती वाटुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप संध्या थतां पोताने ओरडे वाळुं करवा पधारी रह्या छो त्यारे जगदंबा रांदल आप ने भावतुं भांणुं खीर रांधीने आपनी राह जोई रह्या छे, कारण भेस्युं तो घरनी छे..

सुर्य पुत्र यमराज पाडो लई ने एटलेज तो फरी सके छे कारण के खाडुं घरनुं छे
[31/12/2019]
